शनिवार
22 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बोले पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव...नीट पेपर कांड में जहां होगी पूछताछ, मैं आउंगा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस... योगाभ्यास कर दिया संदेश- अगर रहना है निरोग तो अपनाएं योग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरा देश योग के रंग में रंग गया। इस दिन की महत्ता को स्वीकारते हुए और लोगों में इसकी उपयोगिता का संदेश देने के उद्देश्य से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर प्रधानमंत्री तक ने योग किया। बता दें कि, 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था, तब से इसे अलग-अलग थीम पर मनाया जा रहा है। इस बार की थीम 'योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी' है। अंतराराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य के अलग-अलग भागों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोग योग के रंग में रंगे नजर आए। योग को लेकर लोगों में गजब का उत्साह नजर आया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में तो वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में डल झील के किनारे योग किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि योग, मानवता को भारत का अनूठा उपहार है साथ ही आज के वक्त में जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं में वृद्धि के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मुर्मू ने राष्ट्रपति सचिवालय के अन्य अधिकारियों के साथ यहां राष्ट्रपति भवन में योग किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे विश्व समुदाय, विशेषकर भारत के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं। योग, मानवता को भारत का अनूठा उपहार है। जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं में वृद्धि के मद्देनजर योग और भी महत्वपूर्ण हो गया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में योग किया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न संस्थानों के छात्रों के साथ सेल्फी ली। कहा कि योग जम्मू कश्मीर में और पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है साथ ही इससे स्थानीय लोगों को आजीविका के नए साधन मुहैया होंगे।

रांची में कांके रोड स्थित एस्टल ग्रीन अपार्टमेंट में ईडी ने की छापेमारी

जमीन कारोबारी कमलेश के ठिकानों पर रेड, 1 करोड़ कैश व 100 कारतूस बरामद

- झारखंड में हुए जमीन फर्जीवाड़ा मामले में ईडी ने की कार्रवाई
- पूछताछ के लिए समन भेजे जाने के बाद से फरार था कमलेश

एजेंसी/रांची

मीडियाकर्मी से जमीन कारोबारी बने कुमार कमलेश के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने शुक्रवार को छापेमारी की। इस दौरान ईडी की टीम को कमलेश के घर से 100 कारतूस और एक करोड़ रुपया कैश मिला। ईडी ने कमलेश के राजधानी रांची में कांके रोड़ स्थित एस्टल ग्रीन अपार्टमेंट में छापेमारी की थी। यहां कमलेश किराये के मकान में रहता था। ईडी को 9 एटीएम कार्ड और जमीन के कई डीड मिले है। जमीन का कारोबार करने से पहले कमलेश रांची के एक स्थानीय अखबार में फोटोग्राफर और रिपोर्टिंग का काम करता था। जमीन फर्जीवाड़े मामले की जांच कर रही ईडी की टीम ने शुक्रवार को कमलेश के कई ठिकानों पर दबिश दी। इससे पहले भूमि घोटाले मामले में कमलेश को ईडी ने पूछपाछ के लिए समन भेजा था। हालांकि समन पर उपस्थित होने के बदले वो फरार चल रहा था।

कांके थाना पुलिस ने रिवर ब्यू गार्डन के मालिक और जमीन माफिया कमलेश को अक्टूबर 2021 में गिरफ्तार किया था। कमलेश कांके के चामा नगड़ी में एक आदिवासी जमीन पर जबरन कब्जा के लिए जेसीबी लेकर पहुंचा था। जमीन मालिक की सूचना पर पुलिस ने कमलेश और उसके साथ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। मूलरूप से जमशेदपुर के सीताराम डेरा थाना क्षेत्र के भुईंयाडीह निवासी कमलेश का रांची में कोकर के चेशायर होम रोड में अपना मकान है। कमलेश पर कांके रोड स्थित लॉ कॉलेज से सेटे रिंग रोड किनारे करीब 25 एकड़ गैमजरुआ जमीन पर रिवर व्यू प्रोजेक्ट खड़ा करने का आरोप है। फर्जी दस्तावेज के सहारे लॉ कॉलेज और जुमार नदी की 20.59 एकड़ जमीन हड़पने का आरोप है। बताया जाता है कि मिट्टी डालकर जमीन को समतल करने के दौरान कांके के तत्कालीन सीओ के निर्देश पर 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसमें लॉ यूनिवर्सिटी के पीछे स्थित रिंग रोड से सटे जुमार नदी, गैरमजरुआ जमीन और बीएयू की अधिगृहित जमीन पर कब्जा करने का आरोप है। मामला जब तूल पकड़ा तो जांच एसीबी को सौंप दी गई।

धनबाद में सेवानिवृत कर्मी के घर से 22 लाख के गहने ले उड़े चोर

धनबाद। धनबाद के नावाडीह स्थित शाइन सिटी के पास के मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए 20 हजार नगद समेत तकरीबन 20-22 लाख के जेवरात उड़ा लिए। भुक्तभोगी गृहस्वामी अभिलाष सिंह बीसीसीएल के मुनीडीह एरिया से सेवानिवृत हुए हैं। वह परिवार समेत घर के उतरी तल्ले पर सो रहे थे। इसी बीच चोरों ने नीचे के बाथरूम के वेंटीलेटर का ग्रिल खोलकर घर में घुसे और नीचे तल्ले को पूरी तरह से खंगाल दिया। घर सर्च करने के दौरान चोरों को अलमारी की चाभी भी हाथ लग गई जिसमें जेवरात व पैसे थे। चोरों ने आसानी से सभी जेवरात समेट लिए और मुख्य दरवाजा अंदर से खोलकर निकल लिए। जेवरात अभिलाष सिंह के दोनों बेटे के थे। भुक्तभोगी गृहस्वामी ने बताया कि उनके छोटा बेटा वैभव की शादी होने वाली थी। हाल में ही उसकी सगाई हुई थी। सगाई के दौरान चांदी के कटौरा में शगुन के तौर पर 20 हजार नगद भी उसे मिल थे तथा तीन चार सोने की अंगूठी थी, जो अलमारी में एक जगह पर सुरक्षित रखा गया था। वह सब चोर अपने साथ ले गए।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। अपनी ही पार्टी में अलग थलग पड़े कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आखिरकार पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी की राज्य इकाई की बैठक के बाद चौधरी ने यह घोषणा की। लोकसभा चुनाव के दौरान ही पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उनके मतभेद चल रहे थे।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में पार्टी के खराब प्रदर्शन को लेकर शुक्रवार की दोपहर राज्य कांग्रेस कमेटी की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन की समीक्षा की गई। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा देने का एलान किया हालांकि कांग्रेस की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है कि उनका इस्तीफा स्वीकार किया गया है या नहीं। अधीर रंजन चौधरी ने अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए दावा किया है कि वह सिर्फ कांग्रेस के राज्य इकाई के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि जब से मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष बने हैं तब से कोई प्रदेश अध्यक्ष नहीं है। जब पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होगी तो आप सभी को जानकारी मिल जाएगी।

दिल्ली में जल संकट को लेकर अनशन पर बैठीं मंत्री आतिशी

एजेंसी/नई दिल्ली

सीएम केजरीवाल ने लिखा संदेश... पानी के लिए सियासत करना ठीक नहीं

दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। आतिशी ने अपनी अनशन शुरू करने से पहले राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि दी। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार में जल मंत्री होने के नाते राष्ट्रीय राजधानी को पानी दिलाने के लिए मैंने हर संभव प्रयास किया है, लेकिन अब अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा है। जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा से हर दिन 100 मिलियन गैलन पानी छोड़े जाने की मांग की है। अपनी मांग की पूर्ति नहीं होने पर उन्होंने शुक्रवार से दक्षिण दिल्ली के भोगल इलाके में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। आतिशी ने साफ कर दिया कि उनकी हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक हरियाणा सरकार दिल्ली को उसके हक का पानी नहीं दे देती।

तिहाड़ जेल में बंद सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक संदेश लिखा है। इसमें केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के लोगों को पानी की कमी से जूझते हुए देखना बहुत कष्टदायक है। कहा कि प्यासे को पानी पिलाना हमारी संस्कृति है। दिल्ली को पड़ोसी राज्यों से पानी मिलता है। हमें ऐसी भीषण गर्मी में पड़ोसी राज्यों से मदद की उम्मीद थी लेकिन, हरियाणा ने दिल्ली के पानी का हिस्सा ही कम कर दिया। उन्होंने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि ऐसी भीषण गर्मी में क्या यह पानी पर राजनीति करने का समय है। उन्होंने हरियाणा की बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकार हैं, लेकिन पानी के लिए सियासत करना कहीं से भी ठीक नहीं है।

बिहार के राजस्व एवं भू सुधार मंत्री बोले दोषी अफसरों को बख्शा नहीं जाएगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने साफ किया है कि भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं करेंगे। जिन पदाधिकारी के खिलाफ जिलों से आरोप पत्र दायर कर भेजा गया है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बिहार के 36 से अधिक ऐसे अंचल अधिकारी हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई प्रक्रिया में हैं। मंत्री दिलीप जायसवाल ने बताया कि दोषी पदाधिकारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। भूमि विवाद के बड़ी संख्या में मामले सुनवाई के लिए लंबित हैं। जिससे विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है। शनिवार को थाना अध्यक्ष एवं अंचल अधिकारी भूमि विवादों का निपटारा करते हैं। लेकिन अंचल स्तर पर ऐसे बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं जिसका समाधान नहीं हो पा रहा। वर्षों से ऐसे तमाम मामले लंबित हैं। विभाग में इसके लिए विशेष सेल गठन करने का निर्देश दिया गया है। ताकि विवादों का समय से और प्रभावी निष्पादन हो सके।

मुंगेर में हादसा... ईयरफोन लगा रेलवे ट्रैक को पार कर रही दो छात्राओं की ट्रेन से कटकर मौत

केटी न्यूज/पटना

इंटर फाइनल ईयर की परीक्षा देकर जा रही दो छात्राओं की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मुंगेर के जमालपुर-भागलपुर रेल खंड पर पाटम और रतनपुर स्टेशन के बीच डाउन रेलवे ट्रैक पर हुआ। वहीं हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी और आरपीएफ दोनों के शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई के लिए जमालपुर ले आई। दोनों छात्राओं की पहचान बरियारपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर बस्ती निवासी पप्पू मंडल और नूतन देवी की बेटी सोनाली कुमारी और बरियारपुर कालीथान निवासी रूपेश कुमार साव और मंजू देवी की बेटी अंजली कुमारी के रूप में हुई है। यह एसबीएन कॉलेज गढ़ी रामपुर से इंटर फाइनल ईयर की परीक्षा देकर ट्रेन पकड़ने के लिए पाटम हॉल्ट से डाउन रेलवे ट्रैक के बीच होते हुए रतनपुर स्टेशन आ रही थी।

बताया गया कि दोनों छात्रा अपने कान में ईयर फोन लगाकर चल रही थी। पीछे से डाउन 13236 साहिबगंज इंटर एक्सप्रेस हॉर्न बजाते हुए 11 बजकर 50 मिनट के करीब रतनपुर की ओर आ रही थी। लेकिन, कान में ईयर फोन लगे होने के कारण दोनों छात्रा पीछे से आ रही ट्रेन की आवाज नहीं सुन पाई और ट्रेन की चपेट में आ गई। दोनों के चिथड़े-चिथड़े उड़ गए। इससे घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों के घरों में कोहराम मच गया।

पर्यटन विभाग ने चयनित 75 ढाबों और रेस्टोरेंट मालिकों का प्रशिक्षण किया शुरू, सरकार देगी सब्सिडी

महाकुंभ से पहले स्मार्ट होंगे मुख्य मार्गों के ढाबे, रेस्टोरेंट

केटी न्यूज/प्रयागराज

योगी सरकार महाकुंभ को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी के तहत अब योगी सरकार महाकुंभ पहुंचने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को मुख्य मार्गों पर बेहतर सुविधाएं देने के लिए ढाबों, रेस्टोरेंट और होटल्स को नया स्वरूप दे रही है। इसके लिए योगी सरकार उन्हे सब्सिडी दे रही है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि प्रयागराज आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं का अनुभव हो, इसके लिए योगी सरकार प्रमुख मार्गों में पड़ने वाले प्रमुख ढाबों, रेस्टोरेंट और होटल्स को

स्मार्ट बनाने जा रही है। इसके लिए इनके 75 प्रतिनिधियों का चयन किया गया है, जिन्हे शुक्रवार से ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें लखनऊ प्रयागराज, कानपुर प्रयागराज, रीवा प्रयागराज, चित्रकूट प्रयागराज , मिजार्पुर प्रयागराज और वाराणसी प्रयागराज मार्ग में पड़ने वाले ढाबे, रेस्टोरेंट और होटल्स शामिल हैं।

खानपान, बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता के बिंदुओं पर फोकस

बता दें कि महाकुंभ के प्रमुख मार्गों पर आने वाले इन चयनित ढाबों, रेस्टोरेंट और होटल्स में बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। ऐसे में इनमें किचन, सिटिंग एरिया और पार्किंग स्थल को नया स्वरूप देने की योजना तैयार की गयी है। इसी के साथ चयनित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा प्रतिनिधियों को सरकार की तरफ से सहयोग और सब्सिडी दोनों दी जा रही है। प्रदेश की नई पर्यटन नीति में प्रदेश में एग्रो और इको टूरिज्म के साथ धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को नई ऊंचाईयों पर ले जाने की अपार संभावनाएं हैं। इसमें 22 नई गतिविधियों को जोड़ा है। इसमें वेलनेस रिसार्ट , हेरिटेज होम स्टे , बजट होटल, हेरिटेज होटल, स्टार होटल, इको टूरिज्म की ईकाइयां, कारवां टूरिज्म, यूनिट, प्रदर्शनी, तीर्थयात्रा, धर्मशालाएं, आल वेदर सीजनल कैंप, जलाशय, झील, वेलनेस टूरिज्म तथा एडवेंचर टूरिज्म शामिल हैं। इसी का विस्तार करने के लिए प्रमुख मार्गों के बड़े ढाबे, रेस्टोरेंट और होटल्स को शामिल किया गया है। इन्हें निवेश के लिए दी जाने वाली राशि में 25 फीसदी की सब्सिडी भी दी जा रही है।

लकड़ी माफिया का आतंक, वन विभाग के दारोगा को ट्रक से रौंदा

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में वन विभाग के एक दारोगा पर हमला किये जाने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर में कार्रवाई के दौरान वन विभाग का एक दारोगा उनका शिकार बन गया। बैरिया-पुरानी मोतिहारी रोड में लकड़ी लदे ट्रक को रोकने पर ट्रक चालक ने वन विभाग के दारोगा को रौंद दिया और गाड़ी लेकर फरार हो गया। दारोगा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए बैरिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वन विभाग के दारोगा रवि शंकर श्रीवास्तव लकड़ी लदे ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे थे। इसके लिए वह सड़क पर सामने से आकर ट्रक को आगे से हाथ दे रहे थे। चालक ने ट्रक नहीं रोका और दारोगा को रौंदते हुए भाग निकला। उसके बाद गंभीर रूप से जख्मी दारोगा सड़क पर पड़े रहे बाद लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। इस घटना से पुलिस महकमे में आक्रोश का माहौल है।

भारतीय टीम में शामिल हुईं श्रेयसी सिंह, पेरिस ओलंपिक 2024 में दिखाएंगी दम

- टीम में राइफल में 8, पिस्टल में सात और शॉटगन में सात खिलाड़ी किये गये है शामिल
- श्रेयसी सिंह जमुई विधानसभा से बीजेपी की विधायक हैं और राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहती हैं

केटी न्यूज/पटना

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने पेरिस ओलंपिक के लिए टीम का एलान कर दिया है। 21 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम में अनुभवी ट्रैप निशानेबाज श्रेयसी सिंह को भी शामिल किया गया है। इस टीम में अब राइफल में 8, पिस्टल में सात और शॉटगन में सात खिलाड़ी हैं। दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ से मंजूरी मिलने के बाद यह घोषणा की है। भारतीय संघ ने निशानेबाजी की विश्व संस्था से कोटा बदलने का आग्रह किया था। मनु भाकर एयर पिस्टल और स्पोर्स्ट पिस्टल दोनों में टॉप पर रही थी, इसलिए उनका एक कोटा महिला ट्रैप निशानेबाजी में बदल दिया गया है, जिससे श्रेयसी सिंह को टीम में जगह मिल गई है। श्रेयसी सिंह जमुई विधानसभा से बीजेपी की विधायक हैं और राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहती हैं। श्रेयसी पेरिस ओलंपिक में 32 साल की निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी के साथ महिला ट्रैप स्पर्धा में भाग लेंगी। संघ के महासचिव के सुल्तान ने कहा कि शुटिंग से 10 मीटर एयर पिस्टल महिला वर्ग में एक कोटा स्थान बदलने की मांग की थी जिसे मंजूर कर लिया गया है, इसलिए श्रेयसी को टीम में जगह मिली है।

नाराज ग्रामीणों ने सुगौली के विधायक से पूछा... आपने अपने क्षेत्र के विकास के लिए आखिर क्या किया है?

पटना। सुगौली के राजद विधायक शशि सिंह को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ा। विधायक जी सुगौली की जनता के बीच घंटों घिरे रहे और सफाई देते दिखे। लोगों का आरोप था कि विधायक ने क्षेत्र का विकास नहीं किया है। चुनाव के वक्त बड़े-बड़े दावे करने वाले सुगौली के आरजेडी विधायक ने अपने क्षेत्र में कोई काम नहीं किया है। अब साल भर और कार्यकाल है ऐसे में अब तक उन्होंने क्या-क्या काम किया है यह सवाल जनता उनसे पूछने लगी। विधायक को जनता के सवाल का जवाब देते नहीं बन रहा था। हालांकि लोगों के बीच घिरे विधायक ने यह आश्वासन जरूर दिया कि बचे हुए एक साल के कार्यकाल के अंदर जो भी अधूरा काम है उसे जरूर पूरा करेंगे। सुगौली विधायक शशि सिंह अपने क्षेत्र में शाम के वक्त दावत में पहुंचे थे इसी दौरान उन्हें जनता के विरोध का सामना करना पड़ गया। लोग सड़क पुल का निर्माण नहीं होने से नाराज थे।

बीजेपी शासित राज्य बिहार, गुजरात, हरियाणी हुआ पेपर लीक

बोले पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव...नीट पेपर कांड में जहां होगी पूछताछ, मैं आउंगा

- कहा सीएम नीतीश कुमार मेरे पीए और पीएस को बुलाकर खुद पूछताछ कर लें
- नीट का जो पेपर लीक हुआ है उसे अविलंब रद्द किया जाए

केटी न्यूज/पटना

नीट पेपर लीक कांड को लेकर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर जो आरोप लगाए हैं, उस पर तेजस्वी यादव का रिएक्शन सामने आया है। तेजस्वी ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया है कि मुद्दे को डायवर्ट करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेरे पीए और पीएस को बुलाकर खुद पूछताछ कर लें। दरअसल, नीट पेपर लीक कांड को लेकर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और उनके करीबियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा था कि जो लोग पेपर लीक कांड में अरेस्ट हुए हैं वह यदुवंशी समाज से आते हैं और उनका लिंक तेजस्वी के पीएस प्रीतम से है। तेजस्वी ने कहा कि जितने भी बीजेपी शासित राज्य हैं, चाहे वह बिहार हो, गुजरात हो या हरियाणी हो इन तीनों राज्यों मे पेपर लीक हुआ है। हमलोग ही नहीं बल्कि पूरा इंडी गठबंधन इस मुद्दे पर एक साथ हैं। हमलोग चाहते हैं कि नीट का जो पेपर लीक हुआ है इसको अविलंब रद्द किया जाए। पीएस पर लग रहे आरोपों पर तेजस्वी ने कहा कि राज्य और केंद्र में सरकार उन लोगों की है। जांच एजेंसिया भी उनकी ही हैं। मुख्यमंत्री मेरे पीए और पीएस को बुलाकार पूछताछ कर लें। उन्होंने कहा कि बिहार के डिप्टी सीएम जो सवाल उठा रहे हैं, ईओयू तो आजतक इस बात को कही नहीं है। ईओयू इन लोगों को रिपोर्ट करती है क्या। तेजस्वी ने कहा जो पेपर लीक का किंगपिन है, उन लोगों से इस मुद्दे को डायवर्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी मामला है आज न कल सबको पता चल ही जाना है। जो लोग मेरा और मेरे पीए का नाम घसीटना चाहते हैं, इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है। जिस इंजीनियर की बात कही जा रही है वह लाभार्थी हो सकता है लेकिन पेपर लीक का मास्टरमाइंड तो अमित आनंद और नीतीश कुमार है, उनके खिलाफ एक्शन होना चाहिए। बीपीएससी के पेपर लीक में शामिल आरोपियों ने तो बिना जेल गए ही बेल करा लिया।

तेजस्वी के कहने से नहीं चलेगा बिहार : ललन सिंह

पटना। नीट पेपर लीक मामले को लेकर बिहार की सियासत गर्म हो गई है। पक्ष और विपक्ष के नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में लगे हैं। पटना पहुंचे जेडीयू सांसद ललन सिंह ने तेजस्वी के बयान पर पलटवार किया है। ललन सिंह ने कहा है कि तेजस्वी यादव के कहने से न तो सरकार किसी को गिरफ्तार करने जा रही है और ना ही उनके कहने से किसी को छोड़ेगी। जेडीयू सांसद ललन सिंह ने कहा कि पूरे मामले की जांच चल रही है। आर्थिक अपराध इकाई मामले की जांच कर रही है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि बिहार के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और पथ निर्माण मंत्री तेजस्वी यादव के निजी सचिव के कहने पर पेपर लीक में शामिल लोगों को एनएचएआई के गेस्ट हाउस में जगह मिली थी। इसकी जांच हो रही है, कानूनी रूप से जो सही होगा वह कार्रवाई होगी। ललन सिंह ने कहा तेजस्वी यादव के कहने से न तो किसी को गिरफ्तार किया जाएगा और ना ही किसी को छोड़ा जाएगा।

सीएम नीतीश कुमार ने 117 हाईटेक वैन को किया रवाना

केटी न्यूज/पटना

बिहार में डबल इंजन की सरकार पुलिस को सशक्त बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है। बिहार में सड़क सुरक्षा के साथ साथ यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के अलावा मानव तस्करी को रोकने के लिए बिहार की सड़कों पर निगरानी बढ़ाने की रणनीति बनाई है। सीएम नीतीश कुमार ने शुक्रवार को 117 हाईटेक पुलिस वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इन हाईटेक पुलिस वैन के जरिए यातायात पुलिस सड़कों पर निगरानी बढ़ाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस वाहनों के लोकार्पण के पहले उसका निरीक्षण किया और उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। कार्यक्रम की शुरूआत में अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात सुधांशु कुमार ने मुख्यमंत्री को पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार

गीता प्रेस

पुस्तक की दुकान

सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता

सहयोगी प्रतिष्ठान

डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)

: 6299941536

लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तोड़ेंगे प्रण... अयोध्या में मुंडन के बाद उतारेंगे मुरेठा

केटी न्यूज/पटना

नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतार कर अपनी पगड़ी उतारने की कसम खाने वाले सम्राट चौधरी का सीएम बनने का सपना परमानेंटली चकनाचूर हो गया है। लिहाजा अब पगड़ी उतारने की तारीख तय कर ली है। सम्राट चौधरी अयोध्या जा रहे हैं, जहां राम मंदिर में अपना मुंडन करा कर पगड़ी उतारेंगे। बीजेपी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सम्राट चौधरी 2 जुलाई को अयोध्या जा रहे हैं। अयोध्या में वे राम मंदिर में पूजा करने के साथ ही अपना मुंडन करायेंगे और फिर अपनी पगड़ी उतारेंगे। सम्राट चौधरी के करीबियों ने इसकी पुष्टि की है कि वे 2 जुलाई को अयोध्या जा रहे हैं। बता दें कि सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार को सीएम की कुर्सी से हटाने के बाद अपनी पगड़ी खोलने की कसम तब खायी थी जब बिहार में जेडीयू और राजद की सरकार थी। लेकिन इसी साल की शुरुआत में नीतीश कुमार ने पाला बदला और बीजेपी के साथ चले आये थे। तब ही सम्राट चौधरी से सवाल पूछा गया था कि नीतीश को सीएम की कुर्सी से हटाने के उनके कसम का क्या हुआ। तब सम्राट चौधरी ने कहा था कि वे पार्टी के लिए अपनी कसम तोड़ रहे हैं और भगवान राम के चरणों में अपने बाल और पगड़ी समर्पित कर देंगे।

हमेशा के लिए टूटा सपना

भाजपा नेताओं का एक बड़ा तबका ये मान रहा था कि लोकसभा चुनाव में बीजपी को बड़ा बहुमत आयेगा और तब बिहार में सत्ता का हिसाब-किताब बदलेगा। लेकिन, लोकसभा चुनाव परिणाम ने नीतीश कुमार को और मजबूत कर दिया। अब बीजेपी को केंद्र में अपनी सरकार चलाने के लिए नीतीश कुमार की पार्टी के 12 सांसदों की जरूरत है। खुद सम्राट चौधरी ये एलान कर रहे हैं कि अब 2025 का विधानसभा चुनाव भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जायेगा। यानि 2025 में भी नीतीश की विदाई और सम्राट चौधरी की ताजपोशी का कोई चांस नहीं दिख रहा। लिहाजा सम्राट चौधरी ने अपनी पगड़ी उतारने की रस्म अदायगी करने का फैसला कर लिया है।

रील बनाने के चक्कर में बाइक सवार ने बच्चे को कुचला, मौत

नवादा। नवादा में मोटरसाइकिल सवार ने स्टंट कर रील बनाने के चक्कर में सात साल के बच्चे को कुचला, मौके पर मौतबिहार के नवादा में मोटरसाइकिल से स्टंट करते हुए रील बनाने के चक्कर में मोटरसाइकिल सवार ने एक सात साल के बालक को कुचल डाला। जिले के अकबरपुर-थाली रोड पर शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने एक बच्चे की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इसके बाद आक्रोशित परिजनों ने सड़क को जाम कर दिया।

वहीं, आरोपी चालक मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। इधर, थाली थानाध्यक्ष विकास चंद्र यादव ने बताया कि अकबरपुर से थाली की ओर से तेज रफ्तार से जा रहे मोटरसाइकिल चालक ने दनियार गांव के कारु मांझी के पोते को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

S2 Mall

SCPL

RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING

FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.

For Booking Contact : 9431019808, 9693777038

Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001

E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

डिजाइनर अभिषेक राय के हैंडमेड हैंडलूम साड़ियों कलेक्शन होगा लॉन्च

22- 23 जून को देश के बड़े फैशन डिजाइनर के लेटेस्ट कलेक्शन का पटना में होगा फैशन प्वाइंट एग्जिबिशन

- रियल इमिटेशन और फैशन ज्वेलरी की भी भरमार होगी, लेडिज के साथ मेंस वेयर भी मिलेगा

केटी न्यूज/पटना

फैशन में रूचि रखने वाले बिहारवासियों के लिए राजधानी पटना के होटल पनाश में 22- 23 जून को दो दिवसीय फैशन प्वाइंट एग्जिविशन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर के बड़े फैशन डिजाइनर के लेटेस्ट कलेक्शन का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसमें मेट्रो कलेक्शन की भरमार होगी। इसको लेकर पटना वासियों में काफी उत्साह है। एग्जिबिशन का उद्घाटन विधायक श्रेयसी सिंह करेंगी। उक्त बातें फैशन प्वाइंट की चेयरपर्सन रीना अग्रवाल ने शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया की एग्जिविशन में कोलकाता के मशहूर फैशन डिजाइनर अभिषेक राय के हैंडमेड हैंडलूम साड़ियों के बेहतरीन कलेक्शन को लॉन्च होगा। जिसे आप कस्टमाइज भी करवा सकते हैं। वहीं शांति निकेतन के कार्तिक मना के बाटिक प्रिंट के एक्सक्लूसिव कलेक्शन प्योर कॉटन सिल्क में लेडीज और मेंस वियर के जैकेट, क्रॉप टॉप और एक्सक्लूसिव साड़ियों की बेहतरीन कलेक्शन की पेशकश की जाएगी। रीना अग्रवाल ने बताया की यहां डिजाइनर सांझ की कस्टमाईज ड्रेसेज की सुविधा भी बिहारवासियों को मिलेगी। एग्जिविशन में इस बार मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर जैसे मेट्रो सिटीज के साथ-साथ लखनऊ, बनारस, जयपुर, पंजाब के लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के कलेक्शन भी देखने को मै मिलेंगे। जो खास कर पटना वासियों के लिए डिजाइन किए गए हैं। वही रियल इमिटेशन और फैशन ज्वेलरी की भी भरमार होगी। उन्होंने बताया की इस बार फैशन पॉइंट के इस एग्जिविशन की खास बात यहां पेश किए गए तमाम कलेक्शन पूरी तरह से प्योर हैंडमेड एंड हैंडलूम पर फोकस्ड है। यहां बिल्कुल यूनिक और एक्सक्लूसिव पीस ही मिलेंगे। एग्जिबिशन में प्योर ओरिजिनल मटेरियल हैंड वर्क की कारीगरी देखी जा सकती है। समर वियर के साथ-साथ वेडिंग और कस्टमाईज कलेक्शन के लेटेस्ट रेंज उपलब्ध होंगे। फेस्टिवल एवं वेडिंग सीजन को देखते हुए फेस्टिव कलेक्शन उपलब्ध कराए जा रहें हैं। एग्जीबिशन में प्रति घंटे विजिटर्स के लिए लकी ड्रॉ किया जाएगा।

वैदिक विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई बुढ़िया काली मंदिर की वार्षिक पूजा

केटी न्यूज/बक्सर

- बुढ़िया काली मंदिर के वार्षिक पूजा में आस्था का उमड़ा जन सैलाब, बेहद खास है यहां का इतिहास

नगर के बाईपास रोड स्थित बुढ़िया काली मंदिर का वार्षिक पूजा शुक्रवार को काफी धूम धाम से मनाया गया। भीषण गर्मी के बावजूद इस विशेष पूजा को लेकर नगर के लोगों में काफी उत्साह देखा गया। सुबह से लेकर रात्रि तक मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आकर मां का जलाभिषेक व पूजन अर्चन कर परिवार की खुशहाली के लिए मन्नते मांगी। सुबह से ही मंदिर में वार्षिक पूजा की तैयारी शुरू हो गई थी। मंदिर को धो पोछकर साफ किया गया था। अहले सुबह से ही मुख्य पुजारी के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार व मां काली के जयकारे के साथ वार्षिक पूजा की शुरूआत हुई। पूजा के बाद महाआरती का आयोजन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच पुड़ी व पकवान के प्रसाद का वितरण किया गया। वार्षिक पूजा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई थी। उनके द्वारा गाए जा रहे मांगलिग गीत आकर्षण का केन्द्र बने हुए थे।

सुगंधित फूलों से सजा था मां काली का दरबार: मंदिर की व्यवस्था में लगे जय मां काली बक्सर नगर वाली समिति के कोषाध्यक्ष अशोक सर्राफ व सदस्य बसंत कुमार ने बताया कि वार्षिकोत्सव को लेकर अहले सुबह तीन बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया, जो देर रात तक चलता रहा। वहीं इस अवसर पर मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सुगंधित फूलों से सजाया गया था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सदस्यों द्वारा शरबत और जल की व्यवस्था के साथ निःशुल्क जूता-चप्पल पांडाल भी लगाया गया था। कड़ी धूप से सुरक्षा के लिए टेंट भी लगाया गया था। वार्षिक पूजा पर मंदिर के बाहर मेला भी लगा था, जिसमें बच्चों के खिलौने से लेकर खाने-पीने तक की सामाग्री बिक रही थी। मान्यता है कि मां के दर्शन मात्र से ही भक्तों की हर मुरादें पूरी हो जाती है।

नीम के पेड़ के नीचे पिंड के रूप में हुई थी मां काली पूजा की शुरूआत : मंदिर समिति के सदस्य बसंत कुमार ने बताया कि मंदिर का इतिहास पुराना है। जब इस नगर का विकास नहीं हुआ था, तब नीम के पेड़ के नीचे पिंड के रूप में देवी की पूजा की जाती थी। इसलिए इनको बुढ़िया काली मां भी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि पूर्वजों का कहना है कि मंदिर का कोई प्रमाण नहीं है कि कब यहां पर बना था। वहीं मान्यता है कि नगर पर जब भयंकर बीमारी का प्रकोप आया था, तब लोगों ने बुढ़िया काली मां से गुहार लगाई थी। जिसके बाद महामारी से नगर को छुटकारा मिला था। बुढ़िया काली मां के साथ-साथ नगर माता के रूप में भी यह मंदिर विख्यात है। वार्षिक पूजा के दौरान मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रदीप राय, सचिव शिव कुमार खेमका, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार, बसंत कुमार, बिट्टू केशरी, रामजी अग्रवाल, बड़े वर्मा, आदित्य कुमार, रेणु अग्रवाल, संजय चौधरी, बिहारी केशरी, लालजी वर्मा, बिनोद वर्मा, दीपक जायसवाल, बिंदा वर्मा, मनोज कुमार, सुनील कुमार, निक्की वर्मा, मानिकचंद्र वर्मा, संतोष केशरी, अभिषेक वर्मा, भोला सोनी, गोपी वर्मा, संदीप वर्मा, अमन वर्मा, बड़े वर्मा, रवि साह, पहाड़ी वर्मा, सन्नी वर्मा, किसान वर्मा, अनूप वर्मा, प्रकाश केशरी, राजकपूर, डिंपल, विवेक वर्मा, अनिल पटवा, आकाश वर्मा, रवि वर्मा राजा, गुड्डू वर्मा, विशाल वर्मा, तरुण वर्मा, राजू प्रसाद केशरी, अमन मिश्र, लालू, पंकज वर्मा, बिट्टू मिश्र, मिट्टू वर्मा, अनूप पटवा, सत्यम, छोटू, राजा वर्मा, दीपक केशरी, पिंटू केशरी, अनूप गुप्ता, प्रमोद वर्मा, मुन्ना केशरी के अलावे समिति के अन्य सदस्यों ने पूरी व्यवस्था को तत्परता से संभालते दिखे।

खबरें फटाफट

बिजली चोरी के आरोप में दो पर केस

सिमरी। बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विभाग की ओर से छापेमारी अभियान लगातार जारी है। इसके बावजूद उपभोक्ता बिजली चोरी से बाज नहीं आ रहे है। गुरुवार को विभाग की ओर से धनहा गांव में छापेमारी अभियान चलाई गई। इस अभियान में दो लोग अपने परिसर में स्थापित मीटर को बाईपास कर बिजली चोरी करते पकड़े गए है। मामले में बिजली कंपनी के जेई अर्जुन वर्मा ने बताया कि बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों के खिलाफ आर्थिक जुमार्ना के साथ थाने में नामजद शिकायत दर्ज कराई गई है।

डीएम के जनता दरबार में आए 33 आवेदन

बक्सर। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा आम जनता से मुलाकात के क्रम में कुल 33 आवेदनों पर समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में सुनवाई की गई। डीएम ने सभी आवेदनों को ध्यान से पढ़ा तथा उस पर रिर्माकिंग करने के साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को फारवर्ड करते हुए आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि आम जनता के कामों को तत्परता से करना है। उन्होंने कहा कि आम जनता की शिकायतों का निपटारा नहीं करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि आम जनता के कार्यों को प्राथमिकता से निपटाना है।

बक्सर व डुमरांव में बस स्टैंड के निर्माण में उदासीनता पर डीएम ने जताई नाराजगी, कहा-

बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करेंगे एसडीओ

- डीएम ने की बक्सर व डुमरांव में लैंड फिल साईट निर्माण की समीक्षा
- बरसात से पूर्व नालों की सफाई व बाढ़ पूर्व तैयारियां पूरी करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी की समीक्षा बैठक में शामिल अधिकारीगण।

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को बक्सर एवं डुमरांव में बस स्टैण्ड तथा लैण्ड फिल साईट के निर्माण के संबंध में समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। समीक्षा के क्रम में डीएम ने पाया कि नगर निकाय क्षेत्र में लैण्ड फिल साइट एवं बस स्टैण्ड के निर्माण के लिए संबंधित पदाधिकारियों के द्वारा कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है। डीएम ने इस पर गहरी नाराजगी जताई तथा सभी संबंधित कार्यपालक पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को निर्देशित किया कि विशेष अभिरूचि लेते हुए उपर्युक्त कार्यों का निष्पादन समय-सीमा के अंदर करना सुनिश्चित करेंगे। जबकि लैण्ड फिल साइट स्थल चयन होने के बावजूद कूडा निस्तारण एवं साफ सफाई नहीं किए जाने के कारण नगर पंचायत ब्रह्मपुर के ईओ से स्पष्टीकरण पूछा गया।

डुमरांव ईओ को 24 घंटे में लैंड फिल साइट का प्रस्ताव देने का निर्देश : समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के लैण्ड फिल साइट के लिए स्थल का प्रस्ताव 24 घंटे के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को दिया। डीएम ने कहा कि इस काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वही बक्सर एवं चौसा के लैण्ड फिल साइट के लिए वैकल्पिक प्रस्ताव भी उपलब्ध कराने का निर्देश अंचलाधिकारी इटाढ़ी एवं चौसा को दिया गया। जबकि इटाढ़ी प्रखंड के खतिबा मौजा में लैण्ड फिल साइट के पूर्व में किए गए चयन का वांछित प्रतिवेदन नहीं देने के बिन्दु पर अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर को संयुक्त रूप से जांच करते हुए विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

नालों की सफाई व बाढ़ पूर्व तैयारी कर ले ईओ : समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने सभी नगर निकायों एवं नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया कि बाढ़ पूर्व वर्षापात के आलोक में अपने क्षेत्र में सभी तैयारियां पूरी कर लें। इसके तहत सभी नालों की पूर्ण रूपेण सफाई कराने का निर्देश दिया गया। ताकि वर्षा के दिनों में कहीं पर भी जल जमाव की समस्या उत्पन्न न हो।

डुमरांव में बस स्टैंड का निर्माण शीघ्र कराने का निर्देश : डीएम ने डुमरांव बस स्टैण्ड के लिए चयनित भूमि पर बस पड़ाव का शीघ्र निर्माण कराने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव को दिया। वही, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि बस स्टैण्ड पर यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं जैस पेयजल, शौचालय, रौशनी आदि की समुचित व्यवस्था कराना सुनिश्चित करेंगे। जबकि बक्सर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को वर्तमान बस स्टैण्ड पर यात्रियों के लिए सुविधाओं का विस्तार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जल संसाधन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के निर्देशित किया गया। बता दें कि डुमरांव में बस स्टैंड के अभाव में शहरी क्षेत्र में मुख्य पथ के किनारे ही यात्री बसे खड़ी होती है, जिस कारण हर दिन घंटों जाम लगता है। बस स्टैंड के अभाव में यात्रियों को भी सड़क किनारे खड़ होकर ही अपने निर्धारित वाहन का इंतजार करना पड़ता है। इस दौरान उन्हें मौसम की मार झेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। जबकि यात्रियों को शौच व पेयजल के लिए भी भटकना पड़ता है। पिछले कई दशक से डुमरांव में बस स्टैंड का निर्माण कार्य लंबित पड़ा है। जिससे लोगों को खासे परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब डीएम के पहल के बाद डुमरांव वासियों में इस बात की उम्मीद जगी है कि जल्दी ही शहर को बस स्टैंड का तोहफा मिलेगा। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समहर्ता बक्सर, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, बक्सर एवं डुमरांव के भूमि सुधार उपसमाहर्ता डुमरांव नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, संबंधित नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

धान की वैज्ञानिक खेती विषय पर एक दिवसीय किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

बक्सर। शुक्रवार को यूपीएल, एसएएस लिमिटेड द्वारा प्रायोजित ह्लधान की वैज्ञानिक खेती विषय पर एक दिवसीय किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर द्वारा किया गया। द्वीप प्रज्जवलन के बाद कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन करते हुए केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. देवकरन ने बताया कि खाद्यान्न की मुख्य फसल धान आज के बदलते मौसम व अधिक लागत एवं कीट-रोग व्याधि प्रकोप से प्रभावित हो रही है। जिसका सीधा असर उत्पादन एवं कृषको की आमदनी पर प्रभाव डाल रहा हैं। अतः वैज्ञानिक विधि से फसल उत्पादन अपनाने से लागत कम करके संसाधनों का भी संरक्षण किया जा सकता हैं। साथ ही तकनीकी विषय में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन व खाद एवं उवर्रक के प्रयोग पर किसानों को जागरूक किया। गोष्ठी में धान विशेषज्ञ हरिगोबिंद ने धान की जलवायु सहनशील प्रभेद जैसे- स्वर्ण श्रेया, सहभागी, अभिषेक, नवीन, आदि एवं बायोफोर्टिफाइड प्रभेद जैसे-हीरा, सीआर धान-315, बीआरआई धान-84 आदि के खेती की विस्तृत तकनीकी जानकारी से किसानो को अवगत कराया। कार्यक्रम में यूपीएल एसएएस लिमिटेड के क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक सौरभ कुमार ने जीबा जैव उवर्रक एवं खरपतवारनाशी इरोज गोल्ड की धान फसल में प्रयोग करने की विस्तृत तकनीकी जानकारी के साथ-साथ व्यवहारिक प्रयोग की विधि बताई। जबकि क्षेत्र बिक्री प्रबंधक नीरज कुमार ने यूपीएल के धान फसल में प्रयुक्त अन्य उत्पादों की जानकारी से किसानों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ. आरएन तिवारी, चिकित्सा अधिकारी ने किसानों के साथ अपने अनुभव साझा किये तथा वैज्ञानिक विधियां अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में सोनपा, भितिहारा, शेरपुर, मझरियां, पवनी, चकरहसी, गुरूदास मठिया, नाथपुर, लालगंज, हूंकहा, सोंधिला, कुकुढ़ा, आदि गांवों के 100 से अधिक महिला व पुरूष कृषकों ने भाग लिया। उपस्थित किसानों में तर्रगिनी देवी, निर्मला, सावित्री, प्रभावती, मनोज राम, संजय पासवान, ललन यादव, आदि मौजूद थे। वही, कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर के आरीफ परवेज, राकेश मणि, रवि चटर्जी, राजेश, संदीप, अरविंद, मुकेश, आदि ने सहयोग किया।

डुमरांव : बिजली की छापेमारी, दो पर प्राथमिकी

डुमरांव। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने बिजली चोरी के खिलाफ सघन अभियान चलाया। इस अभियान के तहत नगर के अनंत चमार की गली और डुमरेजनी रोड में चोरी की बिजली जलाते दो लोग पकड़े गये। जिनके खिलाफ विभाग द्वारा 21552 रुपये का जुमार्ना लगाते हुये दोनो के खिलाफ डुमरांव थाने में मामला दर्ज करायी गयी है। बिजली अधिकारियों के इस कारवायी से अवैध रूप से बिजली जलाने वालों के बीच हड़कंप मच गया। स्थानीय थानाध्यक्ष शंभु कुमार भगत ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय विधुत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कारवायी शुरू कर दी गयी है।

जर्जर व बिना भवन के स्कूलों की सूची हुई तलब

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक हुई। सिमरी एवं बक्सर प्रखण्ड के कनीय अभियंता के द्वारा विद्यालयों के भवन निर्माण में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण करते हुए वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी जो कि विभाग द्वारा अपने तकनीकी पदाधिकारियों के नियंत्री पदाधिकारी है। निर्देशित किया गया कि कम से कम सप्ताह में 02 बैठक आयोजित कर कार्यों की समीक्षा करना सुनिश्चित करेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी को वैसे विद्यालय जिनका कोई भवन नहीं है अथवा एक ही भवन है या जर्जर भवन होने के कारण छात्र-छात्राओं को खुलें में बैठाकर पढाया जाता है। ऐसे विद्यालयों का सर्वे कराते हुए अविलंब सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी को नगर क्षेत्र के विद्यालयों पर विशेष ध्यान देते हुए सिविल कार्य एवं विद्यालयों में सर्वप्रथम प्रवेश द्वार का गेट प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित किए गए सिविल कार्य एवं बेंच टैक्स के अधिष्ठापन का जांचों उपरांत भुगतान शीघ्र करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर को जिस प्रखण्डों में पंचायत की संख्या 10 से अधिक हो उस पंचायत के घनी आबादी वाले 02 उच्च विद्यालय में लाईब्रेरी एवं जिस प्रखंड में पंचायत की संख्या 10 से कम हो उस पंचायत के घनी आबादी वाले 01 उच्च विद्यालय में लाईब्रेरी एमपी हाई बक्सर एवं +2 राज हाई स्कूल डुमरांव में बनाये गये लाईब्रेरी के तर्ज पर स्थापित करने का निर्देश दिया गया।

हंगामेदार रही जिला परिषद की बैठक विकास कार्यों को गति देने का निर्णय

बक्सर। शुक्रवार को जिला परिषद की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागर में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिप चेयरमैन सरोजा देवी व संचालन डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल ने किया। बैठक में सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि पिछले तीन वर्षों से जिला परिषद द्वारा विकास के नाम पर चवन्नी भी खर्च नहीं हुआ है। सदस्यों ने एक स्वर में विकास योजनाओं में तेजी लाने को कहा। इस दौरान सदस्यों ने डीडीसी की एक न सुनी तथा शीघ्र विकास कार्यों को शुरू कराने कहा। सदस्यों ने कहा कि योजनाओं का चयन कर बरसात पूर्व प्राक्कल तैयार कर यदि काम शुरू नहीं कराया गया तो सभी सदस्य सड़क पर उतर आंदोलन को बाध्य होंगे। इसके अलावे बैठक में ब्रह्मपुर, डुमरांव सहित अन्य जगहों पर स्थित जिला परिषद की जमीन को चिन्हित कर उस जमीन पर रोजगार खड़ा कर युवाओं को रोजगार देने तथा जर्जर हो चुके डांकबंगला भवन के जीर्णोद्धार पर सहमति बनी। बैठक में जिला स्तीय सभी पदाधिकारी मौजूद थे। वही, ममता देवी, कमलबास कुंवर, राजू यादव, गायत्री देवी, सहना खातून, आरती देवी, पिंटू ठाकुर, पूजा देवी, बेबी देवी आदि सदस्य मौजूद थे।

डुमरांव ईओ ने दी चेतावनी, सड़क से हटा लें अतिक्रमण, जल्द होगी कार्रवाई

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में अतिक्रमणकारियों पर शीघ्र कार्रवाई होगी। अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस देने के बाद शुक्रवार को ईओ अनिरूद्ध प्रसाद ने थानाध्यक्ष शंभु कुमार भगत व पुलिस बलों के साथ डुमरांव शहर के मेन रोड, गोला रोड, चौक रोड आदि में घुमकर अतिक्रमणकारियों को चिन्हित किया। इस दौरान ईओ ने उन्हें 24 घंटे के अंदर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। ईओ ने कहा कि अतिक्रमण नहीं हटाने पर चिन्हित अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि शहर को अतिक्रमणमुक्त करना नगर परिषद की प्राथमिकता है। गौरतलब है कि डुमरांव की प्रमुख सड़को गोला रोड, चौक रोड, स्टेशनरोड तथा साफाखाना रोड में फुटपाथी दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किए जाने से जाम की समस्या गंभीर हो गई है। इसकी शिकायत मिलने पर एक सप्ताह पहले ही नगर परिषद प्रशासन द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया गया था। बावजूद अतिक्रमणकारियों ने अतिक्रमण नहीं हटाया है। जिसके बाद खुद ईओ शहर में घुमकर उन्हें चेतावनी देते दिखाई दिए। वहीं, इस दौरान शहर के विभिन्न इलाकों के छह दुकानदारों से चार हजार जुर्माना वसूला गया।

एमडीएम निदेशक सह जिला नोडल पदाधिकारी ने सदर प्रखंड के विद्यालयों का किया निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. सिद्धार्थ के निर्देश पर शुक्रवार को निदेशक मध्यान भोजन योजना बिहार पटना सह निदेशक प्राथमिक शिक्षा बिहार पटना मिथिलेश मिश्र ने बक्सर सदर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद सर्व शिक्षा अभियान के कार्यालय में बैठ शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा भी की। निरीक्षण के क्रम में कई विद्यालयों में खामियां पाई गई, जिसे अविलंब सुधार करने का निर्देश संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को दिया गया। वही समीक्षा बैठक में विद्यालय के निरीक्षण एवं अनुश्रवण से संबंधित कार्य योजना पर विस्तार से वार्ता करते हुए अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। निदेशक प्राथमिक शिक्षा द्वारा जिला अंतर्गत संचालित निजी विद्यालयों के संचालको के साथ भी बैठक की गई। जिसमें विद्यालय स्तर पर शिक्षा के अधिकार अधिनियम से संबंधित प्रावधान के लाभ का व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया गया। जिससे समाज के अंतिम पायदान के बच्चों को लाभ मिल सके। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी, जिला जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मध्यान भोजन रजनीश उपाध्याय, डीपीओ सर्व शिक्षा अभियान मोहम्मद सारिक अशरफ एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक विजय प्रसाद उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

सामुदायिक उत्प्रेरणा के साथ 27 से शुरू होगा मिशन परिवार विकास अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

- 11 से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा

बक्सर जिला समेत पूरे राज्य में जनसंख्या दर 3.1 प्रतिशत है। जिसको कम करने के लिए राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। ताकि, बढ़ी जनसंख्या दर को कम किया जा सके। इसके लिए समय समय पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें नियोजन के अस्थायी साधनों के साथ साथ स्थायी साधनों के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा सके। इस क्रम में जिले में 27 जून से एक बार फिर मिशन परिवार विकास अभियान की शुरूआत की जानी है। इस बार दंपति संपर्क पखवाड़ा की जगह सामुदायिक उत्प्रेरणा के साथ अभियान की जाएगी। ताकि, इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा पुरुषों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि जिले में 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या नियंत्रण दिवस मनाया जाएगा। जिसके लिए मिशन परिवार विकास अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस बार "विकसित भारत की नई पहचान, परिवार नियोजन हर दम्पति की शान" की थीम पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस क्रम में पखवाड़ा के सफल संचालन के लिए दो चरण में इसका आयोजन किया जाएगा। जिसमें 27 जून से 10 जुलाई तक सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। जिसके बाद 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने के साथ- साथ 11 से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा।

पिछले वर्ष पुरुषों ने निभाई अपनी भूमिका : अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि बढ़ती जनसंख्या पर काबू पाने के लिए हर वर्ष दो बार जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। जिसमें महिलाओं के साथ साथ पुरुषों की सहभागिता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन अब स्थिति पहले जैसी नहीं रही। अब जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा में पुरुष भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। पिछले वित्तीय वर्ष अप्रैल, 2023 से लेकर मार्च 2024 तक में जिले में 177 पुरुषों की नसबंदी का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसमें से 175 पुरुषों ने अपनी नसबंदी कराई। जो बड़ी बात है। ऐसे में पुरुषों की सहभागिता और बढ़ाने के लिए सामुदायिक स्तर पर लोगों को जागरूक किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा पुरुष नसबंदी के फायदों और उसके प्रभाव की महत्ता को समझ सकें।

योग्य दंपतियों को इच्छित सेवाएं की जाएंगी प्रदान : जिला सामुदायिक उत्प्रेरक हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि 27 से 31 जून तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जाएगा। जिसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ साथ योग्य दंपतियों को इच्छित सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें समुदायिक स्तर पर आशा कार्यकताएं, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र समेत सभी सहयोगी संस्थानों के सदस्यों के समन्वय से अभियान का संचालन किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिलेभर में आयोजित हुआ कई कार्यक्रम, बक्सर में द आर्ट ऑफ लिविंग के योग प्रशिक्षकों ने कराया योगाभ्यास

बोले डीएम... स्वस्थ शरीर के लिए योग को अपनाना जरूरी

डुमरांव डायट सेंटर में योग करते शिक्षकगण व अन्य।

डुमरांव अनुमंडल कोर्ट परिसर में योग करते न्यायाधीश व अधिवक्तागण।

योग शिविर के दौरान महिला को पौधरोपण भेंट करते डीएम।

♦ दैनिक जीवन में योग को अपनाना जरूरी, किशोरों व युवाओं के लिए अनिवार्य होनी चाहिए योग शिक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

स्वस्थ्य शरीर के लिए योग अति आवश्यक है। दैनिक जीवन में योग को अपनाना जरूरी। खासकर किशोरों व युवाओं के लिए योग शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। उक्त बातें बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर कही। वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला गंगा समिति बक्सर के द्वारा वामनेश्वर गंगा घाट पर आयोजित योग कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। इस कार्यक्रम में अंशुल अग्रवाल के साथ ही जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी तथा दर्जनों की संख्या में गणमान्य व आम लोग शामिल हुए। सभी ने योग प्रशिक्षकों के नेतृत्व में योग के कई आसनों का अभ्यास किया तथा आजीवन योग करने का संकल्प लिया।

लाभुकों व प्रतिभागियों के बीच वितरित हुआ पौधा : योग कार्यक्रम के बाद जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त एवं अपर समाहर्ता द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुको व अन्य प्रतिभागियों को पौधा देकर उन्हें पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला पदाधिकारी ने बताया कि प्रकृति का संरक्षण भी हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है, हम सभी को अपने जीवन में पौधे जरूर लगाना

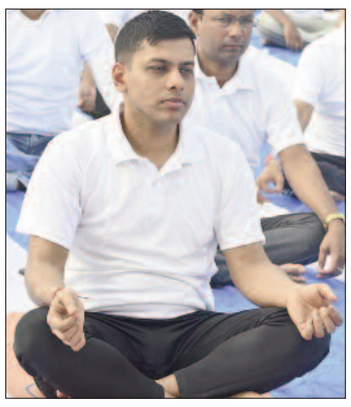

शिविर में योग करते डीएम अंशुल अग्रवाल।

चाहिए साथ ही पौधों का संरक्षण भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भीषण गर्मी पड़ रही है यह साबित करता है कि हमारा पर्यावरण बिगड़ चुका है तथा हमे अभी से ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति सावधान होना होगा। डीएम ने पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण का एकमात्र उपाय बताया और कहा कि हमे यह प्रयास करना होगा कि हम अधिक से अधिक पौधे लगाए तथा उनका संरक्षण करें। कार्यक्रम के अंत में गंगा संरक्षण के लिए लोगों को शपथ भी दिलाया गया। योग कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्ता बक्सर, नोडल पदाधिकारी जिला गंगा समिति, जिला परियोजना पदाधिकारी जिला गंगा समिति बक्सर के साथ एनसीसी के अधिकारी व कैडेट्स, काउट गाइड एवं स्थानीय शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में वन विभाग के कर्मी भी मौजूद रहे।

दिनचर्या में शामिल हो योग

योग कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि सभी लोगों को योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि योग से शरीर पूर्णतया स्वस्थ रहता है। नियमित योग अभ्यास मानसिक स्पष्टता और शांति पैदा करता है तथा शरीर को स्फूर्त रखता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बढ़े मानसिक क्लेश को दूर करने का योग एकमात्र उपाय है।

उन्होंने कहा कि योग पुराने तनाव से राहत देता है, मन को शांत करता है, ध्यान केंद्रित करता है तथा एकाग्रता को बढ़ाता है। योग का उद्देश्य मन और शरीर दोनों में शक्ति, जागरूकता और सामंजस्य का निर्माण करना है। योग दिवस के अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रतिदिन हम इस पद्धति को अपनाएं। कार्यक्रम के दौरान द आर्ट ऑफ लिविंग की योग प्रशिक्षक वर्षा पांडेय और दीपक पाण्डेय द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को योग कराया गया। साथ ही योग से विभिन्न प्रकार के होने वाले फायदों को भी बताया गया। दोनों प्रशिक्षकों के नेतृत्व में प्रतिभागियों ने योग के कई आसनों का अभ्यास किया तथा उससे होने वाले फायदे के बारे में योग प्रशिक्षकों से विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान लोगों ने अपने दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने का संकल्प भी लिया।

शैक्षणिक संस्थानों में शिविर का आयोजन छात्राओं ने सूर्य नमस्कार से की शुरूआत

राज हाई स्कूल में योग करती छात्राएं व अन्य।

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय राज हाई स्कूल के परिसर में सुमित्रा महिला कॉलेज के छात्राओं ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। तीस बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज की प्राचार्या डॉ शोभा सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी लेफ्टिनेंट अमृता सिंह, प्रोफेसर डॉ सुभाष चंद्रशेखर आदि ने छात्राओं को योग के लाभ के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्राएं शामिल थी। योग दिवस कार्यक्रम में छात्राएं सूर्य नमस्कार कर योग करें-निरोग रहे के थीम पर विशेष जानकारी ली। इस दौरान प्राचार्या डॉ शोभा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि योग शारीरिक और मानसिक रूप से

♦ राज हाई स्कूल में एनसीसी कैडेट कोर हुआ शामिल

स्वस्थ रहने का गुर सिखाता है तथा योग जिंदगी का पर्याय बन गया है। उन्होंने कहा कि योग भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है, जिसको लेकर कॉलेज प्रशासन आयुष मंत्रालय भारत सरकार से छात्राओं के लिए योग डिप्लोमा को लेकर प्रयासरत है। इस दौरान डॉ सुभाष चंद्रशेखर ने योग की महत्ता पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के साथ-साथ योग को रोजगारपरक बनाने पर बल दिया और कहा कि योग ज्ञान से कई लोगों ने अपनी सफलता की लकीरें खींची। योग डांस के जरिये कइयों ने अपने जिंदगी के नक्शे बदले और आज यह योग लंबी उम्र बढ़ाने में भी मददगार बना है। मौके पर एनओ संजय कुमार, विजय कुमार, सहित अन्य मौजूद थे।

मंत्रोच्चार के बीच योग शिविर का उद्घाटन, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को डुमरांव के शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान व शहीद पॉर्क में योग गुरू सह व्याख्याता डॉ. संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में योग शिविर का आयोजन किया गया। इन योग शिविरों में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इस दौरान योग शिक्षक सुधीर कुमार तथा रूपा देवी भी सहयोगी योग शिक्षक के रूप में मौजूद रहे। शिविर की शुरूआत डायट परिसर से हुई। जहा सुबह छह बजे डायट के प्राचार्य विवेक कुमार मौर्य तथा योग शिक्षक संजय कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलन व मंत्रोच्चार के बीच योग शिविर का उद्घाटन किया गया। इसके बाद योग प्रशिक्षकों द्वारा बारी बारी से शीर्षासन, तड़ासन, सूर्य नमस्कार सहित योग के कई अन्य

आसनों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं, सामाजिक कार्यकर्ता, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, क्लबों के सदस्य तथा कई अन्य लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई। योग के बाद सभी लोगों को शरबत पिलाया गया। प्राचार्य ने कहा कि योग हमारे जीवन का अहम हिस्सा है।

योग शिक्षक डॉ संजय ने बताया कि योग करने से मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से हमारा शरीर तंदुरुस्त रहता है। इस योग शिविर को संपन्न कराने में महर्षि विश्वामित्र योग एवं परामर्श संस्थान डुमरांव, महर्षि पतंजलि योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, नेहरू युवा केंद्र, बक्सर आरोग्य भारती शांति महिला विकास समिति, नेहरू युवा विकास समिति, नवरंग कला मंच, दिशा एक प्रयास, बक्सर की अहम भूमिका रही। मौके पर आयुवेर्दाचार्य डॉ. शैलेश कुमार पाठक, संत कुमार, पिंकी पाठक, शीला त्रिवेदी, रूपा, व्याख्याता भूपेंद्र सिंह, मनोरंजन सिंह, दिनेश सिंह, संगीता कुमारी, उमेश कुमार रौनियार, रूपा देवी, श्रेया पाठक, श्याम प्रकाश यादव, आदित्य कुमार, दुर्गावती देवी, कोमल कुमारी, ओम ज्योति भगत, माधुरी देवी, सुनीता देवी व मौजूद रहे।

डुमरांव शहीद पार्क में योग करती शहर की महिलाएं।

केसठ में चेतना सत्र के दौरान आयोजित हुआ योग शिविर

स्कूली छात्र-छात्राओं ने जाने योग के फायदे, किए प्रणायाम

केटी न्यूज/केसठ

योग संपूर्ण जीवन जीने की शैली एवं कला है, यह शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ आध्यात्मिक कल्याण को भी बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। कुछ ऐसे ही सन्देश के साथ शुक्रवार को प्रखंड के विभिन्न स्कूलों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग दिवस के मौके पर स्कूलों में चेतना सत्र के दौरान योग सत्र का आयोजन किया। मध्य विद्यालय केसठ में योग सत्र के दौरान बच्चो को संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार ने कहा कि जीवन में स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से योग को दैनिक जीवन में अपनाने की जरूरत है।

वहीं, कन्या प्राथमिक विद्यालय के एचएम आलाउदीन अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य तन में ही स्वास्थय मन का वास होता है। इस दौरान एकाग्रता और मानसिक स्थिरता में

सुधार करने की तकनीकी के बारे में भी बताया गया एवं विभिन्न योगासनों से होने वाले फायदे के बारे में भी बताया गया। वही योग को ले बच्चो में भी उत्साह देखा गया। इस दौरान कुल 12 प्रकार के योगासन कराया गया। अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय के एचएम लाल बाबू प्रसाद ने कहा कि योग से बच्चो में मानसिक विकास के साथ साथ शारीरिक विकास भी होता है। उन्होंने परिजनों से आग्रह करते हुए कहा की नियमित रूप से बच्चों को कम से कम 10 मिनट योग जरूर कराएं। वही, उन्होंने बच्चों को योग के विभिन्न आसनों से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी और बताया कि योग से शरीर की कई बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। खासकर मानसिक अशांति के लिए योग ही एकमात्र और सबसे कारगर उपाय है। इसके अलावे भी प्रखंड के सभी सरकारी स्कूलों में चेतना सत्र के दौरान छात्रों को योगाभ्यास कराया गया। गौरतलब है कि बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल ने मौसम में आए परिवर्तन को देखते हुए स्कूलों की छुट्टिया रद्द कर शुक्रवार से ही स्कूल खोलने के निर्देश दिए है।

@चौसा : योग के जरीए स्वस्थ्य जीवन का दिया गया मंत्र

चौसा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की ग्रामीण इलाकों में भी धूम रही। इटाढ़ी प्रखंड कार्यालय व विभिन्न स्कूलों में भी इस मौके पर अधिकारी कर्मचारी समेत आम लोगों ने योग किया। इस मौके पर कहा गया योग में तंदुरस्ती का राज छिपा है। नियमित योगाभ्यास से हम अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोग से मुक्ति पा सकते है। योग स्वस्थ्य जीवन का मंत्र है। इसे हर लोगो को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

जहां प्रखंड मुख्यालय बीडीओ अशोक कुमार के नेतृत्व में अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा पत्रकार व आम लोग भी शामिल हो योग किये। वही, मौसम के परिवर्तन पर डीएम के बन्द स्कूलों को खोले जाने के निर्देश के बाद प्रखंड के विभिन्न क्षेत्र स्थित विद्यालयों में बच्चों व शिक्षकों ने पठन-पाठन प्रक्रिया से पूर्व चेतना सत्र में योग दिवस पर योगाभ्यास से शुरूवात की गई। साथ ही योग करने से स्वस्थ जीवन के होने वाले फायदे की जानकारी दी गई। तिवाय उत्क्रमित विद्यालय प्रधानाध्यापक विजय प्रसाद के नेतृत्व में बच्चों में योगाभ्यास कराया गया।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English Core - 97 | Mathematics - 95 | Accountancy - 95
Hindi Elective - 95 | Biology - 96 | Business Studies - 93
Physics - 95 | Chemistry - 95 | Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English - 94 | Hindi - 95 | Science - 96
Sanskrit - 100 | Mathematics - 100 | Social Science - 100

INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

योग दिवस पर लिया संकल्प... पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करेंगे

केटी न्यूज/जहानाबाद

10वीं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 2024 के अवसर पर जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे के नेतृत्व में योगाभ्यास किया गया। सर्व प्रथम डीएम ने योगाभ्यास कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया तथा बताया गया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत नमामि गंगा योजना के तहत योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शामिल पदाधिकारियों, कर्मियों तथा आमजनों को संकल्प दिलाया गया कि मैं अपने क्षेत्र के गंगा तटीय स्थान को साफ-सुथरा रखूंगा एवं यहां रहने वाले लोगों को गंगा को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करुंगा। मैं गंगा में कूड़ा -कचरा व पॉलिथीन नही डालूंगा। मैं पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नही करुंगा। मैं हमेशा कपड़े का थैला का प्रयोग करूंगा। मैं अपने घर में गंदे पानी के निपटान के लिए सोख्ता-गड्ढा बनवाऊंगा। मैं गंगा में बचीं हुईं पूजा सामग्री एवं केमिकल से बनी हुई मूर्तियों विसर्जित नही करुंगा। मैं बचीं हुईं पूजा सामग्री को पौधों के लिए खाद में प्रयोग में

लाऊंगा। मैं खुलें में शौच के स्थान पर शौचालय का प्रयोग करूंगा। संकल्प के उपरांत कुशल प्रशिक्षक के उपस्थित में योगाभ्यास किया गया। योगाभ्यास के उपरांत डीएम ने बताया कि 10वीं अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस, 2024 के अवसर पर विभाग द्वारा नारी सशक्तिकरण रखा गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य है हर एक महिला को योगाभ्यास से जोड़ कर उसे स्वस्थ रखा जाए। हर एक घर में महिलाओं द्वारा परिवार को देखरेख किया जाता है, जिससे एक स्वस्थ्य और कुशल परिवार का निर्माण हो, जिसके लिए महिलाओं को स्वस्थ्य रहना अनिवार्य है। महिलाओं को स्वस्थ्य रखने के लिए ही इस बार 10वीं अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस, 2024 के अवसर पर नारी सशक्तिकरण थीम रखा गया है, ताकि महिलाएं योगाभ्यास कर स्वयं को स्वस्थ रखें और अपने परिवार को अच्छे से देखरेख कर सकें। जिला पदाधिकारी ने जहानाबाद जिले के समस्त महिलाओं को योगाभ्यास करने का अपील किया। 10वीं अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस, 2024 के अवसर पर योगाभ्यास में काफी महिलाओं की भागीदारी दिखा। अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार ने 10वीं अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस, 2024 के कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों तथा शारीरिक शिक्षा को धन्यवाद दिया तथा कार्यक्रम का समापन किया। उक्त अवसर पर शिल्पी आनंद, धनंजय त्रिपाठी, श्रृष्टि सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी, अनीता कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका, आंगनबाड़ी सेविका- सहायिका, जीविका दीदी, निर्वाचन आइकॉनो अमित कुमार एवं अजीत कुमार सहित आमजन उपस्थित थे।

एक नजर

बिक्रमगंज से एक बाइक की हुई चोरी

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज शहर के डुमरांव रोड स्थित मां कमला सिमेंट स्टोर के पास से एक बाइक की हुई चोरी, प्राथमिकी दर्ज। बिक्रमगंज नगरपरिषद के वार्ड 2 तेंदुनी निवासी सोनू सिंह पिता संतोष सिंह अपनी प्लेटिना बाइक शहर के डुमरांव रोड स्थित मां कमला सिमेंट स्टोर के पास खडी कर आसपास के किसी दोस्त से बात करने उसके घर चला गया। वापस लौटा तो बाइक गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो गुरुवार को बिक्रमगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शहीद धर्मेन्द्र कुमार की प्रतिमा का अनावरण

संझौली। प्रखंड के गड़ूरा गांव में गुरुवार देर शाम को शहीद धर्मेन्द्र कुमार की प्रतिमा उनके पैतृक गड़ूरा गांव में अनावरण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक अरुण सिंह थे।

जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिप उपाध्यक्ष वंदना राज ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने विधिवत रूप से फीता काट कर शहीद धर्मेन्द्र कुमार की प्रतिमा के अनावरण समारोह का शुभारंभ किया। अनावरण के दौरान शहिद धर्मेंद्र की पिता रामबचन सिंह, पत्नी सुनीता, भाई जितेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, आठ वर्षीय बेटा सीटू, सासंद राजाराम सिंह, विधायक अरूण सिंह, जीप उपाध्यक्ष वंदना राज,समाजसेवी ई.प्रभात कुमार, डॉ.अरुण कुमार, प्रमुख समीर चंद, बीडीओ मोहम्मद सयैद सरफराजुद्दीन अहमद, सीओ किशोर पासवान, पूर्व बीडीसी सदस्य रविंद्र सिंह, संतोष कुमार सहित कई ग्रामीणों ने उनके प्रतिमा पर फूल मालाओं से अर्पित किया। कार्यक्रम में सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि शहीद धर्मेन्द्र की प्रतिमा से युवाओं में देशप्रेम की भावान जाग्रत होगी तथा उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। विधायक अरुण सिंह व जीप उपाध्यक्ष वंदना राज ने भी वीर सपूत को याद कर लोगो को संबोधित किया। ज्ञात हो कि 8 नवंबर 2021 को छत्तीसगढ़ के सुकमा में एक सिरफिरे साथी ने गोली बरसा दी थी, जिसमें गोली से वें शहीद हो गए थे।

पुलिस ने शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शराब, मोबाइल, बाइक व नगद रुपये के साथ कारोबारी को धर दबोचा। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि पुलिस को जैसे ही शराब के मामले में सूचना मिली तो त्वरित कार्रवाई करते हुए चिन्हित स्थल पर पहुंच स्थानीय पुलिस शराब के साथ कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज सिकरिया रोड यादव मोहल्ला का रहने वाला सुबोध कुमार बताया जाता है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के पास से कुल मात्रा 12 लीटर ईपेरियल ब्लू कंपनी का शराब बरामद किया गया। साथ ही साथ कारोबारी के पास से मामले में प्रयुक्त एक बाइक, दो मोबाइल एवं 16 हजार रुपये नगद राशि भी बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने शराब किया बरामद, तस्कर फरार

काराकाट। कछवां पुलिस ने बाइक और शराब किया बरामद, मामले में संलिप्त कारोबारी पुलिस की गिरफ्त से फरार। कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के रामपुर भरेहता से करीब 500 मीटर आगे सड़क पर बाइक और 84 लीटर देशी महुआ शराब बरामद किया गया । उन्होंने कहा कि पुलिस को देख कारोबारी भागने में सफल रहा । श्री कुमार ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है ।

जीविका कार्यालय से हजारों का सामान चोरी

संझौली। थाना क्षेत्र के संझौली के-के मध्य विद्यालय खेल के मैदान स्थित जीविका कार्यलय से गुरुवार की रात्रि अज्ञात चोर ने उसमे रखा पंखा, मॉनिटर सहित कई समान हजारों रुपये की चोरी कर ली। चोरी की घटना को लेकर जीविका में कार्यरत पुष्पा कुमारी ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर अज्ञात के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई है। प्रभारी थाना अध्यक्ष अनिता दास ने बताई कि गुरुवार की रात्रि हुई चोरी घटना को लेकर जीविका में कार्यरत पुष्पा कुमारी द्वारा आवेदन दी गई है।

खबरें फटाफट

पैसा दुगना करने के नाम पर ठगी करने वाले 3 पुलिसकर्मी गिरफ्तार

गया। अगर आपके मोबाइल पर रुपया दुगुना करने का ऑफर आ रहा है तो जरा ठहरिये। ऐसा कॉल आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। क्यों कि बिहार में अभी कुछ दिनों से कई लोगों के मोबाइल पर ऐसा कॉल आया, जिसमें कई लोग ठगी के शिकार हुए। लेकिन जब मामला खुला तो पुलिस भी हैरान रह गई। बिहार के गया जिले में रुपया दोगुना और रुपया बढ़ाने का लालच देकर ठगी करने वाले तीन पुलिसकर्मी को गया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी गया के गांधी मैदान से की गई है। पीड़ित बोधगया थाना क्षेत्र के सूर्यपुरा गांव निवासी रवि कुमार हैं, जिनसे यह ठगी की गई है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि रवि कुमार को 6-7 महीना पूर्व उनके मोबाइल फोन पर रुपया दुगना करने का ऑफर आया। ऑफर यह था कि आप जितना रुपया देंगे उसे हम ज्यादा कर के वापस करेंगे। रवि 50 हजार रुपये का 70 हजार बनाने के लिए निकल पड़ा। गांधी मैदान पहुंचते ही रवि का इंतजार कर रहे तीन खाकी वर्दी वालों ने उसे घेरकर पकड़ लिया और उसके सारे रुपये छीन लिए। रुपया छीन जाने के बाद रवि को अपने लोभ का एहसास हुआ और वह तुरंत भागता हुआ सिविल लाइन थाना पहुंचा और उन तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। सीसीटीवी की मदद से तीनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है। विक्रम कुमार, एसटीएफ में तैनात उज्ज्वल कुमार और मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत डायल 112 में तैनात संजीव कुमार हैं।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव की शुक्रवार की सुबह की घटना

मायके से लौटी महिला वार्ड सदस्य का पंखे की कुंडी से लटका मिला शव, मचा कोहराम

केटी न्यूज/आरा

शहर से सटे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव निवासी एक महिला वार्ड सदस्य का शव शुक्रवार सुबह उनके पंख की कुंडी से लटका मिला। मृतका अलीपुर गांव निवासी सटन सिंह की 45 वर्षीया पत्नी अमिता देवी थी। वह अलीपुर ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 9 की वार्ड सदस्य अमिता देवी थी। वह लगातार तीसरी बार वार्ड सदस्य निर्वाचित हुई थी। परिजनों की ओर से मायके के संपत्ति संबंधी विवाद में उनके द्वारा खुदकुशी किये जाने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर गांव से सनसनी मच गयी।

सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इधर अलीपुर पंचायत के पूर्व मुखिया उपेंद्र सिंह ने बताया कि वह लगातार तीसरी बार वार्ड नंबर 9 से निर्वाचित हुई थी। पूर्व मुखिया के अनुसार वार्ड सदस्य छह बहन थी। उनके मायके में संपत्ति और जमीन बंटवारे का विवाद चल रहा था। दो माह पूर्व उनके पिता द्वारा खेत बेचा गया था। उसके 35 लाख रुपये मिले थे, जो वार्ड सदस्य की मां द्वारा अपने खाते में डलवा लिया गया था। वार्ड सदस्य द्वारा अपने हिस्से की मांग की गई, तो उनकी मां ने देने से इनकार कर दिया था। इसी बीच कुछ दिन पूर्व उनके पिता की मौत हो गई। उनका श्राद्धकर्म करने वह एक सप्ताह पूर्व अपने मायका उदवंतनगर थाना क्षेत्र के श्रीरामपुर गांव गई थी। वहां उनकी मां और बहनों की ओर उन पर

मायके की जमीन व संपत्ति छोड़ने का दबाव दिया जा रहा था। उस बात को लेकर उनके बीच कहासुनी भी हुई थी। वह अपने पिता का श्राद्धकर्म से गुरुवार शाम का घर लौटी थी। शुक्रवार की सुबह उनका शव पंखे से लटका मिला। पूर्व मुखिया की ओर से मायके में हुई संपत्ति और जमीन के विवाद को लेकर डिप्रेशन में आकर आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। शुक्रवार सुबह उनकी बेटी और बेटे जगाने के लिए उनके कमरे में गए, तो उन्होंने कोई आवाज नहीं दी। उसके बाद खिड़की से झांक कर देखा, तो वह पंखे के कुंडी से लटक रही थी। उसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी परिवार अन्य सदस्यों को दी। उसके बाद घर के सभी सदस्य पहुंचे और दरवाजा तोड़कर उनके शव को नीचे उतारा गया। पूर्व मुखिया की ओर से पूरे मामले की छानबीन करने और दोषियों को सजा देने की मांग की गयी है। इधर, सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा पहुंचे और अपने स्तर से छानबीन की। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

हत्या, लूट और डकैती सहित दर्जन भर कांडों में वांछित एक लाख का इनामी गिरफ्तार

आरा। भोजपुर के सहार थाने की पुलिस को हत्या, लूट और डकैती सहित दर्जन भर कांडों में वांछित इनामी अपराध कर्मी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। भोजपुर, अरवल और पटना जिले के कुख्यात इनामी अपराधी को शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे सहार थाना क्षेत्र के नवादा गांव से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से नाइन एमएम का एक पिस्टल, मैगजीन और 25 गोलियां बरामद की गयी है।

गिरफ्तार अपराध कर्मी सहार थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी वीरेंद्र यादव का पुत्र विश्वजीत कुमार यादव उर्फ तेजू है। पुलिस की ओर से उसके खिलाफ एक लाख का इनाम घोषित किया गया था। उसके खिलाफ भोजपुर के अलावा अरवल और पटना जिले के विभिन्न थानों में दर्जन भर केस दर्ज हैं। जमीन विवाद में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए नवादा गांव की पहुंचने की सूचना पर पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार किया गया है। एसपी प्रमोद कुमार यादव की ओर से शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि हत्या, लूट और डकैती सहित दर्जन भर कांडों में फरार एक लाख का इनामी अपराध कर्मी विश्वजीत कुमार यादव उर्फ तेजू हथियार के साथ नवादा गांव में पहुंचा है। वह जमीन संबंधी विवाद में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। उस आधार पर उसकी गिरफ्तारी और हथियार बरामदगी को थानाध्यक्ष दीपक कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम तत्काल नवादा गांव पहुंची, तब पुलिस को देख अपराध कर्मी भागने लगा। हालांकि पुलिस द्वारा खदेड़ कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन और 25 गोली बरामद की गयी।

करीब 12 साल से अपराध में सक्रिय था तेजू

सहार थाना के नवादा गांव निवासी विश्वजीत कुमार यादव उर्फ तेजू का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। वह 12 सालों से अपराध की दुनिया में सक्रिय था। वह भोजपुर के साथ ही पड़ोसी जिले अरवल और पटना में भी आपराधिक वारदात को अंजाम देता था। उसके खिलाफ तीनों जिले में पटना में हत्या, डकैती, लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के दर्जन भर केस दर्ज है। उसके आपराधिक रिकार्ड और फरार चलने की स्थिति में उसके खिलाफ पुलिस मुख्यालय की ओर से एक लाख का इनाम घोषित किया गया था।

विधान परिषद के कार्यकारी सभापति का पद अवधेश नारायण सिंह ने किया ग्रहण, दी बधाई

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिहार विधान परिषद के कार्यकारी सभापति का अवधेश नारायण ने पदभार ग्रहण संभाला। जिसके बाद लोगों का उन्हें बधाई देने का तांता लग गया। ज्ञात हो कि भाजपा के वरिष्ठ नेता अवधेश नारायण सिंह के गया स्नातक क्षेत्र से विधान पार्षद भी हैं। जो पहले भी वह विधान परिषद के सभापति रह चुके हैं। लेकिन बिहार में उन्हें पुनः एक बार फिर से उनको यह जिम्मेदारी दी गई है। जिन्होंने पदभार ग्रहण करते हुए बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री के ऐतिहासिक निर्णय से एक नया आयाम लिखने का संकल्प भी लिया। जिनके बिहार विधान परिषद के कार्यकारी सभापति बनने को लेकर गुरुवार की शाम ही राज्यपाल की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया गया था। हालांकि इस पद के लिए कई नामों की चर्चा जोरों पर थी। जिसके बाद अवधेश नारायण

सिंह के नाम पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मुहर लगाया गया।

इस मौके पर पूर्व चेयरमैन नगर परिषद सह व्यापार मंडल अध्यक्ष जवाहर सिंह, वरुण सिंह,लाल बिहारी सिंह, मनमोहन तिवारी, ललित मोहन, अजीत सिंह, पिंटू सिंह रामप्रवेश राय, हरेंद्र सिंह हरियाली सहित सैकड़ों लोगों ने खुशी जाहिर की है।

फायरिंग में शामिल तीन अपराध कर्मी सहित चार बदमाश गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

शहर से सटे उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल के पास सीरियल फायरिंग में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने फायरिंग में शामिल तीन अपराध कर्मियों सहित चार बदमाशों को हथियार और गांजे के साथ पकड़ा है। कार सवार चारों अपराध कर्मियों को गुरुवार की रात उदवंतनगर थाना क्षेत्र के खलीसा गांव के मोड़ के समीप गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सरथुआं गांव निवासी ऋषि यादव, विष्णु नगर निवासी अविनाश राय, तेतरियां गांव निवासी चंदन सिंह और नारायणपुर थाना क्षेत्र के सितुहारी गांव निवासी गजेंद्र कुमार शामिल हैं। इनके पास से दो पिस्टल, 13 गोली, करीब सवा दो किलो गांजा और तीन मोबाइल बरामद किया गया है। ऋषि यादव, अविनाश राय और गजेंद्र कुमार की फायरिंग में संलिप्तता रही है। तीनों का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। पूछताछ में इनके द्वारा वर्चस्व को लेकर इनके द्वारा फायरिंग करने की बात स्वीकार की गयी है। गांजा तस्करी के साथ ही अपराधियों द्वारा इलाके में दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फायरिंग की जा रही थी। एसपी प्रमोद कुमार यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में इसका खुलासा किया।

14वीं बिहार राज्य वूशु प्रतियोगिता का आयोजन डॉन बॉस्को स्कूल बैसाखी (सिवान) में हुआ

सब जूनियर वुशू बालक में रोहित तो बालिका में ईशांत ने जीता स्वर्ण

- प्रतियोगिता में भोजपुर जिला से 31 खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

केटी न्यूज/आरा

विगत 18 जून से 20 जून 2024 को आयोजित 14वीं बिहार राज्य सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वूशु प्रतियोगिता का आयोजन डॉन बॉस्को स्कूल, बैसाखी (सिवान) में किया गया था। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से लगभग 350 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर एवं ऑफिसियल ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में भोजपुर

जिला से 31 खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भोजपुर जिला के विजेता खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार हैः

सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग सांडा (फाइट)

रोहित कुमार, अंडर 24 स्वर्ण पदक, शशिकांत यादव, अंडर 28 स्वर्ण पदक, हर्ष राज, अंडर 32 कांस्य पदक, रणवीर राज, अंडर 39 रजत पदक, सागर कुमार यादव, अंडर 42 ॅ रजत पदक, अर्पित राज, अंडर 45 स्वर्ण पदक, करण कुमार, अंडर 52 रजत पदक, रिधिमा कुमारी, अंडर 60 स्वर्ण पदक, सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग ताऊलू, ईशांत ठाकुर, सिंगल वेपन स्वर्ण पदक, आर्या नारायण, ताइची स्टाईल स्वर्ण पदक, वर्षा रानी, बेयर हैंड कांस्य पदक, आयुषी कुमारी को सहभागिता प्रमाण पत्र मिला।

जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग सांडा (फाइट): विशाल कुमार, अंडर 45 स्वर्ण पदक, राहुल कुमार, अंडर 48 स्वर्ण पदक, कुमार अंकुश अंडर 56 स्वर्ण पदक,अभी कुमार, अंडर 60 स्वर्ण पदक, कुमुद लाल, अंडर 65 स्वर्ण पदक, नैना कुमारी, अंडर 52 स्वर्ण पदक, मांसी तिवारी, अंडर 56 कांस्य पदक जीता है।

जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग ताऊलू : अंकित कुमार, कुंगफू बेयर हैंड रजत पदक, कुनाल लाल, छान क्वान स्वर्ण पदक, प्रिया सोनी, सिंगल वेपन स्वर्ण पदक जीता है।

यूथ बालक एवं बालिका वर्ग सांडा (फाइट): रवि तिवारी, अंडर 70 स्वर्ण पदक, किरण कुमारी, अंडर 52 स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है।

सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग सांडा (फाइट): प्रिय रंजन कुमार, अंडर 48 स्वर्ण पदक, आदेश कुमार, अंडर 52 रजत पदक, राजवीर सिंह, अंडर 75 कांस्य पदक, नूतन कुमारी, अंडर 75 स्वर्ण पदक की विजेता रही। प्रतियोगिता में भोजपुर वूशु संघ के महासचिव सह बिहार वूशु संघ के सह सचिव राजेश प्रसाद ठाकुर को हेड जज एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी चंदन कुमार को तकनीकि पदाधिकारी नियुक्त किया गया। इस प्रतियोगिता कोच ऋषभ कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब हासिल किया ।

जिलाधिकारी ने की जिला स्तरीय व्यापार बंधु बैठक, अधिशासी अधिकारी से मांगा स्पष्टीकरण

♦ व्यापारियों की समस्याएं सुन निस्तारण के दिए निर्देश

केटी न्यूज / बलिया

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने पिछली बैठक की कार्यवृत्ति के आधार पर समस्याओं के निस्तारण के लिए दिए गए निदेर्शों के अनुपालन आख्या के संबंध में समीक्षा की।

व्यापारी विजय कुमार गुप्ता द्वारा बताया गया कि जनपद के सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में शौचालय एवं मूत्रालय सही नहीं है, कुछ जगहों पर लगे आरओ प्लांट बहुत दिनों से बंद है, इस पर जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को शौचालय, मूत्रालय और आरओ प्लांट के संचालित होने की व्यवस्था को वेरीफाई करने का निर्देश दिया। साथ ही मनियर और बैरिया से अनुपालन आख्या प्राप्त न होने पर संबंधित अधिशासी अधिकारी का स्पष्टीकरण जारी किया।

उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों से स्पष्ट शब्दों में कहा कि गर्मी के दिनों में कहीं भी पीने के पानी समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सीआरओ को नगरपालिका

और नगर पंचायतों की प्रॉपर मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधि के द्वारा बताया गया कि नगर पालिका परिषद, बलिया के क्षेत्र में सार्वजनिक स्टैंड की व्यवस्था न होने और येलो लाइन की व्यवस्था के अनुसार गाड़ी न खड़ा करने पर जिलाधिकारी ने नगरपालिका बलिया के अधिशासी अधिकारी को सभी व्यापार मंडल प्रतिनिधियों और नगर पालिका के अध्यक्ष के साथ बैठक कर स्थान चिन्हित करने का निर्देश दिया।सार्वजनिक स्टैंड के लिए व्यापारियों ने कुछ जगहों के बारे में अपने सुझाव दिए। येलो लाइन के अंतर्गत गाड़ियों को खड़ा करवाने की व्यवस्था के लिए उन्होंने सीओ सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को सामंजस्य बनाकर समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। पूर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष मंजय सिंह द्वारा बताया गया कि महिला अस्पताल रोड पर एक सुलभ शौचालय का होना अति आवश्यक है, जिससे दूर दराज से आने वाली महिलाएं को परेशानियों का सामना न करने पड़े। इस पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बलिया ने बताया कि जिला अस्पताल में स्थान चिन्हित कर लिया गया है मुख्य चिकित्सा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से अनुमति लेकर शौचालय का निर्माण करा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने शौचालय निर्माण के लिए अधिशासी अधिकारी को अगले बैठक तक का टाइम दिया। इसी प्रकार व्यापार प्रतिनिधियो द्वारा, स्ट्रीट वेंडर को प्रमाण पत्र नगरपालिका बलिया द्वारा न देने, बिजली बिल के भुगतान के लिए नेट मीटर लगवाने और शहरी क्षेत्र के हिसाब से बिल का भुगतान किया जा रहा है लेकिन फीडर ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जैसी समस्याओं व शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। इन मामलों के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उसकी गुणवत्ता पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस बैठक में सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी,सीओ सिटी गौरव वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं जनपद के व्यापारी मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

परीक्षाओं के पेपर लीक होना सरकार की खामी: पूर्व सांसद

चंदौली। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद रामकिशुन ने शुक्रवार को मुख्यालय स्थित कैंप कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए केंद्र प्रदेश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला जाए। जितने भी परीक्षाएं हुई हैं सभी परीक्षाओं के पेपर लीक होना गंभीर विषय है। इसे किसी भी सूरत में समाजवादी पार्टी बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस दौरान पूर्व सांसद ने कहा केंद्र और प्रदेश सरकार दोनों नौजवानों के भविष्य को बर्बाद करने पर लगी हुई। नौजवान बेरोजगारी दूर करने के लिए बड़ी मेहनत की और परीक्षाएं दी, लेकिन सभी परीक्षाओं के पेपर लीक होना सरकार के ऊपर सवाल खड़ा करता है। इसे साफ जाहिर होता है नौजवानों के भविष्य को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ही चिंतित है।जितने भी भर्ती हुई सपा सरकार निष्पक्षता के साथ की गई,लेकिन उसे भी सरकार द्वेष के कारण उन्हें भी बाहर किया जा रहा है। नौजवानों बेरोजगारों के सवाल पर संघर्ष करने के लिए तैयार है। यही नहीं जनपद में पानी के अभाव में नर्सरी किसान नहीं डाल पा रहे हैं। एक दिन मात्र 6 घंटे नारायणपुर पंप कैनाल चलाने के बाद फिर बंद कर दिया गया यह औचित्य नहीं है।

25 को वीपी सिंह की जयंती पर होगा गोष्ठी का आयोजन

चंदौली। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जयंती 25 जून को मुख्यालय स्थित नगर पंचायत के रंग बसेरा के पास मीटिंग हॉल में आयोजित की गई है। जहां पर पूर्व प्रधानमंत्री को विभिन्न संगठनों के लोग के साथ प्रमुख नेता श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे और उनके विचार को आत्मसात करने के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस दौरान मुख्य संयोजक सियाराम सिंह चौहान व सेवा निवृत भूमि संरक्षण अधिकारी इंजीनियर रामकेश सिंह यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती में पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल के साथ-साथ विधायक प्रभु नारायण सिंह यादव पूर्व विधायक मनोज सिंह व पूर्व एमएलसी अरविंद सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार यादव और समाजसेवी शिवकुमार सिंह भाग लेंगे।

अखोप चट्टी पर दोनों बाइकों में हुई जोरदार टक्कर

बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक की मौत, मासूम समेत पांच लोग घायल

♦ एंबुलेंस और डायल 112 की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया गया जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया

केटी न्यूज/बलिया

उभांव थाना क्षेत्र के अखोप चट्टी के पास शुक्रवार की अपराह्न दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक मासूम समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस और डायल 112 की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो लोगों को गंभीरावस्था के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि मऊ जिले के मर्यादपुर निवासी रवि तिवारी (30), नौसेपुर निवासी आकाश तिवारी (36) व अंशु (24) बुलेट पर सवार हो बेल्थरारोड की ओर आ रहे थे। जबकि दूसरी बाइक से उभांव थाना क्षेत्र के पतनारी ग्राम निवासी रामदरस (32) अपनी पत्नी उर्मिला (26) व एक साल के किशन के साथ बेल्थरारोड जा रहे थे। जैसे ही दोनों बाइक सवार अखोप चट्टी के पास पहुंचे कि आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिससे दोनों बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वही बाइक सवार लोग घायल हो गए।

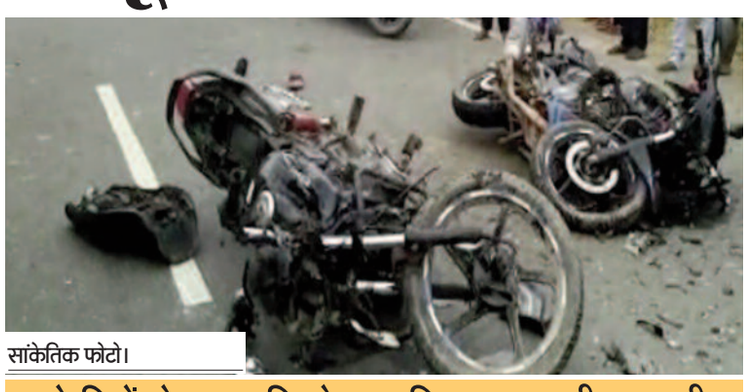

सांकेतिक फोटो।

दो दिनों से गायब किशोर का मिला शव, मची सनसनी

केटी न्यूज/ बलिया

शुक्रवार को रेवती थाना क्षेत्र के तुलसी छपरा गांव में एक किशोर का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक की शिनाख्त शालू राजभर पुत्र छड्डू राजभर निवासी रेखहा नूरपुर थाना रेवती जनपद बलिया के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार रेवती थाना के रेखहा नूरपुर गांव निवासी छड्डू राजभर का 13 वर्षीय पुत्र शालू राजभर 19 जून 2024 को अपने घर से गायब हो गया था। परिजनों द्वारा आसपास के क्षेत्रों तथा रिश्तेदारियों में काफी छानबीन किया गया, लेकिन उसका कहीं भी अता-पता न चल सका। अंत में परिजनों ने रेवती थाने में तहरीर दिया। जिसके बाद पुलिस संबंधीत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दिया। इसी बीच शुक्रवार को रेवती थाना क्षेत्र के तुलसी छपरा गांव में एक किशोर का शव मृत अवस्था में ग्रामीणों ने देखा और पुलिस को सूचना दिया। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि वह नशे का आदी था। ऐसा प्रतीत होता है कि नशे के कारण ही इसकी मृत्यु हो गई होगी। खैर मामला जो भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो घायल, एक की मौत

बलिया। शुक्रवार को मनियर मार्ग पर स्थित चेतन किशोर गांव के सामने दो बाइकों की आमने-सामने की हुई टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल पहुँचाया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के गोसाईपुर निवासी भुवर गोंड 22 वर्ष पुत्र बालेश्वर गोंड बाइक से किसी कार्य से सिकन्दरपुर आ रहा था। जबकि खरीद निवासी दीनदयाल यादव 29 वर्ष पुत्र इंद्रजीत यादव सिकन्दरपुर से सामान की खरीदारी कर गांव जा रहा था। जैसे ही चेतन किशोर गांव स्थित नेनुआ बाबा के स्थान के सामने पहुंचा कि दोनों बाइकों में आमने सामने से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें भुवर और दीनदयाल गम्भीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर भेजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने दोंनो को सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बलिया ले जाते समय भुवर ने रास्ते में दम तोड़ दिया। सूचना में पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम ने भेज दिया।

घायलों को सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने रवि को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल आकाश व अंशु को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

एक नजर

राजकीय आईटीआई परिसर तुलसीपुर में 24 को रोजगार मेला एवं करियर-कॉउंसलिंग का आयोजन

गाजीपुर। निदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन लखनऊ के निर्देश पर जिले में अधिक से अधिक बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से राजकीय आईटीआई परिसर तुलसीपुर गाजीपुर में रोजगार मेला एवं कॅरियर-कॉउंसलिंग का आयोजन 24 जून 2024 को पूर्वाह्न 10.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस मेले में विभिन्न कम्पनियां/नियोजक प्रतिभाग करेंगे। प्रतिभागी कम्पनियों में मुख्य रूप से क्वैस कापोरेंशन प्रा0लि0 के द्वारा टाटा मोटर्स, रोहित हाईब्रीड सीड्स प्रा0लि0 एवं पीएनबी मेट लाइफ आदि द्वारा मैकेनिक, सेल्स ट्रेनर, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स आफिसर, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, आदि पदों पर चयन किया जायेगा। नियोजक/कम्पनियों द्वारा अपने रिक्तियों सम्बन्धी समस्त विवरण विभागीय वेबसाइट पोर्टल पर प्रदर्शित कर दिया गया है। अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन कराकर इच्छुक कम्पनियों में अपनी शैक्षिक योग्यता के अनुसार रोजगार संगम पोर्टल पर अपना आवेदन कर उक्त मेले में प्रातः दस बजे समस्त शैक्षिक योग्यता के मूल प्रमाण- पत्रों/छाया प्रति के साथ प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, इस सम्बन्ध में कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा। विस्तृत जानकारी हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय में भी सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला कारागार गाजीपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

गाजीपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर शुक्रवार को जिला कारागार गाजीपुर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन अमित कुमार-।।, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गाजीपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अखिलेश कुमार पाठक, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय गाजीपुर, श्रीमान् पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकारी गाजीपुर, श्री राकेश कुमार-टप्प्ए प्रभारी जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो कक्ष सं0-01, गाजीपुर, अलख कुमार स्पेश जज ईसी एक्ट गाजीपुर, दीपेन्द्र कुमार गुप्ता अपर सिविल जज (सी0डि0) गाजीपुर, श्रीमती अर्चना-।।, सिविल जज (सी0डि0)/त्वरित न्यायालय गाजीपुर एवं अन्य न्यायिक अधिकारीगण व कर्मचारीगण द्वारा इस योग शिविर में प्रतिभाग किया गया। जिला कारागार गाजीपुर में ह्नअन्तर्राष्ट्रीय योग दिवसह्न के अवसर पर जेल अधीक्षक, योग प्रशिक्षक द्वारा कारागार में निरूद्ध बंदियों को योग और साधना का अभ्यास कराया गया। करीब 110 बंदियों व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा विभिन्न प्रकार का योगाभ्यास जैसे पद्मासन, तड़ासन, बज्रासन एवं शवासन जैसे योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक, योग प्रशिक्षक, जेलर रविन्द्र सिंह यादव, जेल पीएलवी, बंदी रक्षकों एवं बंदियों द्वारा इस योग शिविर में प्रतिभाग किया गया।

बैनर पर नाम गायब देख अफसरों पर बिफरीं राज्यसभा सदस्य, बोलीं- डीएम से लूंगी खबर

चंदौली। 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यालय स्थित महेंद्र टेक्निकल इंटर कालेज में आयोजित योग शिविर के बैनर पर राज्यसभा सांसद साधना सिंह का नाम गायब था। यह देख आयोजन में पहुंची राज्यसभा सांसद अधिकारियों पर खफा हो गईं। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन को आड़े हाथों लिया। वहीं जिलाधिकारी से इसका जवाब लेने की बात कही। जिले में दो राज्यसभा सांसद हैं दर्शना सिंह और साधना सिंह। दोनों सत्तापक्ष से हैं। इसके बावजूद योग दिवस के कार्यक्रम में जिला प्रशासन उन्हें भूल गया। यहां तक कि साधना सिंह को आयोजन का निमंत्रण तक नहीं दिया गया। वे खुद से कार्यक्रम स्थल पर योग करने पहुंची तो बैनर से नाम व फोटो गायब देख नाराज हो गईं, जबकि जिले के तीनों भाजपा विधायकों की फोटो बैनर पर थी। साधना सिंह ने कहा कि यह बैनर कौन बनवाया है, किसके द्वारा बैनर लगवाया गया है, इसकी खबर मैं जिलाधिकारी से लूंगी। अफसरों की ऐसी मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी। कहा कि हमें इस शिविर का निमंत्रण भी नहीं भेजा गया था, उसके बाद भी मोदी जी और योगी जी पहल को साकार करने तथा योग को जन-जन तक ले जाने की पहल को आगे बढ़ाने के लिए खुद कार्यक्रम में सम्मिलित हो आई। राज्यसभा सांसद की नाराजगी व तेवर को देखकर प्रभारी मंत्री ने मामले को संभालने की कोशिश की। उनके कहने पर राज्यसभा सांसद कार्यक्रम स्थल रवाना हो गयीं। यूनानी चिकित्सा प्रभारी अधिकारी सरोज शंकर राम ने बताया कि बैनर बनाते समय यह चूक हो गई है।

मिट्टी की अवैध खनन को लेकर जिला प्रशासन सख्त एसडीएम ने जेसीबी सहित चार ट्रैक्टर को किया सीज

केटी न्यूज / गाजीपुर

भूडकुड़ा कोतवाली अंतर्गत तालगांव में अवैध रूप से पोखर में काफी दिनों से अवैध खनन का कार्य हो रहा था। इसकी मुखबिर से सूचना मिलने पर उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह तत्काल नायब तहसीलदार धुर्वेश कुमार सिंह को भेजकर मौके पर अवैध खनन कर रहा था। जिसमें एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर को पड़कर कोतवाली लाया गया। कार्रवाई के तहत जेसीबी और ट्रैक्टर को सीज कर दिया गया है। कार्रवाई को लेकर जखनियां ब्लॉक सहित विधानसभा में जेसीबी संचालकों में हड़कंप मच गया। कई जगह हो रहे अवैध खनन की सुचना सटीक नहीं मिल पा रही थी।

भूडकुड़ा कोतवाल तारावती ने बताया कि क्षेत्र के अतिगांवा निवासी

राजकुमार का जेसीबी और चार ट्रैक्टर बगल के गांव में अवैध खनन का मिट्टी बिक्री कर रहा था। तत्काल सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी कमलेश सिंह ने एक जेसीबी चार ट्रैक्टर को सीज कर दिया है। उप जिलाधिकारी कमलेश सिंह ने कहा कि कहीं भी अवैध खनन न होने पाए, अगर अवैध खनन की सूचना मिलती है तो तत्काल इसकी सूचना दें। अवैध रूप से खनन की सूचना मिली थी। जिसमें एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर को सीज कर दिया गया था।

भागदौड़ भरी जीवनशैली में प्रकृति का वरदान है योग : डा. सानंद सिंह

केटी न्यूज / बलिया

विश्व योग दिवस के अवसर पर सत्यदेव ग्रूप्स आफ कालेजेज गाधीपुरम बोरसिया गाजीपुर के प्रबंध निदेशक डा. सानन्द सिंह ने कहा की आज की इस भागदौड़ भरी जीवनशैली में प्रकृति का वरदान है योग। एक ऐसी क्रिया जिसके द्वारा मनुष्य इस आपाधापी भरे जीवन में अपने सभी कार्य करते हुए केवल कुछ पल निकाल कर सुकून की चरम सीमा तक को पा सकता है। एक ऐसी क्रिया जिससे तनाव भरे इस जीवन में अपने मस्तिष्क को राहत दे सकता है। आज के इस युग में जब हमारे पास अपने लिए भी समय नहीं है। प्रदूषण जैसे ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण आदि ने मानव जीवन को दूभर कर दिया है आए दिन नई-नई बीमारियां सामने आ रही है। ऐसे में योग ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने जीवन में इन समस्याओं से काफी हद तक निजात पा सकते हैं। आज विज्ञान ने भी इसे प्रमाणित किया है कि योग मुद्रा, ध्यान और योग में श्वसन की विशेष क्रियाओं द्वारा ना सिर्फ तनाव से राहत मिलती है, बल्कि योग मन को विभिन्न विषयों से हटाकर स्थिरता प्रदान करता है। कार्य विशेष में मन को स्थिर करने में सहायक होता है. इतना ही नहीं आज योग के द्वारा कई असाध्य रोगों को भी दूर किया जा सकता है. योग की इसी खूबी के कारण आज पूरा विश्व 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाता है. जिससे योग के फायदों के बारे में पूरे विश्व को परिचित कराया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सम्मानित किए गए कर्नल अनुभव राज, बोले...

रहना है स्वस्थ तो योग का अभ्यास दैनिक जीवन में करें युवा

केटी न्यूज/गाजीपुर

दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर सहित पूरे देश में धूमधाम के साथ मनाया गया। 2015 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत की गई थी। इस दिन देश के अलग-अलग हिस्से में योग के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर लोग योगाभ्यास करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पीजी कॉलेज परिसर में भी योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी के साथ-साथ ही एनसीसी के कैडेटों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

योग शिविर में 92 बटालियन यूपी एनसीसी के कमांडिंग आफिसर कर्नल अनुभव राज मौजूद रहे। आमंत्रित योग प्रशिक्षक डॉ० अनुराग सिंह ने शिविर में मौजूद सभी लोगों को योग के अलग-अलग आसनों का अभ्यास कराया। इस अवसर पर कर्नल अनुभव राज को महाविद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ देखकर प्राचार्य प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा सम्मानित किया। कर्नल अनुभव राज ने इस अवसर पर कहा कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क विकसित हो सकती है। युवाओं को योग का अभ्यास अपने जीवन में दैनिक स्तर पर करना चाहिए। प्रोफे० (डॉ०) राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि इस वर्ष पूरे विश्व में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वयं एवं समाज के लिए योग थीम पर मनाया जा रहा है। योग दिवस की शुरूआत साल 2015 में हुई थी।इसके बाद से हर साल 21 जून को पूरी दुनिया में इसे मनाया जाता है। इस दिन योगाभ्यास किया जाता है। वहीं देश-विदेश में योगाभ्यास के लिए विशेष आयोजन किये जाते हैं।योग का हमारे जीवन में काफी अहम महत्व होता है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। बल्कि यह शांत मन और प्रबल विचारों और एकाग्रता करने में मदद करता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ योगाभ्यास

गाजीपुर। विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून को राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अनिता कुमारी ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित यादव, डॉ. गजनफर सईद, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जिला आयुक्त रोवर एवं प्रज्ञा रेंजर प्रभारी डॉ. शिवकुमार एवं गायत्री परिवार से महावीर यादव तथा अनिल कुमार उपस्थित रहे। योग प्रशिक्षक के रूप में डॉ. अमित यादव ने महर्षि पतंजलि के योग दर्शन के अष्टांग योग पर प्रकाश डाला और बताया कि किस प्रकार यम और नियम की व्यवस्था वर्तमान जीवन शैली में प्रासंगिक है। विशेषकर विद्यार्थियों के लिए यम और नियम जीवन के लक्ष्यों को सहज बनाता है।

नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने सौंपा मांगपत्र

केटी न्यूज/चंदौली

नीट, यूजीसी जैसी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र परीक्षा से पूर्व आउट होने पर विरोधी दलों में उबाल है इसके विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित मांग पत्र अपर जिलाधिकारी अभय पाण्डेय को सौंपा। मांग किया कि मामले की सीबीआई जांच कराई जाए। पेपर लीक मामले में दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि उत्तरदायी संस्था और सरकार की ओर से की जा रही लीपापोती से देश में असंतोष का माहौल है। राष्ट्रीय स्तर की इस तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और भ्रष्टाचार से देश के युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। इसके लिए सरकार को चाहिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करते हुए उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए ताकि परीक्षार्थियों का भरोसा लौट सके। राम जी गुप्ता, डा नारायण मूर्ति ओझा, आनंद शुक्ला, मधुराय, राधेश्याम यदुवंशी, प्रभात मिश्रा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दसवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में योग कार्यक्रम का आयोजन, बड़ी संख्या में लोगों ने किया योगाभ्यास

आओ हम सब मिलकर करें योग, देशवासियों को बनाएं निरोग

- बतौर मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ने कार्यक्रम में किया प्रतिभाग, जनपद के नामित नोडल भी हुए शामिल
- प्रभारी मंत्री ने योग प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को किया पुरस्कृत
- जिलाधिकारी सहित जिलास्तरीय अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में की भागीदारी

केटी न्यूज / बलिया

जनपद में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम वीर लोरिक स्टेडियम में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में जनपद के प्रभारी मंत्री व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश दयाशंकर मिश्र 'दयालु' जी मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। प्रभारी मंत्री ने महर्षि पतंजलि की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित किया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के लिए नामित नोडल आवास आयुक्त बलकार सिंह भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न प्रकार के सामूहिक योगाभ्यास, आसन और प्राणायाम कराया गया। हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए है। यहां पर प्रभारी मंत्री द्वारा योग सप्ताह पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे रंगोली, निबंध, भाषण, योगासन और स्लोगन,के विजेताओं को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत भी किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रामविचार पांडेय को प्रभारी मंत्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर का मोमेंटो भेंट किया। जिलाधिकारी ने भी प्रभारी मंत्री को काशी विश्वनाथ मंदिर की मोमेंटो देकर सम्मानित किया। आयुष विभाग,बलिया द्वारा सामूहिक योग दिवस में शामिल सभी लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की टी-शर्ट प्रदान किया गया। प्रभारी मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग विधा भारत के द्वारा संपूर्ण विश्व और मानव सभ्यता को सबसे बड़ी देन है। यह भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति का हिस्सा है। यह उत्तर प्रदेश के लिए विशेष गौरव की बात है क्योंकि योग के प्रणेता महर्षि पतंजलि की जन्मस्थली उत्तर प्रदेश और कर्मभूमि काशी है। साल 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। साल के 365 दिनों में आज का दिन सबसे लंबा होता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के 200 से अधिक देशों में भारत की इस सनातन विधा को स्वीकृति मिली है और सभी ने इसे सहर्ष स्वीकार किया है। आज सारे विश्व में चाहे वह लंदन की बिगवेन घड़ी, अमेरिका का टाइम्स स्क्वायर या फ्रांस का एफिल टावर हो, इस योग की विधा से संसार का कोई भी कोना अछूता नहीं है। कहा कि आप लोगों को जानकर हैरानी होगी कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ में सर्वाधिक मतों से पास होने वाला प्रस्ताव है। उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों से अपील किया कि शरीर को निरोग रखने के लिए योग को अपने जीवन शैली में शामिल करें और प्रतिदिन योग करने का संकल्प लें। कहा कि स्वस्थ मन और स्वास्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है इसलिए हमारे आने वाले कल को बेहतर बनाने के लिए योग जरूरी है, तभी हम एक बार फिर विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर होंगे।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग आवश्यक

भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि योग भारत की महत्वपूर्ण विरासत है। यह हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अति आवश्यक है। अगर हम नियमित रूप से योग करें तो हमारा शरीर और मन दोनों ही स्वस्थ रहेगा।

देश के लिए गौरव की बात: बलकार सिंह

नोडल अधिकारी बलकार सिंह ने कहा कि देश के लिए यह गौरव की बात है कि योग को अंतरराष्ट्रीय दिवस का दर्जा प्राप्त हुआ है। योग के प्रचार प्रसार से भारत के सांस्कृतिक इतिहास के बारे में पूरा विश्व जान गया है और उससे पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला है।

योग हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है: डीएम

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने कहा कि योग हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।यह दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि जो लोग योग से नहीं जुड़े हैं, उनको इस दिन योग से जुड़ने का मौका मिलता है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विजय पति द्विवेदी, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी, जिला होम्योपैथिक अधिकारी एनपी सिंह, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी और जनपद के लोग मौजूद रहे।

10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद में विभिन्न स्थानों पर योग और आसान कर लोगों को जागरूक किया गया। जिला मुख्यालय अंतर्गत पुलिस लाइन व विभिन्न डिग्री कालेजों में जिलाधिकारी एवं पुलिस कप्तान सहित अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया।

राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर किया योगाभ्यास।

सामूहिक योगाभ्यास कर लोगों ने दिया स्वस्थ रहने का संदेश

केटी न्यूज / चंदौली

दसवांअंतराष्ट्रीय योग दिवस पूरे जनपद में भव्य रूप से आयोजित हुआ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जनपद के समस्त तहसीलों, विकास खंड एवं ग्राम पंचायतों में सामूहिक योगभ्यास कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें राज्य सभा सदस्य, प्रभारी मंत्री और विधायकों के साथ बड़ी संख्या में जनमानस द्वारा प्रतिभाग किया गया। जनपद स्तर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम महेन्द्र टेक्निकल इंटर कालेज के परिसर में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड, राज्य सभा सांसद साधना सिंह, जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की मौजूदगी में आयोजित हुआ। सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने योग के कई आसन किए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री,संजीव कुमार गोंड ने सभी को शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से ही योग दिवस को बहुत ही वृहद रूप से मनाने का कार्यक्रम शुरू हुआ था। हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम सब अपने-अपने जिलों में योग दिवस मना कर लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं और उन्हें एक संदेश भी दे रहे हैं कि स्वास्थ्य को ठीक रखना बेहद जरूरी है। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने सभी को योग दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि योग जितना पौराणिक है , उतना ही आधुनिक है। नियमित योग शरीर को निरोग रखने के साथ ही साथ मस्तिष्क एवं इंद्रियों पर नियंत्रण रखने का भी साधन एवं माध्यम है। योग इंद्रियों को नियंत्रित कर चरित्र निर्माण करता है , जो की राष्ट्र निर्माण की योगदान देता हैं। माता पिता अपने बच्चों को योग का महत्व बताते हुए उनको नियमित योग को प्रेरित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अभय कुमार पांडेय, मुख्य विकास अधिकारी एस एन श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पर्यटन अधिकारी, जिला होम्योपैथिक अधिकारी साहित्य अन्य विभिन्न कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी एवं सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने किया योगासन

केटी न्यूज/गाजीपुर

दशम् अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस थीम स्वयं एवं समाज के लिए योग जनपद भव्य रूप मनाया गया। शुक्रवार को जनपद` में उत्साह, उल्लास, एवं उमंग के साथ दशम अंन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-2024 का भव्य कार्यक्रम आयोजित हुए। जिला मुख्यालय पर नेहरू स्टेडियम गोरा बाजार में बड़ी तादात में लोग शामिल हुए। इसी के साथ तहसील, ब्लाक, समस्त ग्राम पंचायतो व विभिन्न सरकारी व निजी संस्थानों में भी योग दिवस का आयोजन हुआ। दशम् अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत, विशिष्ट अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सरिता अग्रवाल, मण्डलायुक्त वाराणसी मण्डल वाराणसी कौशल राज शर्मा,` जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने दीप प्रज्वलित एंव धन्वतरि के चित्र पर माल्यापर्ण कर किया। तत्पश्चात स्मृति चिन्ह, अंगवत्रम एवं पुष्प गच्छ देकर मुख्य अतिथि, विशिष्टि अतिथि एवं मण्डलायुक्त वाराणसी मण्डल वाराणसी का स्वागत सत्कार किया गया।` मौके पर विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि प्रदीप पाठक, अपर जिलाधिकारी वि0रा0, पुलिस विभाग के अधिकारीगण, उपजिलाधिकारी सदर ,समस्त जनपद स्तरीय विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी के अलावा

भारी संख्या में उपस्थित लोगों ने अंन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संगीता बलवंत ने अपने सम्बोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति एवं परंपरा की एक अमूल्य देन है। योग भारत मे सदियो पुरानी परम्परा रही है, जिसे हमें हमारे ऋषि मुनियों ने आशीर्वाद के रूप में दिया है। आज जहां हम लोग योग दिवस के रूप में यहां उपस्थित हुए है उसी तरह प्रधानमंत्री जम्मू कश्मीर में योग दिवस समारोह में शामिल हैं। हमें चाहिए की योग को केवल एक दिन न करके प्रतिदिन योग को अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, क्योकि जब हम योग करेंगे तभी निरोग रहेंगे। जब हमारा तन, मन स्वस्थ रहेगा, तभी देश भी स्वस्थ रहेगा।

उन्होने कहा कि जब हम योगी बनेंगे, निरोगी बनेंगे, उपयोगी बनेंगे और समाज के लिए कार्य करेंगे तभी अपना विकासशील देश विकसित देशों की श्रेणी जायेगा। आज हमें यह संकल्प लेना है कि केवल 21 जून को ही नहीं ,बल्कि प्रत्येक दिन योग को अपने दिनचर्या मे शामिल करते हुए स्वयं स्वस्थ रहेंगे और समाज को भी स्वस्थ रखेंगे । तभी अपना देश आगे बढेगा। मण्डलायुक्त वाराणसी मण्डल वाराणसी कौशल राज शर्मा ने दसवें अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस के अवसर पर गाजीपुर मे योग की अलख जगाने के लिए इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को बधाई देते हुए कहा कि भारत की भूमि वह भूमि है, जहां योग का प्रादुर्भाव हुआ है। यहां अनेक ऋषि मुनियों ने जन्म लिये जिन्होंने योग जैसी साइंटिफिक विद्या` से शरीर को स्वस्थ रखने के लिए` खोज निकाला एवं उसका जन-जन मे प्रचार भी किया। इसी भूमि से जो विद्या निकली है उसी को मा0 प्रधानमंत्री ने आगे पहुंचाया और पूरे विश्व पटल पर योग दिवस के माध्यम से स्थापित कराया। आज हमारी जिम्मेदारी है कि इसको और आगे कैसे ले जा सकते है।`

शाही किले पर सैकड़ो लोगों ने किया योगाभ्यास

जौनपुर। अंतर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस के अवसर पर देशभर में लोगों ने योगाभ्यास कर योग दिवस मनाया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा योगासन को स्तर पर लाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत की थी। आज देश ही नही पूरे विश्व में दसवां विश्व योग दिवस मनाया गया। जनपद जौनपुर में विभिन्न स्कूल कॉलेज तथा अन्यंत्र संस्थानो में लोगों ने बढ़-चढ़कर योग दिवस पर योग किया और स्वास्थ्य लाभ लिया।इसी क्रम में शहर के शाही किले पर जनपद के प्रभारी मंत्री और मुख्य अतिथि के रूप में आए,दिनेश प्रताप सिंह ने राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी,भाजपा नेता कृपा शंकर सिंह,जिले के डीएम एसएसपी व सैकड़ो लोगो के साथ योग किया। मंच से योग गुरु ने योग करने से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जौनपुर के शाही किले

पर जिला प्रशासन की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जनपद के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने शहर के बिभिन्न स्थानों से आये हुए सैकड़ो लोगो के साथ योगाभ्यास किया।तथा उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने देश व दुनिया के लोगो को स्वस्थ रखने के लिए अपने पुराने बैदिक परंपरा को विश्व मे शुभारंभ किया है।

डॉक्टर भीमराव स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ योग कार्यक्रम, सैकड़ों लोगों ने किया योगाभ्यास

मऊ। दशम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनपद हेतु नामित नोडल अधिकारी अपर आयुक्त आजमगढ़ मंडल के के अवस्थी, जिला अधिकारी प्रवीण मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी एवं जनपद के गणमान्य व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ट्रांसजेंडर समूह के लोगों ने भी बड़ी संख्या में योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके अलावा मूक बधिर दिव्यांग लोगों द्वारा भी दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डॉ भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रतिभाग किया गया। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित योग कार्यक्रम के दौरान प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आयुष विभाग द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ अपर आयुक्त, जिला अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प

अर्पित कर दिया गया।यह कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे प्रारंभ हुआ जो करीब डेढ़ घंटे तक चला। कार्यक्रम के समापन पर अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर लोगों द्वारा बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग करने पर धन्यवाद दिया। विशेष कर महिलाओं स्कूली बच्चों, ट्रांसजेंडर समूह के लोगों तथा दिव्यांग लोगों द्वारा प्रतिभाग करने पर प्रसन्नता जताते हुए उन्होंने विशेष आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के उपरांत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित निबंध एवं अन्य प्रतियोगिता के विजेताओं को जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा जिला न्यायालय परिसर में न्यायिक अधिकारियों द्वारा करें योग रहें निरोग का संदेश देते हुए योग दिवस मनाया गया।शारदा नारायण हॉस्पिटल व नर्सिंग कॉलेज में विहंगम योग का कार्यक्रम हुआ वहीं शारदा नारायण हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया ।इसी प्रकार जिले के हर संस्थानों ,कालेजों कार्यालयों में योग दिवस मनाया गया।

पुलिस लाइन में मना योग दिवस

मऊ । 10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन मऊ के परिसर में प्रातः पुलिस अधीक्षक मऊ इलामारन की उपस्थिति में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान पतंजली व सहज योग परिवार के योग प्रशिक्षक टीम द्वारा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकाल का पालन कराते हुए पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य, निरोग, तनावमुक्त एवं प्रसन्नचित रहने हेतु विभिन्न तरह के आसन/व्यायाम कराते हुए योग करने के लाभ के बारे में बताया गया। इस दौरान योग प्रशिक्षक द्वारा मानव जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी को नियमित रुप से योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया। प्रशिक्षक द्वारा शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रखने के लिए योगाभ्यास कराया गया तथा बताया गया कि योग द्वारा न सिर्फ बीमारियों का उपचार किया जाता है, अपितु इसे अपनाकर कई शारीरिक और मानसिक कमियों को भी दूर किया जा सकता है। स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से योग को जीवन में अपनाना जरूरी है तथा तन और मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए नियमित रूप से दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

सुभाषितम्

जैसे जल द्वारा अग्नि को शांत किया जाता है वैसे ही ज्ञान के द्वारा मन को शांत रखना चाहिए। - वेदव्यास

पुराने कानूनों पर पुनर्विचार करेगी नई संसद

2024 में नई संसद का गठन होने जा रहा है। इस बार संसद में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। सही मायनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो तीसरी सरकार बनी है वही वास्तविक एनडीए की सरकार है। एनडीए की वर्तमान सरकार में पिछले 10 वर्षों में संसद द्वारा जो कानून पास किए गए हैं उन पर पुनर्विचार किए जाने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। पिछले 10 सालों में संसद में विपक्ष बहुत कमजोर था। निश्चित संख्या में विपक्षी राजनीतिक पार्टी का बहुमत नहीं होने से विपक्षी दल के नेता का पद भी विपक्ष के पास नहीं था। बहुमत के आधार पर संसद में बिना चर्चा के बिल पास कराने के दर्जनों उदाहरण हैं। संसद में बिल पेस करने के पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन भी नहीं किया गया। आनन-फानन में बहुमत के आधार पर लोकसभा से बिल पारित कर दिए गए, जिसके कारण संविधान में प्रदत्त नागरिकों की समानता और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का ध्यान भी नहीं रखा गया। कानून बनाते समय सरकार के पास असीमित अधिकार हों इसको ध्यान में रखते हुए कानून बनाए गए। अब नई संसद गठित होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के पास सदन में स्पष्ट बहुमत नहीं है। सहयोगी दलों के साथ मिलकर सरकार चलाना पड़ेगी। वहीं इस बार संसद में विपक्ष पहले की तुलना में बहुत मजबूत है और एकजुट है। ऐसी स्थिति में संभावना व्यक्त की जा रही है कि जो भी कानून पिछले 10 वर्षों में पारित किए गए हैं उन पर हर हालत में पुनर्विचार करना इस सरकार की मजबूरी होगी। सभी नागरिकों के लिए न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मौलिक अधिकारों के तहत हो। इसके लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर भारी विवाद है। भारतीय दंड संहिता (अपराधिक कानून विधेयक) के कई प्रावधान इस तरह से किए गए हैं जिसका देश में भारी विरोध हो रहा है। मैरिटल रेप राज ध्रुव के नए प्रावधान पुलिस को असीमित अधिकार न्यायपालिका के अधिकारों में कटौती, मोटर व्हीकल एक्ट इत्यादि के कई ऐसे प्रावधान हैं जिनके परिणाम पर चिंता किए बिना इसे लागू किया जाना है। भारतीय दंड संहिता के जो तीन नए कानून हैं यह 1 जुलाई 2024 से लागू होने हैं, जिसके कारण स्पष्ट है कि यह मामला संसद के पहले सत्र में ही पुनर्विचार की मांग को लेकर विपक्ष अपना दबाव बनाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम 2023 में हंगामे के बीच पारित किया गया। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश दिए थे, उनका पालन नहीं किया गया। जिसका असर 2024 के लोकसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। ऐसी स्थिति में इस कानून में भी संशोधन को लेकर विपक्ष दबाव बनाएगा। केंद्र सरकार और राज्यों के बीच खदान एवं खनिज अधिनियम को लेकर भी पिछले कई वर्षों से विवाद चल रहा है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में संवैधानिक पीठ कर रही है। इस नवीन कानून के द्वारा केंद्र ने अपनी शक्तियों को काफी बढ़ा लिया है और राज्यों की शक्तियों को कम कर दिया है। ऐसी स्थिति में इस पर भी भारी दबाव सरकार पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी तरह ट्रासजेंडर व्यक्ति अधिनियम 2019 के प्रावधान भी भेदभाव पूर्ण होने के कारण इस पर भी विपक्ष द्वारा पुनर्विचार करने की और संशोधन करने की मांग इसी संसद सत्र में की जा सकती है। अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को कई मामलों में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ेगा वहीं पिछले 10 सालों में ईडी, सीबीआई और आयकर एवं अन्य जांच एजेंसी के माध्यम से विपक्ष को समाप्त करने की कोशिश की गई है, उसको लेकर भी विपक्ष एकजुट हुआ है। एकजुट विपक्ष से लड़ना सरकार के लिए आसान नहीं होगा। पिछले 10 सालों में सरकार ने विपक्ष के लिए जो गड्ढे खोदे थे विशेष रूप से भ्रष्टाचार के मामलों में विपक्ष को जेल के सीखचों तक पहुंचाया गया था।

ग्रीष्म लहरों से मौत को रोकने के लिये कार्ययोजना

-संजय गोस्वामी

भारत लगातार जारी ग्रीष्म लहरों के चपेट में है। मई- जून 2024 में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में तापमान पिछले 124 वर्षों में सर्वाधिक उच्च स्तर लगभग 50 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज किया गया। ग्रीष्म लहर भारत के लिये कोई नई परिघटना नहीं है, लेकिन इस वर्ष उल्लेखनीय यह है कि उसका समयपूर्व आगमन हुआ है और देश के उत्तर-पश्चिमी सेदक्षिण-पूर्वी हिस्सों तक उसका व्यापक स्थानिक प्रसार रहा है। यह उपयुक्त समय है कि देश को ग्रीष्म लहरों और संबद्ध चरम मौसमी घटनाओं से निपटने के लिये ठोस योजनाओं का निर्माण करना चाहिये। ग्रीष्म लहरों के जानलेवा प्रभावों को कम करने के लिये पूर्व-चेतावनी प्रणाली, हीट-प्रूफ शेल्टर और व्यापक रूप से वृक्षारोपण महत्त्वपूर्ण है। ग्रीष्म लहर असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि है जो भारत के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिण-मध्य भागों में ग्रीष्मकाल के दौरान उत्पन्न होती है। यह वायु के तापमान की वह स्थिति है जिसके संपर्क में आना मानव शरीर के लिये घातक हो जाता है।भारत मौसम विज्ञान विभाग उस स्थिति को ग्रीष्म लहर के रूप में वर्गीकृत करता है जब मैदानी इलाकों में तापमान कम से कम 40? (और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30?) तक पहुँच जाए और यह सामान्य तापमान से कम से कम 5-6? की वृद्धि को इंगित करता हो। भीषण गर्मी का आसन्न कारण वर्षा-युक्त पश्चिमी विक्षोभ या उष्णकटिबंधीय तूफान की अनुपस्थिति है जो उत्तर भारत में भूमध्यसागर से वर्षा लाते हैं। भारत में पहले से ही गर्म शहरों में ग्लोबल वार्मिंग और जनसंख्या वृद्धि का संयोजन बढ़ते हुए ह्यहीट एक्सपोजरह्नका प्राथमिक चालक है। ह्यअर्बन हीट आइलैंडह्न शहरों के भीतर भी तापमान की वृद्धि करता है,जिसकी त्वरा ग्रीष्म लहरों के दौरान और बढ़ जाती है।यह स्थिति तब बनती है जब जब शहर प्राकृतिक भूमि आवरण को फुटपाथ, इमारतों और अन्य ठोस सतहों के घने सांद्रता से प्रतिस्थापित कर देते हैं जो गर्मी को अवशोषित करते हैं और देर तक बनाए रखते हैं। मई-जून के माह में भारत में ग्रीष्म लहरों की उपस्थिति एक सामान्य घटना है, लेकिन देश के कई हिस्सों में धीरे-धीरे बढ़ते अधिकतम तापमान के कारण वर्ष 2024 में ग्रीष्म लहरों की समय-पूर्व उत्पत्ति की स्थिति बनी। भारत मौसम विज्ञान विभागके अनुसार भारत में ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या वर्ष 1981-1990 के 413 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 600 हो गई है। ग्रीष्म लहर दिवसों की संख्या में यह तेज वृद्धि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के कारण घटित हुई है।ग्रीष्म लहरों के कारण जान गँवाने वाले लोगों की संख्या भी वर्ष 1981-1990 में 5,457 से बढ़कर वर्ष 2011-2020 में 11,555 हो गई है। वर्ष 1967 से अब तक पूरे भारत में ग्रीष्म लहरों के कारण 39,815 लोगों की मौत हो चुकी है। भू-जलवायु और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के कारण सबसे अधिक मौतें उत्तर प्रदेश (6,745) में हुई हैं; इसके बाद आंध्र प्रदेश (5,088), बिहार (3,364), महाराष्ट्र (2,974), पंजाब (2,720), मध्य प्रदेश (2,607), पश्चिम बंगाल (2,570), ओडिशा (2,406), गुजरात (2,049), राजस्थान (1,951), तमिलनाडु (1,443), हरियाणा (1,116), तेलंगाना (1,067), दिल्ली (996), झारखंड (855), कर्नाटक (560), असम (348) आदि राज्यों का स्थान है, जबकि शेष 12 राज्यों में 954 लोग मौत के शिकार हुए।महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस साल भीषण गर्मी ने राज्य में 25 लोगों की जान ले ली है। ये ग्रीष्म लहरें बहुत अधिक हानिकारक हैं। इसके मुख्य प्रभाव निम्नलिखित हैं - 1.मानव मृत्यु दरः बढ़ते तापमान, जन जागरूकता कार्यक्रमों की कमी और अपर्याप्त दीर्घकालिक शमन उपायों के कारण ग्रीष्म लहरों से मृत्यु की स्थिति बनती है।टाटा सेंटर फॉर डेवलपमेंट और शिकागो विश्वविद्यालय की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2100 तक जलवायु परिवर्तन से प्रेरित अत्यधिक ताप के कारण सालाना5 मिलियन से अधिक लोगों के मरने की संभावना होगी।बढ़ी हुई गर्मी से मधुमेह और परिसंचरण एवं श्वसन संबंधी रोगों के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि होगी। 2.अर्थव्यवस्था पर प्रभावः ग्रीष्म लहरों की लगातार घटनाएँ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। उदाहरण के लिये, कार्य दिवसों के नुकसान के कारण गरीब और सीमांत किसानों की आजीविका नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है। ग्रीष्म लहरों का इन श्रमिकों की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।वर्ष 2019 की क्छड रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 1995 में ह्यहीट स्ट्रेसह्न (ाँ३ २३१ी२२) के कारण लगभग3% कार्य घंटे गंवाए थे और वर्ष 2030 में इससे 5.8% कार्य घंटे गंवा देने की संभावना है।रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2030 में हीट स्ट्रेस के कारण कृषि और निर्माण क्षेत्र दोनों में से प्रत्येक में 4% कार्य घंटों का नुकसान हो सकता है। 3.फसल की क्षति और खाद्य असुरक्षाः अत्यधिक गर्मी और सूखे की घटनाओं से फसल उत्पादन का नुकसान हो रहा है और वृक्ष सूख रहे हैं।चरम गर्मी से प्रेरित श्रम उत्पादकता हानि से खाद्य उत्पादन को अचानक लगने वाले झटके से स्वास्थ्य एवं खाद्य उत्पादन के लिये जोखिम और अधिक गंभीर हो जाएँगे।ये परस्पर प्रभाव खाद्य कीमतों में वृद्धि करेंगे, घरेलू आय को कम कर देंगे और विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कुपोषण और जलवायु संबंधी मौतों को बढ़ावा देंगे। 4.श्रमिकों पर प्रभावः वर्ष 2030 में कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों से संलग्न श्रमिक गंभीर रूप से प्रभावित होंगे क्योंकि भारत की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिये इन क्षेत्रों पर निर्भर है।भारत के लिये इस पर विचार करना भी उचित होगा कि अनिश्चित श्रम बाजार स्थिति वाले देशों और क्षेत्रों को इस तरह की चरम गर्मी के साथ उच्च उत्पादकता हानियों का सामना करना पड़ सकता है।समग्र रूप से भारत में हीट स्ट्रेस के कारण वर्ष 2030 में लगभग 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों का नुकसान हो सकता है। 5.कमजोर वर्गों पर विशेष प्रभावः जलवायु विज्ञान समुदाय ने वृहत साक्ष्यों के साथ दावा किया है कि ग्रीनहाउस गैसों और एरोसोल के उत्सर्जन में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय कटौती नहीं की जाएगी तो ग्रीष्म लहर जैसी चरम घटनाओं के भविष्य में और अधिक तीव्र, आवर्ती और दीर्घावधिक होने की ही संभावना है।यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि भारत में ग्रीष्म लहर की घटनाओं में हजारों कमजोर और गरीब लोगों को प्रभावित करने की क्षमता है, जबकि जलवायु संकट में उन्होंने सबसे कम योगदान किया है।ग्रीष्म लहर प्रभाव शमन रणनीति के मामले में भारत की स्थितिऐसी आपदाओं से निपटने के लिये वर्ष 2015 से पहले कोई राष्ट्रस्तरीय ह्यहीटवेव एक्शन प्लानह्न मौजूद नहीं था।क्षेत्रीय स्तर पर अहमदाबाद नगर निगम ने वर्ष 2010 में विनाशकारी ग्रीष्म लहरों से हुई मौतों के बाद वर्ष 2013 में पहला हीट एक्शन प्लान तैयार किया था।वर्ष 2016 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ठऊटअ) ने ग्रीष्म लहरों के प्रभाव को कम करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख रणनीति तैयार करने के लिये व्यापक दिशानिर्देश जारी किये थे।हालाँकि चरम मौसम संबंधी आघातों के शमन और उनके प्रति अनुकूलन के लिये कुछ निवारक उपाय किये गए हैं, लेकिन इस तरह की पहलें ग्रीष्म लहरों से लोगों की मौतों को रोकने के लिये अपर्याप्त ही साबित हुई हैं क्योंकि निवारक उपायों, शमन और तैयारी कार्यों को लागू करना जटिल बना हुआ है। ग्रीष्म लहरों के प्रभावों को कम करने के लिये हमें दीर्घकालिक रणनीतियाँ अपनाने की आवश्यकता है-1. हीटवेव एक्शन प्लान : ग्रीष्म लहरों के प्रतिकूल प्रभाव से संकेत मिलता है कि ह्यहीटवेव जोनह्न में ग्रीष्म लहरों के प्रभाव को कम करने हेतु प्रभावी आपदा अनुकूलन रणनीतियों और अधिक सुदृढ़ आपदा प्रबंधन नीतियों की आवश्यकता है।चूँकि ग्रीष्म लहरों के कारण होने वाली मौतों को रोका जा सकता है, इसलिये सरकार को मानव जीवन, पशुधन और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिये दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने को प्राथमिकता देनी चाहिये।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर

- डॉ. अशोक कुमार भार्गव

भारतीय चिंतन परम्परा में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर का चिंतन सामाजिक जड़ता, अराजकता, जन्म के आधार पर भेदभाव, साम्प्रदायिकता, अस्पृश्यता और उंच-नीच जैसी अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ शंखनाद है। वे ऐसे आदर्श मानवीय समाज की परिकल्पना करते हैं जहां सामाजिक समरसता पर आधारित मानवीय धर्म की प्रतिष्ठा हो। कहा जाता है कि काशी में लहरतारा तालाब पर नीरू तथा नीमा नामक जुलाहा दंपति को एक नवजात शिशु अनाथ रूप में प्राप्त हुआ। इन दोनों ने बालक का पालन पोषण किया जो संत कबीर के नाम से विख्यात हुए। निम्न और वंचित समझी जाने वाली जुलाहा जाति में पलकर भी तत्कालीन धर्म के दिग्गज पंडितों, मौलवियों को एक ही साथ फटकार सकने में समर्थ कबीर ने मसी और कागद न छूकर तथा कलम हाथ में न पकड़ कर भी केवल अपने प्रामाणिक अनुभव के बल पर जो कुछ कहा उसे सुनकर बड़ी-बड़ी पोथियों के अध्येता भी चकित रह गए। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रणेता कबीर ने निराकार ब्रह्म के उपासक होकर भी अपने प्रियतम के वियोग में जो चिरंतन व्याकुलता प्रकट की वह किसी भी सगुणोपासक अथवा प्रेमोपासक की विकलता से कहीं अधिक मार्मिक तीव्र एवं गहन बन गई। संत कबीर का उद्भव जिन युगीन परिस्थितियों मे हुआ वे अत्यंत संकीर्ण, विषम और विसंगति पूर्ण थी। उत्तर भारत में मुस्लिम साम्राज्य अपनी जड़ें पूरी तरह जमा चुका था। तुर्क, अफगान, खिलजी, तुगलक, सैयद लोदी वंश अपने-अपने काल में इन जड़ों को और गहरा बनाने में कामयाब रहे। हिंदुओं के छोटे-छोटे राज्य भी अब समाप्त हो चुके थे। राजनीतिक दृष्टि से हिंदुओं में अब कोई शक्ति शेष नहीं थी। धार्मिक क्षेत्र में भी भेदभाव का साम्राज्य था। देश के पूर्वी भागों में वज्रयानी सिद्धों के तंत्र-मंत्रों का और पश्चिमी भाग में नाथ संप्रदाय के हठयोग का प्रभाव था। हिंदू धर्म वैष्णव, शैव और शाक्त संप्रदायों में विभक्त था और इन धर्म साधनाओं में परस्पर प्रबल विरोध और संघर्ष की स्थिति थी। हिंदुओं में मूर्ति पूजा प्रचलित थी। एकेश्वरवादी इस्लाम मूर्ति पूजा विरोधी था। इस्लाम के साथ सत्ता थी उनमें ऊंच, नीच का भेद नहीं था। कुछ वर्गों में सांप्रदायिक कट्टरता एवं संकीर्णता पनप रही थी। समाज में धर्मगत, जातिगत, वर्णगत संप्रदाय गत विषमताएं विकट थीं। फलस्वरूप समाज का निम्न और अछूत वर्ग शोषण, उत्पीड़न, उपेक्षा, अपमान और सामाजिक धार्मिक निर्योग्यताओं का शिकार होने से इनमें आक्रोश, असंतोष और विक्षोभ प्रबल हो रहा था। ऐसी विषम स्थिति में कबीर की क्रांत दर्शिता विभिन्न मतवादों को समन्वित कर सूप का स्वभाव लेकर उभरी जो किसी भी मत और संप्रदाय के थोथे तत्व को उड़ा सकने एवं उसके सार तत्व को ग्रहण कर सकने में समर्थ है। यही कारण है कि उनकी बानियां लोक मंगल की भावना से प्रेरित लोकमंगल की साधना को समर्पित है। कबीर का चिंतन आचरण शुद्धि, लोक कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव तथा दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन पर केंद्रित है। कबीर ने तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांडों, पाखंडों, जातिगत भेद-भावों अंधविश्वासों, बाह्यचारों और सामंती व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। हिंदू हो या मुसलमान पंडित हो या मौलवी सबको समान रूप से फटकार लगाई। कबीर ने मुसलमान की हिंसात्मक प्रवृत्ति की निंदा की। मूर्ति पूजा का खंडन किया। हिंदुओं को मुसलमान बनाने के विरुद्ध बगावत की।माला जपने, जप तप करने, व्रत रखने, रोजे रखने, मस्जिद में बांग लगाने आदि अनेक पाखंडों की आलोचना की। कबीर ने जाति-पांति पूछे नहि कोई। हरि को भजै सो हरि को होई कहकर समाज को एक नई दिशा दी। कबीर की कटु आलोचनाओं से समाज के ठेकेदारों के निहित स्वार्थ जब प्रभावित होने लगे तो इन्होंने बादशाह सिकंदर लोदी से शिकायत की। काजियों ने कहा कि कबीर लोगों को इस्लाम के विरुद्ध नसीहत देते हैं जिससे मुसलमान हिंदुओं की तरह ध्यान और भजन करने लगे हैं। पंडितों ने कहा कि कबीर परंपरा से चले आ रहे धार्मिक और सामाजिक नियमों का खंडन करते हैं। लोगों को ऐसे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं जिसे न हिंदू कहा जा सकता है न मुसलमान। बादशाह ने कबीर को ऐसा न करने का आदेश दिया। किंतु कबीर झुके नहीं और निर्भय होकर कहा कि पारस्परिक मतभेदों में समन्वय कर यदि जीवन को सार्थक बनाने योग्य समता मूलक सच्चे सिद्धांतों पर अमल किया जाए तो इसमें क्या दोष है? धर्म के ठेकेदारों को यह मंजूर नही था। बादशाह भी स्वयं मुसलमान था उसने तलवार के जोर से इस्लाम का प्रचार किया। इसलिए बादशाह ने कबीर को मृत्युदंड दिया। कबीर पंथियों का मत है कि लोदी ने अनेक प्रकार के उपायों से कबीर को मरवाने की कोशिश की किंतु किसी दैवी शक्ति या चमत्कार से कबीर का कुछ नहीं हुआ। अंततः कबीर के अलौकिक व्यक्तित्व के समक्ष सिकंदर लोदी नतमस्तक हुआ और कबीर को स्वतंत्रत कर दिया। एक बार कबीर को बादशाह को सलाम अदा करने के लिए कहा तब कबीर ने उत्तर दिया एक परमात्मा के सिवाए मालिके मखलूक और कोई नहीं । मैं उसी को सलाम करता हूं मिट्टी से बने किसी इंसान को नहीं। कबीर के इस प्रबल आत्मविश्वास और निर्भयता के पीछे उनके अनुभव की प्रामाणिकता, ईमानदारी, सच्चाई और नैतिकता कार्य कर रही थी। खरी-खरी सुनाने का अद्भुत साहस कोई खरी अनुभूति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। कबीर अशिक्षित थे सहज, सरल सबके लिए सुलभ थे। उन्होंने जिंदगी की पोथी को खुली आंखों से पढ़ा था। वे प्रेम के एक अक्षर को पढ़कर ही पंडित हो गए थे। उनकी भक्ति में ज्ञान योग और प्रेम का अद्भुत समन्वय है।

आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

- योगेश कुमार गोयल

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 22 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत 1455 सन 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया। संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, ह्यह्यमहाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है? संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है? उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे। वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

आज का राशिफल

मेष आपके लिए धन में वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार में शाम तक कोई डील फाइनल हो सकती है।

तुला दिन आपके लिए लाभकारक है। ऑफिस से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।

वृषभ आज का दिन सफलता से भरा होगा और आज आपको नई योजनाओं से लाभ मिलेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक लाभ होगा और आज भाग्य आपका साथ देगा। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन किसी क्रियेटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आपको सफलता मिलेगी और लाभ होगा।

धनु दिन सफलता से भरा होगा। आज के दिन हर मामले में सावधानी और सतर्कता रखें।

कर्क आज का दिन काफी सृजनात्मक है और हर कार्य में मनचाहा फल मिलेगा।

मकर आज लाभ का दिन है। साझे में किए जाने वाले कार्य में आपको किस्मत का साथ मिलेगा।

सिंह आज का दिन करियर के मामले में व्यस्तता से भरा होगा। आज आपका मन धार्मिक कार्य में लगेगा।

कुंभ सफलता प्राप्त होगी। सेहत के प्रति सावधानी रखें और अपने काम पर फोकस करें।

कन्या आज का दिन सावधानी से बिताने का है। आपसी वार्ता और व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें।

मीन आज का दिन लाभकारक होगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा।

विशेष

चुनाव खत्म होने के बाद केजरीवाल को मिली जमानत

लोकसभा चुनाव खत्म होने और नई सरकार गठन के बाद, आखिरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की विशेष न्यायालय ने नियमित जमानत दे दी है। अवकाश कालीन न्यायालय द्वारा यह जमानत दी गई है। नियमित जज अवकाश के बाद जब अदालत में आएंगे। वह जमानत की शर्तों के बारे में फैसला करेंगे। अरविंद केजरीवाल की जमानत को लेकर चुनाव के पहले और चुनाव के बाद जिस तरह की स्थिति देखने को मिली है। सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट सब जगह गुहार लगाई,जमानत आखिरकार ट्रायल कोर्ट से ही मंजूर हुई। अब यदि कोई विघ्न बाधा नहीं आई तो वह अपने ही राज्य की तिहाड़ जेल से बाहर आ जाएंगे।

राज्यों की हालत में होगा सुधार

भारत का संविधान संघवाद पर आधारित है। केंद्र में जब-जब स्पष्ट बहुमत की सरकार आती है। राज्यों के अधिकार कमजोर पड़ने लगते हैं। केंद्र की सत्ता में जब भारी बहुमत से कोई प्रधानमंत्री बनता है। उस स्थिति में राज्यों के हित प्रभावित होते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में जब उनकी पार्टी को स्पष्ट बहुमत मे थी। उनकी लोकप्रियता थी। उस समय भी आपातकाल जैसी घटना घटी। राज्य की सरकारों को अस्थिर किया गया था। 2014 से 2024 के बीच केंद्र में विपक्ष बहुत कमजोर था। जिसके कारण केंद्र सरकार की मनमानी बढी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1555: सरहिंद में सिकंदर सूरी पर जीत के बाद हुमायूं ने अकबर को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया. 1875: वाटरलू में हार के बाद नेपोलियन ने गद्दी छोड़ी. 1927: जेम्स क्रेग उत्तरी आयरलैंड के प्रथम प्रधानमंत्री बने. 1940: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग होने के बाद सुभाषचंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लाक की स्थापना की. 1941: हिटलर द्वारा रूस पर आक्रमण. 1948: ब्रिटिश नरेश ने भारत के सम्राट की पदवी छोड़ दी. 1962: एयर फ्रांस बोइंग 707 जेट इवाडेलूप, विस्कांसित में तूफान में फंसकर नष्ट, 43 लोगों की मृत्यु. 1972: आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने उत्तरी आयरलैंड संघर्ष में सैशर्ते युद्ध विराम की घोषणा की. 1983: ब्रिटिश युद्धपोत विक्टोरिया कैम्पर डाऊन से टकराने के बाद भूमध्यसागर में 359 व्यक्तियों सहित डूब गया. 1986: इंदिरा गांधी की हत्या के आरोप में सतवन्त सिंह, हरसिंह और बलवीर सिंह को फांसी की सजा.

दैनिक पंचांग

22 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	07.03 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	09.19 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.31 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.42 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.56 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	18.12 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.18 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	22.04 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	23.37 बजे से
राहुकाल		मेष	01.07 बजे से
9.00 से 10.30		वृष	02.48 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.46 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 174 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 06.38 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 05.14 बजे प्रात: को समाप्त।
नक्षत्र मूल 17.54 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 16.45 बजे को समाप्त। **करण** बव 06.38 बजे, बालव 17.59 बजे तदनन्तर कौलव 05.14 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 15.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872018
जूलियन दिन 2460483.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज **तारीख** 15
विशेष ज्येष्ठ पूर्णिमा, कबीरदास जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हिन्दू धर्म में क्यों की जाती है वृक्ष की पूजा

एकेश्वरवादी धर्म के लोगों को लिए यह बात बड़ी अजीब लगती है कि हिन्दू धर्म के लोग वृक्ष की पूजा क्यों करते हैं जबकि वह कोई ईश्वर या भगवान नहीं है? दरअसल, हिन्दुइज्म यह मानता है कि इस ब्रह्मांड में सभी कुछ परमात्मा का ही अंश है और सभी एक दूसरे से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं।

पीपल और बरगद

वृक्ष की पूजा या प्रकृति की पूजा करने के पीछे साइंटिफिक रीजन भी है। जैसे कि हिन्दू धर्म में बरगद और पीपल के पेड़ की पूजा का प्रचलन है। हम सभी जानते हैं कि यह वृक्ष 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल और बरगद के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण ही इन्हें 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। यानी की हमारे ऋषि मुनि कहीं न कहीं इस वृक्ष के महत्व को समझते थे। अक्सर आपने देखा होगा की पीपल और वट वृक्ष की परिक्रमा का विधान है। इनकी पूजा के भी कई कारण है। स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है।

तुलसी और आंवला

इसी तरह यदि हम औषधीय पौधों की बात करें तो तुलसी और आंवला की भी पूजा होती है। कोविड 19 के समय जब विटमिन सी को अच्छे से लेने की सलाह दी गई तब हम सब ने आमला का सेवन और शुरु कर दिया था। इसी तरह जब इम्यूनिटी को बूस्ट करने की बात की गई तो सभी ने तुलसी का रस पीना प्रारंभ कर दिया था। यह दोनों ही तरह के पौधे अत्यंत ही औषधीय गुणों से संपन्न है। यह कई तरह के रोगों को खत्म करने की क्षमता रखते हैं। आयुर्वेद में आमला को सूपरफूड कहा गया है और तुलसी को अमृत माना है।

इस तरह से की जानी चाहिए लड्डू गोपाल की सेवा वरना मिलते हैं बुरे परिणाम

लगभग सभी घरों में लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है। शास्त्रों में कहा गया है कि लड्डू गोपाल की सेवा करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। इसलिए घर में लड्डू गोपाल की मूर्ति रखनी चाहिए, साथ ही उनकी सेवा एक बच्चे की तरह करनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आपने भी अपने घर में लड्डू गोपाल को विराजित किया है, तो आपको कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। पूजा घर में जहां आपने लड्डू गोपाल को बैठाया हुआ है, वहां कुछ चीजें नहीं रखना चाहिए। आइए, जानते हैं कि वे चीजें कौन-सी हैं।

खंडित मूर्तियां न रखें

वास्तु के अनुसार, घर में टूटी हुई मूर्तियां रखना अशुभ माना जाता है। जिस स्थान पर लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस स्थान पर खंडित मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी मूर्तियों के घर में होने से नकारात्मक ऊर्जा आती है। ऐसा करने से लड्डू गोपाल की सेना की कृपा भी आपको नहीं मिलती है।

गंदे कपड़े न रखें

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि जिस कमरे के पूजा घर में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उस कमरे में गंदे वस्त्र नहीं होने चाहिए। ऐसा करने नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है। घर में दुर्भाग्य प्रवेश करता है।

इतनी देर तक रखें भोग

अगर आप घर पर भी लड्डू गोपाल को भोग लगाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि 10 मिनट के अंदर ही भोग को वहां से हटा लें। ऐसा माना जाता है कि भोग लगाने के बाद वह झूठा हो जाता है। ऐसे में जूठी थाली लंबे समय तक वहां न रखें।

सजावटी वस्तुएं

घर के जिस कमरे में लड्डू गोपाल विराजित हैं, उसमें कभी भी सजावटी वस्तुएं न रखनी चाहिए। लड्डू गोपाल के कमरे को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।

न रखें कोई पत्थर या रत्न

कई लोग अपने घर में कोई न कोई चमत्कारी पत्थर या राशि रत्न आदि रखते हैं। लेकिन इन चीजों को लड्डू गोपाल के आसपास रखने से बचना चाहिए। जिस कमरे में लड्डू गोपाल स्वयं बैठते हैं, उस कमरे का वातावरण सुखद और सकारात्मकता हो जाता है।

घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए शनिदेव की मूर्ति

हर घर के मंदिर में अलग-अलग देवी-देवताओं की मूर्तियां रखी होती हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में माना जाता है कि घर के मंदिर में कुछ देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखनी चाहिए। इन मूर्तियों के रखे होने से नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि घर के मंदिर में किन देवी-देवताओं की मूर्तियां या तस्वीरें नहीं रखना चाहिए।

शनिदेव की मूर्ति

हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। शनिदेव की पूजा की जाती है, लेकिन घर के मंदिर में उनकी तस्वीर या मूर्ति रखना वर्जित होता है। उन्हें एक उग्र देव माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा घर की बजाय किसी मंदिर में जाकर करना शुभ मना होता है।

मां काली की मूर्ति

शनिदेव की तरह ही घर के मंदिर में मां काली की मूर्ति और तस्वीर रखना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इन्हें भी उग्र देवताओं में शामिल किया जाता है। इनकी पूजा घर में नहीं करनी चाहिए। मां काली की पूजा के नियम भी बहुत कठिन हैं और घर पर ऐसा करना उचित नहीं माना जाता है।

नटराज की मूर्ति

कई लोगों के घर में नटराज की मूर्ति रखी होती है, लेकिन नटराज असल में भगवान शिव का रौद्र रूप माने जाते हैं। ऐसे में घर के मंदिर में नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में कलह बनी रहती है।

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की मूर्ति

देवी-देवताओं की मूर्तियां भी विभिन्न मुद्राओं में पाई जाती हैं। लेकिन ध्यान रखें कि घर में हमेशा भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की बैठी हुई मूर्ति ही लानी चाहिए। मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियां खड़ी या किसी अन्य स्थिति में रखना शुभ नहीं माना जाता है।

शिव की शक्ति का प्रतीक माना जाता है त्रिशूल

भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इतना ही नहीं, विशेष लाभ भी प्राप्त होते हैं। विधि-विधान और सच्चे मन से शिव जी पूजा की जाए, तो समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कई बार मन में सवाल आता है कि भगवान शिव के साथ त्रिशूल क्यों रखा जाता है और त्रिशूल की उत्पत्ति कैसे हुई थी, आज हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे हुई थी त्रिशूल की उत्पत्ति

कहा जाता है कि त्रिशूल भगवान शिव की शक्ति का प्रतीक होता है। बुरी शक्तियों के विनाशक के रूप में त्रिशूल हमेशा शिव जी से जुड़ा रहता है। समुद्र मंथन के दौरान शिव जी को भगवान विष्णु से त्रिशूल उपहार के रूप में मिला था। वहीं, कुछ पौराणिक कथा में यह भी कहा गया है कि शिव जी को देवी दुर्गा से त्रिशूल प्राप्त हुआ था। उन्होंने इसका इस्तेमाल राक्षस महिषासुर के खिलाफ लड़ाई में किया था। शिव पुराण में कहा गया है कि संपूर्ण ब्रह्मांड की शुरुआत में भगवान शिव ब्रह्मनाद से प्रकट हुए थे। उनके साथ तीन गुण भी प्रकट हुए, रज, तम और सत गुण, इन तीन गुणों से मिलकर शिव शूल का निर्माण हुआ, जिससे त्रिशूल बना।

प्रचलित कथाओं के अनुसार, एक बार मंगल ग्रह ने भगवान शिव की घोर तपस्या की, जिससे भोलेनाथ अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने भगवान शिव से हमेशा उनके साथ रहने का वरदान मांगा, उन्होंने ग्रहों के चक्र से दूर रहने के लिए कहा। भगवान शिव ने कहा कि वे ग्रहों के चक्र से दूर हैं, ऐसे में किसी भी ग्रह को अपने साथ नहीं रख सकते। मना करने के बाद, मंगल ने शिव जी के पास रहने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि वे अपने किसी प्रतीक के साथ मेरे किसी प्रतीक को जोड़ लें। भगवान शंकर औघड़दानी कहे जाते हैं, इसीलिए उन्होंने अपने त्रिशूल पर हमेशा के लिए लाल रंग का कपड़ा बांध लिया था। तभी से यह सनातन धर्म की एक महत्वपूर्ण प्रथा बन गई, जिसका पालन आज भी किया जाता है।

इन सजावटी वस्तुओं या कलाकृतियों को घर में रखने से होगा नुकसान

आजकल घर में भारतीय संस्कृति के अनुसार परंपरागत सजावट नहीं की जाती है। पाश्चात्य संस्कृति के चलते कई तरह की नकली सजावट का भी प्रचलन बढ़ गया है। ऐसे में जानिए कि वास्तुशास्त्र के अनुसार कौन सी सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां नुकसान पहुंचा सकती है।

चित्र

घर में ताजमहल, जंगली वह हिंसक जानवर, रोते हुए बच्चे, नंगे बच्चे, युद्ध के दृश्य, कटे पेड़ या ठूंठ आदि के चित्र न लगाएं। इसके अलावा अभिनेता या अभिनेत्रियों के चित्र, बाइक, कार, मॉडल या अपने गुरु का बड़ा-सा चित्र भी न लगाएं।

पुरानी टूटी वस्तुएं

कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। वास्तु के अनुसार जब घर में नकारात्मक ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

नकारात्मक पेंटिंग

बहुत से घरों में देखा गया है कि जहां ऐसी पेंटिंग लगी होती है जिसमें क्या है यह कोई नहीं जानता या उसमें खंडहर, सूखे ठूंठ, मानवरहित उजाड़ शहर, बिखरा हुआ घर या सूखा बंजर पहाड़ नजर आता है। ऐसी पेंटिंग नकारात्मकता फैलाती है।

कलाकृतियां

आजकल कलाकृतियों के नाम पर कुछ ऐसी वस्तुएं घर में होती है जिसमें सूखे ठूंठ, प्लास्टिक के नकली पेड़ या कोई ऐसी कलाकृति जिसे अश्लीलता झलकी हो। यह सभी मृतप्राय: सजावटी कलाकृतियां जो मानी तो जाती हैं कलात्मक लेकिन वास्तु शास्त्र अनुसार ये सभी नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती हैं।

कांटेदार पौधे

कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं अत: घर में कांटेदार पेड़-पौधे न लगाएं, इससे पारिवारिक संबंधों में भी कांटों-की-सी चुभन पैदा होने लगती है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीओ में बढ़ रही धांधली पर लगेगी रोक, सेबी ने दिए निगरानी बढ़ाने के निर्देश

नईदिल्ली, एजेंसी। सेबी ने आईपीओ में बढ़ रही धांधली पर रोक लगाने के लिए कमर कस ली है। इसके लिए नियामक ने स्टॉक एक्सचेंजों को प्री-ओपन कॉल नीलामी सत्र में दुरुपयोग रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है।

आईपीओ शेयरों के कारोबार में लगातार धांधली बढ़ रही है। इस बढ़ती धांधली पर अब रोक लगाई जाएगी। इसके लिए सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को प्री-ओपन कॉल नीलामी सत्र में दुरुपयोग रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है। आईपीओ शेयरों के कारोबार में बढ़ती धांधली पर रोक लगाई जाएगी। इसको रोकने के लिए सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को प्री-ओपन कॉल नीलामी सत्र के दुरुपयोग रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। जारी निर्देश के तहत आईपीओ के शेयरों का पहले दिन का कारोबार सत्र सुबह नौ से 10 बजे तक होगा।

इसमें 45 मिनट ऑर्डर एंट्री, बदलाव और रद्दीकरण के लिए होगा। 10 मिनट ऑर्डर मिलान और व्यापार पुष्टिकरण के होंगे। 5 मिनट प्री-ओपन से सामान्य सत्र में जाने के लिए होगा। बता दें कि सेबी ने हाल में अपनी जांच के दौरान पाया कि कुछ आईपीओ शेयरों के लिए प्री-ओपन सत्र में कॉल नीलामी के दौरान बड़ी मात्रा में ज्यादा भाव पर ऑर्डर दिए गए थे। इससे शेयरों की कीमतों में हेरफेर कर आम निवेशकों को चूना लगाया जाता था। वहीं दूसरी ओर सेबी ने सूचीबद्ध निवेश कंपनियों और निवेश होल्डिंग कंपनियों के शेयरों के लिए मूल्य दायरा को खत्म कर दिया है। इसे अक्तूबर में शुरू किया जा सकता है।

दिन में ही 43 प्रतिशत चढ़ गया छोटकू शेयर, क्वांट एमएफ ने खरीदे कंपनी के 120000 शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को तूफानी तेजी आई है। ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया के शेयर शुक्रवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 19 पर्सेंट की तेजी के साथ 558 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेजी क्वांट म्यूचुअल फंड के दांव के बाद आई है। क्वांट म्यूचुअल फंड ने ओपन मार्केट के जरिए ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया में 1 पर्सेंट से कम हिस्सेदारी खरीदी है। क्वांट म्यूचुअल फंड ने 20 जून को ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया के शेयर 453.57 रुपये प्रति शेयर के दाम पर खरीदे हैं।

ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया लिमिटेड के शेयरों में पिछले 2 दिन में 43 पर्सेंट की तेजी आई है। क्वांट म्यूचुअल फंड ने गुरुवार को ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया के 120000 शेयर या 0.52 पर्सेंट हिस्सेदारी खरीदी है। क्वांट म्यूचुअल फंड ने यह हिस्सेदारी 5.44 करोड़ रुपये में खरीदी है। ह्यूबैक कलरैंट्स इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 654.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 300 रुपये है।

1 लाख रुपये के बना दिए 10 लाख से ज्यादा, 2 साल में सरकारी शेयरों ने किया मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनियों के शेयरों ने पिछले कुछ साल में गजब का रिटर्न दिया है। सरकारी कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशक मालामाल हो गए हैं। सरकारी कंपनियों में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, कोचीन शिपयार्ड और रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों ने पिछले 2 साल में 1500 पर्सेंट तक का रिटर्न दिया है। इन कंपनियों के शेयरों ने पिछले 2 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 10 लाख रुपये से ज्यादा बना दिया है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में पिछले 2 साल में 1500 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। सरकारी कंपनी के शेयर 24 जून 2022 को 245.20 रुपये पर थे। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयर 21 जून 2024 को 4017.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 24 जून 2022 को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 16.38 लाख रुपये होती।

अंबानी, अडानी, टाटा... एक बिहारी सब पर भारी, अनिल अग्रवाल की वेदांता ने कमाई में सबको पीछे छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता ग्रुप ने इस साल कमाई के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा ग्रुप और टाटा ग्रुप को पीछे छोड़ दिया है। ग्रुप की कंपनियों में वेदांता लिमिटेड और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड शामिल हैं। चालू फाइनेंशियल ईयर में वेदांता ग्रुप के निवेशकों की वेल्थ में काफी इजाफा हुआ है। इस दौरान दोनों कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप 2.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 28 मार्च से 20 जून के बीच वेदांता समूह के कुल बाजार पूंजीकरण में 2.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा ग्रुप और टाटा ग्रुप जैसे देश के प्रमुख औद्योगिक घरानों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। मेटल किंग के नाम से मशहूर अनिल अग्रवाल की जन्म पटना में एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, वेदांता लिमिटेड और हिंदुस्तान जिंक के शेयरों के भाव अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर से लगभग दोगुने हो गए हैं। इस दौरान गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी ग्रुप और महिंद्रा ग्रुप के मार्केट कैप में 1.4 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गई। इसी तरह देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप का बाजार पूंजीकरण 60,600 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ा जबकि एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्यांकन में 20,656.14 करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई।

वेदांता का प्रदर्शन- वेदांता ने वित्त वर्ष 2023-24 में 30 प्रतिशत के एबिटा मार्जिन के साथ 1,41,793 करोड़ रुपये का अपना दूसरा सर्वाधिक राजस्व और 36,455 करोड़ रुपये का एबिटा अर्जित किया था। वेदांता ग्रुप ने निकट भविष्य में 10 अरब डॉलर की एबिटा आय के लिए एक रणनीतिक खाका तैयार किया है जिसमें जिंक, एल्युमीनियम, तेल एवं गैस और बिजली कारोबार सहित 50 से अधिक वृद्धि परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन शामिल है। वेदांता ग्रुप में एफआईआई की हिस्सेदारी मार्च तिमाही के अंत में बढ़कर 8.77 प्रतिशत हो गई जबकि दिसंबर तिमाही में यह 7.74 प्रतिशत थी। 22 मई को वेदांता और हिंदुस्तान जिंक के शेयर ऑल-टाइम हाई पर पहुंचे थे। गुरुवार को वेदांता का शेयर 4.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 470.25 रुपये और हिंदुस्तान जिंक 2.29 प्रतिशत चढ़कर 647.65 रुपये पर पहुंच गया।

अनिल अग्रवाल का सफर- अनिल अग्रवाल ने 20 साल की उम्र में ही बिहार छोड़ दिया था और खाली हाथ मुंबई आ गए थे। उनके पास उस समय केवल एक टिफिन बॉक्स था। मुंबई आकर उन्होंने जमकर मेहनत की। साल 1970 में उन्होंने कबाड़ के धंधे से अपने कारोबारी करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपनी पहली कंपनी की स्थापना की, जिससे उन्हें अच्छी-खासी कमाई हुई। साल 1976 में अग्रवाल ने शमशेर स्टर्लिंग केबल कंपनी को खरीदा। लेकिन बाद में धंधा नहीं चला तो उनके पास कर्मचारियों को सैलरी देने तक के पैसे नहीं बचे। इसके बाद अनिल अग्रवाल ने 9 अलग-अलग बिजनस शुरू किये, लेकिन सभी फेल हो गए। उन्होंने अपने शुरुआती 20-30 साल संघर्ष में बिताए। कैंब्रिज में अपने एक संबोधन में अग्रवाल ने बताया था कि वह कई साल तक डिप्रेशन में रहे थे। वे लगातार कोशिश करते रहे लेकिन सफलता नहीं मिली।

इसके बाद साल 1986 में भारत सरकार ने टेलीफोन केबल बनाने के लिए प्राइवेट सेक्टर को मंजूरी दे दी। इससे पहले 1980 में अग्रवाल ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज को खरीद लिया था। इसके बाद साल 1990 में अग्रवाल ने कॉपर रिफाइंड का काम शुरू किया। स्टरलाइट इंडस्ट्रीज देश की पहली ऐसी प्राइवेट कंपनी थी, जो कॉपर रिफाइन करने का काम करती थी। इसके बाद अग्रवाल लगातार सफलता की नई कहानी लिखते चले गए। वेदांता रिसोर्सेज एक नेचुरल रिसोर्सेज कंपनी है जिसकी दुनियाभर में मौजूदगी है। यह मिनरल्स, ऑयल एंड गैस को निकालती है और प्रोसेस करती है। कंपनी के करीब 64 हजार कर्मचारी और कॉन्ट्रैक्टर्स हैं। मुख्य रूप से यह कंपनी भारत, अफ्रिका, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया में है। दुनियाभर में कंपनी के प्रोडक्ट्स बिकते हैं।

व्हिस्की, ब्रांडी, वोदका, रम... दुनिया को लगा भारतीय शराब का चस्का, बाजार में आते ही मच रही लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की शराब का नशा दुनिया के सिर चढ़कर बोल रहा है। ड्रिंक्स इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहे 30 स्पिरिट ब्रांड्स में से एक तिहाई भारतीय हैं। इतना ही नहीं टॉप दस व्हिस्की ब्रांड्स में से छह भारत के हैं। भारत के कुल शराब मार्केट में दो-तिहाई के बराबर हिस्सेदारी व्हिस्की की है। व्हिस्की के साथ-साथ भारत के ब्रांडी, वोदका और रम ब्रांड्स को भी काफी पसंद किया जा रहा है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और अगले पांच साल में 10 करोड़ लोग शराब पीने की लीगल एज में पहुंच जाएंगे। यही वजह है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी शराब कंपनियां भारत पर फोकस कर रही हैं।

%मिलियनेयर्स क्लब% की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक ऐसे वर्ष में जब भारत आबादी के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा देश बन गया, इसने खुद को स्पिरिट्स की दुनिया में एक अग्रणी देश के रूप में भी स्थापित कर लिया। एक्साइज से जुड़े कुछ मुद्दे अब भी हैं जिनके कारण यहां बिजनस मुश्किल है। लेकिन यह बात साल-दर-साल सच होती जा रही है कि यदि आप भारतीय बाजार को समझ पाए, तो संभावनाएं लगभग असीमित हैं। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स की आइकोनिक व्हाइट व्हिस्की ने 2023 में 1.6 मिलियन केस बेचे और 1500 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ टॉप पर रही। लेकिन व्हिस्की ही नहीं है ब्रांडी, रम और वोदका ब्रांड भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। तिलकनगर इंडस्ट्रीज की कूरियर नेपोलियन और मैन्शन हाउस ब्रांडी, रेडिको खेतान की ब्रांडी मॉर्फियस, वोदका ब्रांड मैजिक मोमेंट्स और रम 1965 का प्रदर्शन शानदार रहा। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय ग्राहक डाइवर्सिफाई हो रहे हैं।

भारतीय व्हिस्की का जलवा

तेजी से उभर रहे 10 ब्रांड्स में से छह में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी गई। आइकोनिक बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का 1,500 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 जून को खुल रहा है। तिलकनगर इंडस्ट्रीज के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अहमद रहीमतुला ने कहा कि खासकर ब्रांडी कैटगरी में इनोवेशन और प्रीमियमीकरण की दिशा में हमारे प्रयासों को सफलता मिली है। हमारे ब्रांड हर साल मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज कर रहे हैं और हमें इसमें और तेजी आने का भरोसा है। यूनाइटेड स्पिरिट्स के मैकडॉवेल ने 2023 में सिर्फ 1.9 प्रतिशत ग्रोथ के बावजूद 31.4 मिलियन केस की बिक्री के साथ दुनिया के सबसे बड़े व्हिस्की ब्रांड का अपना टैग बरकरार रखा। वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया के शीर्ष 30 व्हिस्की ब्रांड्स में से तेरह भारतीय हैं। इनमें रॉयल स्टैग, इंपीरियल ब्लू और ब्लेंडर्स प्राइड शामिल हैं।

भीषण गर्मी में महंगाई की मार, दोगुने हुए फल और सब्जियों के दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी की मार अब फल-सब्जियों पर भी पड़ रही है। पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम दोगुना तक बढ़ गए हैं। दिल्ली की सबसे बड़ी सब्जी मंडी आजादपुर के व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण खेतों से सब्जियां मंडियों में नहीं पहुंच रही हैं। बढ़ते तापमान के कारण खेतों में सब्जियों की फसल बर्बाद भी हो रही है। जिससे मंडी में सब्जियों की आवक भी प्रभावित हुई है। वहीं भीषण गर्मी की वजह से मंडी में भी सब्जियां जल्दी खराब हो जा रही है।सब्जी व्यापारियों ने बताया कि सीजन की फसल जैसे टमाटर, लौकी, तोरई की फसल पर असर पड़ रहा है। बाजारों में 50 प्रतिशत तक इसके दाम बढ़ गए हैं। पिछले हफ्ते टमाटर का दाम 25 से 30 रुपये किलो था, अब वह 40 से 50 रुपये किलो तक पहुंच गया है। नींबू पहले 80 से 100 रुपये किलो के दाम में बिक रहे थे वह अब 160 रुपये किलो तक पहुंच गया है। ऐसा ही हाल फलों का भी है। सेब, आम, अनार, पपीता, तरबूज, खरबूजा, मौसमी, नारियल पानी जैसे फलों के रेट में 25 से 30 पर्सेंट तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। आजादपुर मंडी में थोक विक्रेता और वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन से अनिल मल्होत्रा ने बताया कि बारिश न होने की वजह से आजादपुर मंडी में पहुंची शिमला मिर्च का थोक भाव 100 रुपये किलो पहुंच गया है।

19 से 400 रुपये के पार पहुंचा रेल विकास निगम का शेयर, 2000 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 7 पर्सेंट की तेजी के साथ 417.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। रेल कंपनी के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई के बिल्कुल करीब हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर पिछले 4 साल में 19 रुपये से बढ़कर 400 रुपये के पार पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 424.95 रुपये है। वहीं, रेल विकास निगम के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 117.35 रुपये है।

4 साल में 19 रुपये से 400 के पार पहुंचे कंपनी के शेयर- रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में पिछले 4 साल में जबरदस्त तेजी आई है। रेल कंपनी के शेयर 26 जून 2020 को 19.45 रुपये पर थे। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर 21 जून 2024 को 417.40 रुपये पर पहुंच गए हैं।

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में पिछले 4 साल में 2000 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। अगर किसी व्यक्ति ने 26 जून 2020 को रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 21.46 लाख रुपये होती।

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक साल में 235 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 21 जून 2023 को 123.85 रुपये पर थे। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर 21 जून 2024 को 417.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में 133 पर्सेंट की तेजी आई है। रेल कंपनी के शेयर 21 दिसंबर 2023 को 177.30 रुपये पर थे, जो कि 21 जून 2024 को 417.40 रुपये पर पहुंच गए हैं।

आरबीआई गवर्नर का दावा: क्रेडिट कार्ड असुरक्षित लोन दर घटकर 23 प्रतिशत; कार्रवाई से बैंकिंग-वित्तीय क्षेत्र पर संकट टला

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई नहीं करने से बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में बड़ा संकट पैदा हो सकता था, जिसे हमने टाल दिया।दास ने बृहस्पतिवार को वित्तीय मजबूती पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, यस बैंक में गड़बड़ियों पर हम 2016 से ही निगरानी कर रहे थे।आखिरकार 2018 में इसे बेलआउट कर बैंकिंग क्षेत्र में संभावित बड़े संकट को टाल दिया। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर मुख्य मानदंड अच्छे दिख रहे हैं। लेकिन, कुछ ऋणदाताओं के बीच असुरक्षित कर्ज को बढ़ावा देने के लिए अंधी दौड़ में शामिल होने की मानसिकता के स्पष्ट सबूत हैं। अगर इन पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह एक बड़ी समस्या बन सकती हैं।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, इस तरह की गतिविधियों पर केंद्रीय बैंक की कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज में वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई है और इसका वांछित प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, क्रेडिट कार्ड श्रेणी में असुरक्षित कर्ज की वृद्धि की रफ्तार घटकर 23 फीसदी रह गई है। आरबीआई की कार्रवाई से पहले वृद्धि की यह रफ्तार 30 फीसदी थी।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को बैंक कर्ज देने की वृद्धि 29 फीसदी से घटकर 18 फीसदी रह गई है।

वित्तीय तंत्र अधिक मजबूत स्थिति में- दास ने कहा, तमाम चुनौतियों के बावजूद भारतीय वित्तीय तंत्र अब कोविड संकट के दौर में प्रवेश करने से पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। इसकी प्रमुख विशेषता मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का निम्न स्तर व बैंकों और गैर-बैंकिंग ऋणदाताओं की स्वस्थ लाभप्रदता है।

आरबीआई ने 16 नवंबर, 2023 को गैर-जमानती कर्ज व एनबीएफसी को दिए जाने वाले ऋण पर जोखिम भार बढ़ा दिया था। इससे बैंकों को ऐसी परिसंपत्तियों पर अधिक मात्रा में पूंजी रखनी होगी।

आरबीआई के मुताबिक, 2021 से 2023 के बीच असुरक्षित कर्ज का हिस्सा 30.91 फीसदी से बढ़कर 33.83 फीसदी पहुंच गया।

हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न से रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर; 38 नई कंपनियों को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 में रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर हो गए हैं। तब जब देश के फ्यूचर यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन बढ़कर 58 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। ये सालाना आधार पर 1.8 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि 38 नए स्टार्टअप (फ्यूचर यूनिकॉर्न) इस सूची में पहली बार शामिल हुए हैं।

एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 बृहस्पतिवार को जारी की गई। इसके मुताबिक फंडिंग विंटर, वित्तीय नियामकों की ओर से की गई कार्रवाई और उद्यमों की लाभप्रदता के प्रति पूर्वाग्रह की वजह से ये स्टार्टअप बाहर हुए हैं। 25 स्टार्टअप में पांच गजेल (50 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) और 20 चीता (20 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) भी शामिल हैं, जिनमें तीन से पांच साल में यूनिकॉर्न बनने की संभावना थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 की सूची में जो 38 नए स्टार्टअप शामिल हुए हैं, उनमें सात गजेल और 37 चीता शामिल हैं।

अभी देश में कुल 67 यूनिकॉर्न देश में यूनिकॉर्न और गजेल की संख्या में गिरावट आई है। हालांकि चीता की संख्या बढ़ी है। वर्तमान में भारत में कुल 67 यूनिकॉर्न है, जिनकी संख्या 2023 में 68 थी। गजेल की संख्या भी 2023 के 51 की तुलना में घटकर 46 रह गई है। हालांकि, चीता की संख्या 96 से बढ़कर 106 पहुंच गई है।

ये यूनिकॉर्न हुए बाहर- डुंजो, प्रैक्टो, रैपिडो, कोगोपोर्ट, नियोग्रोथ, सिंपल एनर्जी, गाना, कू, बिजोंगो, जों, जार, पार्क प्लस, पेपर बोट, जय किसान, डॉटपे, फैशिन्जा, आरजू, अवतार, सिरियनलैब्स, वेकूल, एक्सियो, मेलोरा, अल्ट्रा वॉयलेट, एमफाइन और रिन्यूबाय।

152 स्टार्टअप भविष्य में बन सकते हैं यूनिकॉर्न- 31 शहरों से 152 ऐसे स्टार्टअप पाए गए, जिनमें भविष्य में यूनिकॉर्न बनने की संभावना है। ये वित्तीय सेवा, बिजनेस मैनेजमेंट सॉल्यूशंस, शिक्षा और हेल्थकेयर क्षेत्र में काम करते हैं। अधिकांश स्टार्टअप की शुरुआत 2015 में हुई है। इनमें सिर्फ 18 ऐसे हैं, जो फिजिकल रूप से उत्पाद बेचते हैं।

विदेश में 35 यूनिकॉर्न के मुख्यालय- 35 भारतीय फ्यूचर यूनिकॉर्न के मुख्यालय विदेश में हैं। इनमें 31 के मुख्यालय अमेरिका में, दो सिंगापुर में और एक-एक यूके एवं वियतनाम में हैं।

प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को पहली छमाही में 4.1 अरब डॉलर फंडिंग- भारतीय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप ने 2024 की पहली छमाही में कुल 4.1 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। यह राशि 2023 की दूसरी छमाही में जुटाए गए 3.96 अरब डॉलर की तुलना में चार फीसदी अधिक है, जबकि पिछले साल की समान छमाही के 4.8 अरब डॉलर से 13 फीसदी कम है। ठ ट्रैक्सन की रिपोर्ट के मुताबिक, 4.1 अरब डॉलर के साथ भारत अब भी प्रौद्योगिकी स्टार्टअप परिदृश्य में दुनिया में चौथा सबसे अधिक फंडिंग पाने वाला देश बना हुआ है। ठ कुल फंडिंग पाने में अमेरिकी स्टार्टअप सबसे आगे रहे हैं। ब्रिटेन दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर है।

2000 टन गैर बासमती चावल अफ्रीकी देशों को निर्यात; एक साल में गेहूं के दाम दो फीसदी बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। दो अफ्रीकी देश मलावी और जिम्बाब्वे को दो हजार टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिए अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा, यह निर्यात राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के जरिये होगा। वहीं घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा है।

हालांकि अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलयेशिया, फिलीपीन और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है।

वहीं दूसरी ओर देश में पिछले एक साल में गेहूं की कीमतें दो फीसदी तक बढ़ी है। गेहूं की कीमतों में स्थिरता लेकर आने के लिए सरकार उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप करेगी।

इसके लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंत्रियों की समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के बाद सरकारी बयान के अनुसार उन्होंने अधिकारियों को गेहूं की कीमतों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है। बता दें कि इस समय गेहूं की औसत कीमत 30.99 रुपये है, जो कि एक साल पहले 28.95 रुपये प्रति किलो थी। वहीं आटे के दाम 34.29 रुपये से बढ़कर 36.13 रुपये हो गए है।

संक्षिप्त समाचार

चीन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी उद्योग की विकास रिपोर्ट जारी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के थ्येनचिन शहर में गुरुवार को विश्व स्मार्ट व्यवसाय मेला-2024 आयोजित हुआ। मेले में चीन की नई पीढ़ी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी उद्योग की वर्ष 2024 विकास रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब चीन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमों की संख्या चार हजार से अधिक हो चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता नए चरण की तकनीकी क्रांति और औद्योगिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति और रणनीतिक प्रौद्योगिकी बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने नवाचार पर निर्भर रहते हुए स्मार्ट चिप्स, बड़े मॉडल, बुनियादी ढांचा और ऑपरेटिंग सिस्टम, टूल चेन, डीप लर्निंग प्लेटफॉर्म और एप्लिकेशन प्रौद्योगिकी समेत कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी व्यवस्था, औद्योगिक नवाचार पारिस्थितिकी और उद्यम गठबंधन स्थापित किया है। औद्योगिक व्यवस्था को नया आकार देने और नवीन औद्योगीकरण को बढ़ाने में इसकी समर्थन की भूमिका दिख रही है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में चीन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कोर उद्योग का पैमाना 5 खरब 78 अरब 40 करोड़ युआन रहा, जिसकी वृद्धि दर 13.9 प्रतिशत है। योजना है कि वर्ष 2027 तक सालाना आय 2 करोड़ युआन से अधिक वाले राजकीय औद्योगिक उद्यमों में डिजिटल अनुसंधान और डिजाइन उपकरणों की प्रवेश दर 90 प्रतिशत से अधिक होगी।

ऑस्ट्रेलिया में सख्त नियंत्रण के बावजूद बर्ड फ्लू का प्रकोप बढ़ा, मारे जाएंगे 10 लाख पक्षी

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में मई में शुरू हुआ बर्ड फ्लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मेलबर्न के सातवें विक्टोरियन फार्म में वायरस का पता चलने के बाद देश इस वायरस के सबसे बड़े प्रकोप का सामना कर रहा है। यह प्रकोप मई में शुरू हुआ और सख्त नियंत्रण उपायों के बावजूद फैलता रहा। सभी प्रभावित फार्मों में या तो एच7एन3 या एच7एन9 स्ट्रेन हैं, जो अमेरिका में मवेशियों और पक्षियों को प्रभावित करने वाले एच5एन1 प्रकार के बर्ड फ्लू से अलग हैं। सातवें विक्टोरियन फार्म में बर्ड फ्लू का पता चलने के बाद 10 लाख से ज्यादा पक्षियों को मार दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू का सबसे बड़ा प्रकोप भयावह साबित हुआ है। विक्टोरियन अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 1 मिलियन यानि 10 लाख से अधिक पक्षियों को मारा जाएगा। दक्षिण-पश्चिम विक्टोरिया के सात फार्मों में एवियन इन्फ्लूएंजा के अत्यधिक रोगजनक उपभेद पाए गए हैं, जिससे सैकड़ों हज़ारों पक्षी प्रभावित हुए हैं। यह प्रकोप मई में मेरेडिथ के पास एक अंडा फार्म से शुरू हुआ था, और इस क्षेत्र में फैलता रहा है क्योंकि स्थानीय किसान ऑस्ट्रेलिया की कठोर वास्तविकता का सामना कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया को हथियार दे सकता है रूस - पुतिन

हनोई, एजेंसी। पश्चिमी देशों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को संकेत दिया कि जैसे अमेरिका और अन्य देश यूक्रेन को हथियार दे रहे हैं, उसी प्रकार उनका देश भी उत्तर कोरिया और दूसरे देशों को लंबी दूरी की मिसाइलें व अन्य हथियार दे सकता है। उत्तर कोरिया की यात्रा के बाद वियतनाम पहुंचे पुतिन ने मीडियाकर्मियों से कहा, हम उत्तर कोरिया सहित अन्य देशों को हथियार देने की संभावना से इनकार नहीं करते हैं। वह पश्चिमी देशों के विरोधियों को मिसाइल प्रदान करने के अपने बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। पुतिन ने कहा कि रूस भी पश्चिमी देशों की तरह अपने अधिकार को सुरक्षित रखना चाहता है। वह पश्चिमी देशों के विरोधियों को हथियार प्रदान करने के लिए स्वतंत्र है। नैतिक रूप से कोई अन्य देश इस पर उंगली नहीं उठा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि मास्को परमाणु हथियारों के उपयोग पर अपने सिद्धांत में संशोधन पर विचार कर रहा है, क्योंकि पश्चिम परमाणु सीमा को कम करने के लिए कम-क्षमता वाले हथियारों पर काम कर रहा है। पिछले सप्ताह यूक्रेन को पेश की गई शांति शर्तों के बारे में पूछे जाने पर, पुतिन ने कहा कि रूस हमेशा बातचीत के लिए तैयार रहा है, जबकि कीव और उसके पश्चिमी समर्थकों ने मिन्स्क प्रक्रिया और इस्तांबुल वार्ता दोनों को नष्ट कर दिया। रूसी राष्ट्रपति ने शांति वार्ता के लिए शर्तें रखी थीं, इसमें यूक्रेन द्वारा डोनबास और दो अन्य क्षेत्रों से अपने सैनिकों को हटाना और नाटो में शामिल न होने का आश्वासन देना शामिल था।

बच्चों की देखभाल और उवल भविष्य की कामना को समर्पित दिन

बीजिंग, एजेंसी। चाइना चिल्ड्रेन एंड टीनएजर्स फाउंडेशन ने 22 जून 2002 को रचनात्मक रूप से एक बड़े पैमाने पर सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चीन बाल चैरिटी दिवस प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य बच्चों के मुद्दों पर समाज का ध्यान आकर्षित करना और बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य कार्य का समर्थन करने के लिए धन जुटाना है। इस वर्ष का चीन बाल चैरिटी दिवस निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आ रहा है। इस दिन में चीन भर में बड़े शहरों से लेकर दूरदराज के गांवों तक विभिन्न प्रकार की चैरिटी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी और अनगिनत हृदयस्पर्शी कहानियां देखी जाएंगी।

सऊदी अरब में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, अब तक 1000 से अधिक हज यात्रियों की मौत

मक्का, एजेंसी। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच इस साल हज यात्रा के मरने वालों की संख्या 1000 के पार पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के मक्का में भीषण गर्मी के कारण इस साल हज के दौरान 1,000 से ज़्यादा तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है। मक्का में तापमान 49 डिग्री सेल्सियस (120 डिग्री फ़ारेनहाइट) तक पहुंच जाने के कारण हजारों लोगों को हीटस्ट्रोक का इलाज भी कराया जा रहा है। मरने वालों में आधे से ज़्यादा तीर्थयात्री अपंजीकृत थे। एक अरब राजनयिक के अनुसार, मिस्र से आए लगभग 658 तीर्थयात्री मारे गए हैं। इनमें से 630 अपंजीकृत तीर्थयात्री थे।

कई तीर्थयात्रियों के लापता होने की भी खबर है। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया नेटवर्क पर लापता लोगों की तस्वीरें और जानकारी के लिए अनुरोधों की बाढ़ आ गई है। सऊदी सरकार के अनुसार, इस साल हज में 1.8 मिलियन से अधिक लोग हिस्सा ले रहे हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक है। एहतियाती उपायों के तहत, हज अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों से छाते साथ रखने और हाइड्रेटेड रहने को कहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी सेना ने हीटस्ट्रोक पीड़ितों की देखभाल के लिए चिकित्सा इकाइयों के साथ 1,600 से अधिक कर्मियों और 30 त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को तैनात किया है। अन्य 5,000 स्वास्थ्य और प्राथमिक चिकित्सा स्वयंसेवकों को भी तैनात किया गया है। पिछले साल, केवल 240 तीर्थयात्रियों की मृत्यु की सूचना मिली थी, जिनमें से अधिकांश इंडोनेशियाई थे। सोमवार को, राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने मक्का में ग्रैंड मस्जिद में 51.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया। अध्ययनों से पता चला है कि इस क्षेत्र में तापमान हर दशक में 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है। सर्बिया में तो डॉक्टरों का कहना है कि हार्ट और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों की संख्या में 109 गुना का इजाफा हुआ है। यूरोप में भी गर्मी का खूब असर दिख रहा है। यहां गर्मी के चलते पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में करीब 8 करोड़ लोगों को अलर्ट जारी किया गया है। कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इसके अलावा पड़ोसी देश मेक्सिको में भी गर्मी से बुरा हाल है। न्यूयॉर्क में तो पहली बार कूलिंग सेंटर खोले जा रहे हैं ताकि लोगों को चिलचिलाती गर्मी से कुछ राहत दी जा सके। ऐरिजोना में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। आमतौर पर यहां इतना तापमान नहीं हुआ करता।

मेक्सिको, अमेरिका और यूरोप में गर्मी से मौतें : इस साल मेक्सिको में गर्मी से अब तक 125 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 2300 से ज्यादा लोगों को हीटस्ट्रोक के चलते बीमार होना पड़ा है। यूरोपियन यूनियन की क्लाइमेट मॉनिटरिंग सर्विस का कहना है कि बीते 12 महीनों का यदि डेटा देखा जाए तो ऐसी गर्मी कभी नहीं पड़ी थी। फिलहाल वैज्ञानिक इस बात का भी अध्ययन कर रहे हैं कि इतनी भीषण गर्मी की वजह ग्लोबल वार्मिंग ही है या इसकी कुछ और वजह है। बता दें कि कार्बन उत्सर्जन को भी गर्मी बढ़ने की एक बड़ी वजह माना जाता है। हज यात्रा दौरान सऊदी में मरने वाले जायरीनों में 35 पाकिस्तानी सऊदी अरब में इस वर्ष भीषण गर्मी के कारण हज यात्रा के दौरान दुनिया भर से आए 1000 से अधिक हज यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें कम से कम 35 पाकिस्तानी तीर्थयात्री शामिल हैं। सरकार ने इसकी पुष्टि की है। पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस वर्ष अत्यधिक गर्मी और खराब मौसम के कारण हज यात्रा चुनौतीपूर्ण थी, तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि सोमवार को मक्का की मस्जिद-ए-हरममें तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पाकिस्तान हज मिशन के महानिदेशक अब्दुल वहाब सूमरो ने बुधवार को बताया कि खबर के अनुसार 18 जून तक कुल 35 पाकिस्तानी हज यात्रियों की मौत हुई हैं। डॉन अखबार में सूमरो के हवाले से कहा गया कि मक्का में 20, मदीना में छह, मीना में चार, अराफात में तीन और मुजदलिफा में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सऊदी सरकार ने हरमैन में दफनाने की व्यवस्था की है और अगर कोई पाकिस्तानी हजयात्री मांग करे तो उसके शव को उसके उत्तराधिकारियों के माध्यम से वापस देश भेजने के भी प्रबंध किए गए हैं।

यूक्रेन का समर्थन करना शिक्षक को पड़ा भारी, रूस ने देशद्रोह का दोषी ठहराकर 20 साल के लिए भेजा जेल

मॉस्को, एजेंसी। रूस की एक सैन्य अदालत ने एक शिक्ष को 20 साल जेल की सजा सुनाई है। उन्हें यूक्रेन को पैसे भेज के लिए देशद्रोह के आरोप में सजा दी गई है। गौरतलब मॉस्को ने फरवरी 2022 में अपने पश्चिमी समर्थक पड़ो कीव के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद यूक्रेन के प्रति हमदर्दी या कथित समर्थन करने वालों पर पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके चलते हजारों लोगों को जेल डाला गया या जुर्माना लगाया गया है।

ऐसे काटेंगे सजा : एक अधिकारी ने बिना नाम उजा किए गुरुवार को बताया कि 27 वर्षीय डेनियल क्लियुका पांच साल जेल में और 15 साल सख्त शासन वाली कॉलोनी में बिताने होंगे। यह फैसला बुधवार को सुनाया गया था। शिक्षक पर देशद्रोह और आतंकवादी गतिविधियों के प्र समर्थन देने का आरोप लगा था।

यह लगा आरोप : रूसी मीडिया का कहना है क्लियुका ने कथित तौर पर यूक्रेनी फंड जिंदा वापस आओ लिए 20 हजार से एक लाख रूबल के बीच भेजे। बता दें फंड यूक्रेन की सेना के लिए धन एकत्र करता है। अभियोग अनुसार, क्लियुका ने यूक्रेन की अजोव रेजिमेंट को पैसे भेज की भी योजना बनाई, जिसे रूस ने आतंकवादी संगठन के में वर्गीकृत किया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि क्लियु को ट्रायल के दौरान दोषी ठहराया गया। उसे फरवरी 2023 मॉस्को के दक्षिण में लिपेत्स्क क्षेत्र में गिरफ्तार किया गया थ

साथ काम करने वालों ने फंसाया : एक टेलीग्राम स के अनुसार, क्लियुका ने कहा कि उन्होंने क्रेमलिन समर्थ अखबार में दिखाए गए कुछ लोगों के मूंह पर सींग, दाढ़ी मूंछें बनाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, द्वारा यूक्रेन पर हमला शुरू किए जाने के बाद क्लियुका स्कूल के सहकर्मचारियों ने अखबार पर चित्रों को देखा उनकी शिकायत कर दी थी, जिसके बाद उन्हें बर्खास्त दिया गया। क्लियुका ने कहा, मैंने सिर्फ अपनी भावनाओं व्यक्त करने के लिए रेखाचित्र बनाए थे। मगर सहकर्मियों एफएसबी सुरक्षा सेवा को बुलाया और उन्हें अखबार पक दिए। अधिकारियों से कहा कि मुझे विस्फोटकों में दिलच है। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन के कब्जे वाले लुगांस्क क्षेत्र रहने वाले रिश्तेदारों को उन्होंने पैसे भेजे थे।

यूक्रेन को मिली बड़ी राहत, अब अमेरिकी हथियारों की मदद से रूस में घुसकर जवाब देगा कीव

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से ज्यादा समय से जारी हैं। दोनों में से कोई भी देश हथियार डालने के लिए नहीं मान रहा है। इस जंग के चलते रूस और अमेरिका के रिश्तों में भी तनाव आ गया है। वॉशिंगटन लगातार कीव की मदद कर रहा है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन को रूसी बलों पर कहीं भी अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए गए हथियारों का इस्तेमाल कर हमला करने की इजाजत दी है। अमेरिका ने कहा है कि यूक्रेन की सेना सिर्फ खार्किव के पास के क्षेत्र से ही नहीं बल्कि सीमा पार से भी हमला कर सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि यह रुख अमेरिका द्वारा कीव को रूस के अंदर हमला करने के लिए चुपचाप हरी झंडी दिए जाने के कुछ सप्ताह बाद सामने आया है, जो कि खार्किव शहर पर सीमा पार से हुए हमले का जवाब है। हालांकि, उस उस समय अधिकारियों ने यह जोर देकर कहा था कि इस बदलाव का मतलब नीतियों में बदलाव से नहीं है। नीति खार्किव क्षेत्र तक सीमित है। तब से, यूक्रेनी सेना ने कम से कम एक बार रूस में हमला करने के लिए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल किया है। बेलगोरोड शहर में लक्ष्यों को नष्ट कर दिया है और रूसी हमले को कड़ी टक्कर देने का प्रबंध किया है।

दुनिया पर चढ़ा योग का खुमार: अमेरिका में भी उत्साह, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर हजारों लोगों ने किया योग

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश से लेकर विदेश तक 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उत्साह देखा जा रहा है। अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर भी योग को लेकर लोगों में एक अलग ही उत्साह देखते बन रहा है। यहां हजारों योग प्रेमी जमा हुए हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर यहां पूरे दिन कार्यक्रम चलने वाले हैं। हर साल 21 जून को लोग योग का अभ्यास करने के लिए उत्सुक होते हैं। ऐसे में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने टाइम्स स्क्वायर के साथ एक साझेदारी की। इस साझेदारी के साथ ही गुरुवार को टाइम्स स्क्वायर पर विशेष योग सत्रों का आयोजन किया गया।

भीषण गर्मी के बीच उत्साह : हालांकि, न्यूयॉर्क में भीषण गर्मी पड़ रही है, इसके लिए चेतावनी भी जारी की गई है। दिन के समय यहां का तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इतनी प्रचंड गर्मी के बावजूद योग के प्रेमियों का उत्साह कम नहीं हुआ। सभी राज्यों और क्षेत्रों से लोग सुबह-सुबह ही यहां पहुंच गए और योग करने के लिए मैट बिछा लिए।

दो दशकों से अधिक का अनुभव : योग प्रशिक्षक और श्वास ध्यान शिक्षिका ऋचा ढेकने ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित योग और ध्यान सत्र का नेतृत्व किया। बता दें आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की स्वयंसेवक के रूप में ढेकने को दो दशकों से अधिक का अनुभव है। कई अन्य योग शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भी टाइम्स स्क्वायर पर पूरे दिन अलग-अलग तरीके के ध्यान, व्यायाम और श्वास से जुड़े योग कराए। दिनभर चली गतिविधियों में हजारों

लोगों ने भाग लिया।

करीब आठ हजार से 10 हजार प्रतिभागी आए: वहीं, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने कहा कि जैसा कि आप देख सकते हैं कि यहां कई देशों से आए योग प्रतिभागी मौजूद हैं और यह आज पूरे दिन चलने वाला है। उन्होंने कहा कि यहां करीब आठ हजार से 10 हजार प्रतिभागियों के योगाभ्यास करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मुझे वाकई खुशी है कि इस साल योग दिवस की थीम स्वयं और समाज के लिए योग है। मुझे यकीन है कि यह आज यहां और अमेरिका के अ विभिन्न हिस्सों में भाग लेने वाले स लोगों को प्रेरित करेगा। सात योग आयोजित हुए भारत के महावाणि दूतावास ने सोशल मीडिया मंच ए पर कहा कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्र पर 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दि मनाया गया। इस दौरान सात योग आयोजित किए गए, जिनमें वि देशों के लगभग 10,000 लोगों भाग लिया। प्रधान ने प्रतिभागियों अभिवादन किया और शारी स्वास्थ्य के लिए योग के फायदो साथ ही प्रकृति के साथ सद्भाव बढ़ावा देने में इसकी भूमिका प्रकाश डाला। भारतीय वाणि दूतावास के अधिकारियों कर्मचारियों के साथ-साथ प्रव भारतीयों के सदस्यों ने भी योग स भाग लिया।

हमास को खत्म करना नामुमकिन, इजरायली सेना ने नेतन्याहू को दे दी टेंशन

येरुशलम, एजेंसी। गाजा में युद्धविराम को लेकर अब इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और सेना के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही हैं। एक तरफ नेतन्याहू का कहना है कि जब तक हमास का पूरी तरह खात्मा नहीं हो जाएगा, गाजा में युद्ध नहीं रुकेगा। वहीं इजरायली डिफेंस फोर्स के अधिकारियों का कहना है कि हमास को खत्म करना नामुमकिन है। बता दें कि नेतन्याहू ने कई बार कहा है कि हमास को खत्म करना ही उनका लक्ष्य है। हालांकि उन्होंने यह कभी स्पष्ट नहीं किया कि हमास के खात्म के बाद गाजा पर किसका अधिकार होगा।

इजरायाली सेना के प्रवक्ता रियर ऐडमिरल डेनियल हागरी ने बुधवार को एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि हमास को कभी खत्म नहीं किया जा सकता। यह एक विचारधारा है। जो लोग सोचते हैं कि यह एकदम से खत्म हो जाएगा, वे गलत हैं। उन्होंने कहा, हम केवल यही कर सकते हैं कि हमास को रिप्लेस किया जाए जो कि

गाजा पट्टी में अधिकार करे। लेकिन यह कौन हो सकता है? यह फैसला राजनीतिक नेतृत्व को ही करना है। इस बयान के बाद नेतन्याहू के कार्यालय की तरफ से भी बयान जारी किया गया और कहा कि गाजा में युद्ध तभी खत्म होगा जब हमास पूरी तरह नेस्तनाबूत हो जाएगा। पूर्ण विजय ही युद्धविराम का रास्ता है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय की तरफ से कहा गया कि हमास की सैन्य और प्रशासनिक क्षमताओं को नष्ट करना ही हमारा लक्ष्य है और आईडीएफ भी इसके लिए प्रतिबद्ध है। आईडीएफ ने हागरी के बयान पर टिप्पणी ना करते हुए कहा कि वॉर कैबिनेट ने जो भी लक्ष्य तय किए हैं उनको हासिल करने के लिए सेना प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि सेना को डर है कि अगर गाजा में राजनीतिक रणनीति नहीं बनाई गई तो हमास एक बार फिर सिर उठा लेगा। बता दें कि वॉर कैबिनेट के एक सदस्य ने इसी मामले को लेकर इस्तीफा भी दे दिया था। उनका कनहा था कि युद्ध के बाद की भी रणनीति तैयार करनी चाहिए। गुरुवार क पिव रिसर्च सेंटर द्वारा पब्लिश की गई एक सर्वे में कहा गया कि इजरायल की जनता को सरकार से ज्यादा सेना में भरोसा है। वहीं सर्वे में पाया गया है कि इजरायल के यहूदियों को नेतन्याहू से ज्यादा भरोसा रक्षा मंत्री गैलेंट में है। बता दें कि बीते 8 महीने से जारी युद्ध में गाजा पट्टी में 37 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल में हमले के बाद यह युद्ध शुरू हुआ था। गाजा में मासूमों की मौत को लेकर नेतन्याहू सरकार की आलोचना हो रही है।

ट्रंप का चुनाव से पहले बड़ा वादा- अमेरिका से स्नातक करने वाले विदेशी छात्रों को मिलेगा ग्रीन कार्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को सुझाव दिया कि जो विदेशी छात्र अमेरिका से स्नातक की पढ़ाई करते हैं, उन्हें अपने आप अमेरिका में रहने और काम करने के लिए ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को दुनिया के बेहतरीन दिमाग वाले लोगों को यहां रोकने की जरूरत है। जो लोग यहां रुकना चाहते हैं और उनके पास कोई अच्छी योजना है, जिससे देश को फायदा हो सकता है तो उन्हें यहां रोकना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा वादा : दरअसल एक पॉडकास्ट के दौरान कई उद्यम पूंजीदाताओं के साथ बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया गया कि हम कैसे दुनियाभर के बेहतरीन दिमाग को अमेरिका ला सकते हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि अगर आप (विदेशी छात्र) किसी कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल करते हैं तो आपको अपने आप ही इस देश में रहने के लिए ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। इसमें जूनियर कॉलेज भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं कई ऐसी कहानियां जानता हूं, जहां लोगों ने हमारे देश के शीर्ष कॉलेजों से स्नातक की डिग्री ली और वो हमारे देश में रहने के इच्छुक थे और उनके पास बेहतरीन बिजनेस आइडिया था, लेकिन वे यहां रह नहीं सके। अगर कोई यहां से पढ़ाई करता है, लेकिन वह किसी कंपनी के साथ सिर्फ इसलिए डील नहीं कर सकता

क्योंकि वह यहां रहने में सक्षम नहीं है तो यह उ राष्ट्रपति बनने के बाद पहले दिन से यह खत्म हो डोनाल्ड ट्रंप जो वादा कर रहे हैं, अगर वह उसे करते हैं तो यकीनन इस फैसले का भारतीयों को स ज्यादा फायदा होगा क्योंकि अमेरिका में हर स लाखों की तादाद में भारतीय छात्र पढ़ते हैं। उल्लेख है कि ट्रंप जहां एक तरफ अमेरिका से स्नातक क वालों को अमेरिका की नागरिकता देने की बात रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप का अप्रवासियों खिलाफ रवैया सख्त रहा है। वह अवैध अप्रवा के मुद्दे पर काफी मुखर रहे हैं और मौजूदा बाइ सरकार पर अवैध अप्रवासियों को रोकने में नाक रहने का आरोप लगा चुके हैं। ट्रंप जन्म से नागरिकता देने के नियम को भी खत्म करने की कह चुके हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि अगर फिर से राष्ट्रपति चुने गए तो वह बड़े पैमाने अप्रवासियों को देश से बाहर निकालेंगे।

नकली ब्रांड पहनकर अमरीका जाना हुआ मुश्किल, एयरपोर्ट पर ही जब्त कर लिए जाते हैं कपड़े और जूते

वाशिंगटन, एजेंसी। अगर आप किसी ब्रांड के डुप्लिकेट कपड़े या जूते पहने कर अमरीका के एयरपोर्ट पर पहुंचते हैं, तो आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। यू.एस. कस्टम एंड प्रोटेक्शन (सी.बी.पी.) नियमों के तहत प्यूमा, एडिडास या नाइक जैसे ब्रांड की नकली वस्तुओं को अमरीकी सीमा शुल्क अधिकारी जब्त कर सकते हैं। यही नहीं आप पर केस भी दर्ज हो सकता है।

नकली सामान की तस्करी पर नकेल कसने की मुहिम : दरअसल अमरीका के कस्टम अफसरों ने नकली सामानों की तस्करी का सुपरविजन यानी निगरानी बढ़ा दी है। इसी के तहत हाल के महीनों में अमरीका में उड़ान भरने वाले कई भारतीय छात्रों और यात्रियों से कई महंगी लग्जरी आइटम जब्त कर लिए गए। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अगर लोग नकली सामान के साथ किसी एयरपोर्ट पर पहुंचते हैं तो उनका सामान कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है। सी.बी.पी. के नियम तो कहते हैं कि आप किसी भी तरह की नकली वस्तु जैसे एक शर्ट, हैंडबैग, या जूते ले जा सकते हैं बशर्ते वह व्यक्तिगत उपयोग यानी खुद आपके इस्तेमाल के लिए हो, ना कि बेचने या कमर्शियल इस्तेमाल के लिए हों। अधिक संख्या में हर चीज पर अधिकारियों की पैनी नजर रहती है और वे शक के आधार पर पूछताछ के बाद यह फैसला लेते हैं कि इस सामान का करना क्या है।

झारखंड के टीचर का जब्त कर लिया 30 हजार का सामना : झारखंड के जमशेदपुर के एक स्कूल टीचर के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि जब वह अपने बेटे से मिलने के लिए अमरीका पहुंचा तो उसके पास आठ शर्ट, चार पतलून, कुछ मोजे और एक जोड़ी जूते थे। टीचर ने बताया कि पोर्ट पर अधिकारियों ने मेरे बैग की

जांच की और मुझसे कई सवाल किए कि मैं व से यात्रा कर रहा था, सामान किसके लिए क्या मैं उनकी तस्करी कर रहा था? टीचर ने क कि मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की कि यह मेरे बेटे के लिए था।

छात्र के कूड़ेदान में फेंक दिए कपड़े जूते : इसी तरह हैदराबाद के एक 27 वर्षीय का कहना था कि भारत में लोगों के लिए बड़े ब्र की डुप्लिकेट या कॉपी बेचना और खरीदना ब आम है। मुझे नहीं पता था कि उन्हें अपने सामा ले जाना इतना गंभीर अपराध है। वे ऐसी चेकलिस्ट भी नहीं देते जिससे लोगों को ये पत कि क्या ले जा सकते हैं और क्या न कैलिफोर्निया से बिजनेस मैनेजमेंट इकोनॉमिक्स में मास्टर की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट करीब 10 शर्ट, पैंट और तीन जोड़ी जूते स शुल्क अधिकारियों ने कूड़ेदान में फेंक दिए।

संक्षिप्त समाचार

कैरन्स कप शतरंज

भारत की हरिका दूसरे स्थान पर कायम

सैंट लुईस , यूएसए, एजेंसी। एक माह बाद होने वाले शतरंज ओलंपियाड के ठीक पहले स्बही भारतीय खिलाड़ी दुनिया भर के महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में खेल रहे है । भारतीय महिला टीम की बेहद महत्वपूर्ण सदस्य ग्रांड मास्टर द्रोणावल्ली हरिका इस समय यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में चल रहे कैरन्स कप शतरंज के चौंथे संस्करण में दुनिया की नौ अन्य दिग्गज

महिला खिलाड़ियों के साथ खेल रही है और राउंड रॉबिन आधार पर हो रहे इस टूर्नामेंट में पाँच राउंड के बाद 3 अंक बनाकर उक्रेन की मारिया मुजयचूक के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रही है । चीन की तीन ज़ोंगाई 3.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रही है । हरिका नें दूसरे राउंड में स्विट्जरलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक को मात दी थी जबकि अन्य चार मुकाबलों में उन्होने जॉर्जिया की नाना दगनिडजे , यूएसए की एलिस ली ओर इरिना कृश और उक्रेन की मारिया मुजयचूक के साथ बाज़ियाँ ड्रॉ खेली है । वहीं शारजाह मास्टर्स में हुए नुकसान की भरपाई करते हुए उन्होने अब तक अपनी फीडे रेटिंग में इस टूर्नामेंट में 3 अंको का सुधार किया

हॉकी

हॉकी इंडिया ने प्री-ओलंपिक शिविर के लिए किया भारतीय टीम का किया एलान

स्ट्राइकर दिलप्रीत का कटा पत्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सफल प्रदर्शन के बाद लौट रही है। फिलहाल टीम 16 मैचों में 24 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को प्री-ओलंपिक शिविर के लिए 27 संभावित खिलाड़ियों का एलान कर दिया। यह शिविर 21 जून से 8 जुलाई तक यहां एसएआई केंद्र में आयोजित किया जाएगा। ओलंपिक में भारत को बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेंगे। भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सफल प्रदर्शन के बाद लौट रही है।

फिलहाल टीम 16 मैचों में 24 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। कोर ग्रुप में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय और आमिर अली शामिल हैं। मिडफील्डर्स के तौर मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह, आकाशदीप सिंह और मोहम्मद राहील मौसीन को शामिल किया गया है। वहीं, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, बॉबी सिंह धामी और अरिजीत सिंह हुंडल फॉरवर्ड हैं जिन्हें शामिल किया गया है। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह को टीम में जगह नहीं मिली है।

ऑस्ट्रेलिया की लगातार 5वीं जीत

बांग्लादेश को ष्ठस्स मेथड से 28 रन से हराया

कमिंस की हैट्रिक, वॉर्नर की फिफ्टी

एंटीगुआ, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने ढ्ढष्ठ्ट टी-20 वर्ल्ड कप के चौथे सुपर-8 मुकाबले में बांग्लादेश को 28 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया की यह इस वर्ल्ड कप में लगातार 5वीं जीत है। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। बांग्लादेश ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 140 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को 141 रन का टारगेट दिया। जवाब ऑस्ट्रेलिया ने 11.2 ओवर के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 100 रन बनाए थे तभी बारिश की वजह से खेल रोक दिया गया। जो बाद में पूरा नहीं हो सका और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच ष्ठस्स (डकवर्थ लुईस स्टर्न) मेथड से 28 रन से जीत लिया।

टी-20 वर्ल्डकप: 2024 में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस ने हैट्रिक ली है. बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में अपने आखिरी के दो ओवरों में पैट कमिंस ने ये हैट्रिक पूरी की. पैट कमिंस ने महमुदुल्लाह, मेहदी हसन और तौहीद हृदय को आउट कर टी-20 वर्ल्ड कप की अपनी पहली हैट्रिक ली. बांग्लादेश की इनिंग के18वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर कमिंस ने महमुदुल्लाह, मेहदी हसन का विकेट लिया. जबकि तौहीद हृदय को 20वें ओवर की पहली गेंद पर चलता कर हैट्रिक पूरी की. टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ली गई ये 7वीं हैट्रिक रही. वहीं, इस कामयाबी के साथ पैट कमिंस टी-20 वर्ल्ड कप कप में हैट्रिक लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गए. पैट कमिंस ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी हैट्रिक पूरी करने के लिए तीन तरह की गेंदों को हथियार बनाया. उन्होंने महमुदुल्लाह को शॉर्ट बॉल पर चलता किया. इसके बाद मेहदी हसन को लेंथ बॉल डालकर जंपा के हाथों कैच कराया. जबकि तौहीद हृदय का विकेट उन्होंने धीमी गति की गेंद पर लिया.

पैट कमिंस की हैट्रिक टीम इंडिया की जीत का संयोग तो नहीं

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज कमिंस ने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए, जो कि हैट्रिक के तौर पर आए. पैट कमिंस टी-20 वर्ल्ड कप की पिच पर हैट्रिक लेने वाले ब्रेट ली के बाद दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं. ब्रेट ली ने साल 2007 हुए पहले टी-20 वर्ल्ड कपमें हैट्रिक ली थी. उस साल भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. कमाल की बात ये है कि ब्रेट ली ने भी अपनी हैट्रिक बांग्लादेश के खिलाफ ही ली थी.

हैट्रिक लेने वाले 7वें गेंदबाज

टी-20 वर्ल्डकप के इतिहास में हैट्रिक लेने वाले कमिंस दुनिया के 7वें गेंदबाज हैं. सबसे पहले ये कारनामा ब्रेट ली ने किया था. उसके बाद 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में आयरलैंड के कर्टिस कैम्फर ने. 2021 के टी-20 वर्ल्ड कप में ही श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा और साउथ अफ्रीका के कैगिसो रबाडा के भी हैट्रिक देखने को मिले.

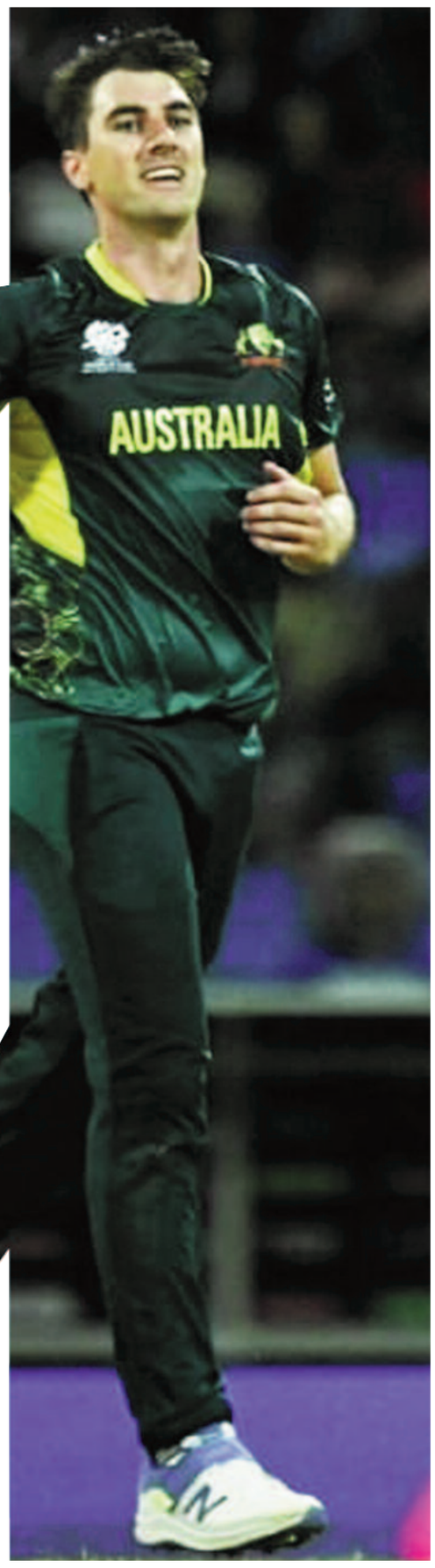

क्या सानिया मिर्जा सच में कर रही हैं मोहम्मद शमी से शादी?

पिता इमरान ने तोड़ी चुप्पी

नईदिल्ली, एजेंसी। टेनिस सनसनी सानिया मिर्जा और भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी क्या शादी करने वाले हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर इन दोनों की शादी की अफवाहों का बाजार गर्म है. सोशल मीडिया पर दोनों ट्रेंड कर रहे हैं. जिसके

कारण फैन्स कंफ्यूज हो गए हैं कि क्या सच में दोनों शादी करने वाले हैं. लेकिन अब इन अफवाहों को लेकर सानिया मिर्जा के पिता इमरान मिर्जा ने रिएक्ट कर इन अफवाहों की सच्चाई बताई है. सानिया के पिता ने कंफर्म किया है कि जो भी खबरें चल रही है वह बिल्कुल बकवास है. बता दें कि हाल ही में सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक एक दूसरे से अलग हुए हैं. वहीं, दूसरी ओर मोहम्मद शमी भी अपनी वाइफ हसीन जहां से अलग रह रहे हैं. हाल ही में सानिया मिर्जा हज यात्रा पर रवाना हुई हैं. सानिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी थी और कहा कि उन्हें काफी इंतजार के बाद इस पवित्र यात्रा पर जाने का अवसर मिला है. सानिया मिर्जा हज की अपनी पवित्र यात्रा शुरू कर चुकी हैं. पूर्व टेनिस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया पर

घोषणा की कि उन्हें पवित्र यात्रा पर निकलने का अविश्वसनीय अवसर मिला है, क्योंकि वह जल्द ही सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में होंगी. अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किए गए एक लंबे नोट में, सानिया ने लिखा, मेरे प्यारे दोस्तों, मैं एक नए अनुभव की तैयारी कर रही हूं। मैं आप सभी से अपनी सभी गलतियों की माफ़ी मांगती हूं, मेरा दिल इस समय काफी भावुक और कृतज्ञता से भरा हुआ है। मुझे उम्मीद है कि अल्लाह मेरी प्रार्थनाओं को स्वीकार और मेरा मार्गदर्शन करेंगे. मिर्जा ने आगे कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं, कृपया मुझे अपने विचारों और प्रार्थनाओं में रखें. मैं जीवन की एक बेहद खास यात्रा पर निकल रही हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं एक बेहतर इंसान के रूप में एक अच्छा दिल और मजबूत ईमान के साथ वापस आऊंगी.

मिचेल स्टार्क बने वर्ल्ड कप के सबसे महान गेंदबाज़, मलिंगा को पछाड़ बना दिया विश्व रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे महाने गेंदबाज़ बन गए. वनडे और टी20 फॉर्मेट के विश्व कप को मिलाकर स्टार्क सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए. उन्होंने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ लासिथ मलिंगा को पछाड़ दिया. मलिंगा ने अपने करियर में वर्ल्ड कप खेलते हुए 94 विकेट झटके थे. अब मिचेल स्टार्क उनसे आगे निकलते हुए 95 विकेट के आंकड़े पर पहुंच गए.

ऑस्ट्रेलियाई पेसर ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच में यह ऐतिहासिक आंकड़ा छुआ.

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 44वां मैच ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच खेला गया. यह सुपर-8 के चरण का मैच था, जिसमें स्टार्क ने तंज़ीद हसन को बोल्ड कर अपने करियर में विश्व कप का विकेट नंबर 95 चटकाया. स्टार्क ने मैंच के पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर तंजीद को बोल्ड कर दिया था. स्टार्क ने वर्ल्ड कप में मलिंगा से कम पारियों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने का कारनामा किया. मलिंगा ने वर्ल्ड कप की 59 पारियों में में 94 विकेट चटकाए थे, जबकि स्टार्क ने सिर्फ 52 पारियों में 95 विकेट अपने नाम कर लिए. इस लिस्ट में बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन तीसरे नंबर पर हैं. शाकिब ने 75 पारियों में 92 विकेट अपने नाम कर लिए हैं.

वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट

मिचेल स्टार्क	52 पारियां	95 विकेट
लासिथ मलिंगा	59 पारियां	94 विकेट
शाकिब अल हसन	75 पारियां	92 विकेट
ट्रेंट बोल्ट	47 पारियां	87 विकेट
मुथैया मुरलीधरन	48 पारियां	79 विकेट
टिम साऊदी	47 पारियां	77 विकेट
ग्लेन मैक्ग्रा (वनडे में)	39 पारियां	71 विकेट
मोहम्मद शमी	32 पारियां	69 विकेट
शाहिद अफरीदी	58 पारियां	69 विकेट
एडम जैम्पा	34 पारियां	62 विकेट.

अब तक ऐसा रहा मिचेल स्टार्क का व्हाइट बॉल करियर

मिचेल स्टार्क ने अब तक अपने करियर में 121 वनडे और 63 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल लिए हैं. वनडे की 121 पारियों में उन्होंने 22.96 की औसत से 236 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 6/28 का रहा है. इसके अलावा टी20 इंटरनेशनल की 63 पारियों में 23.88 की औसत से 76 विकेट अपने नाम कर लिए हैं, जिसमें उनका बेस्ट फिगर 4/20 का रहा है.

इंडिया वर्सेस अफगानिस्तान

सुपर-8: भारत का जीत से अगाज

बारबाडोस, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम अब भी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में एक भी मैच नहीं हारी है। भारत का अभियान ठीक पिछले साल हुए वनडे वर्ल्ड कप की तरह चल रहा है। टीम इंडिया ने 20 जून की रात को सुपर 8 के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 47 रन से हराया। भारत की इस जीत में अनुभवी तेज तर्रार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अहम भूमिका निभाई। जस्सी की धारदार गेंदबाजी ने एक बार फिर विरोधियों की लंका लगा दी। लेकिन इतनी शानदार गेंदबाजी करने के बाद भी जस्सी के साथ अन्याय हुआ? जसप्रीत बुमराह ने अपने 4 ओवर के स्पेल में 1.75 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए महज 7 रन दिए और 3 विकेट झटके। इसके अलावा उन्होंने एक ओवर मेडिन भी डाला। जस्सी ने रहमानुल्लाह गुरबाज, हजरतुल्लाह जजई और नजीबुल्लाह जादरान का शिकार किया था। हालांकि इतने शानदार प्रदर्शन के बाद भी बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड नहीं मिला। उनकी जगह सूर्यकुमार यादव को प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया, जिन्होंने 28 गेंद पर आक्रमक 53 रन ठोके थे। देखा जाए तो बल्लेबाजी में सूर्या की पारी और गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह का स्पेल दोनों ही भारत की जीत के लिए अहम थे। लेकिन बुमराह ने जिस तरह से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआत में प्रेशर बनाया। वो तारीफ के काबिल था।

● 7 रन पर झटके 3 विकेट फिर भी जसप्रीत बुमराह के साथ हुआ अन्याय?

बुमराह भी प्लेयर ऑफ द मैच बनने के उतने ही हकदार थे जितने सूर्यकुमार यादव।

कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर निर्धारित 20 ओवर में 181 रन ठोक डाले। रोहित शर्मा और विराट कोहली के आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव (53) और हार्दिक पंड्या (32) ने मोर्चा संभाला। अंत में अक्षर पटेल ने भी तेज गति से 12 रन बनाए। अफगानिस्तान की तरफ से राशिद खान ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए थे। 182 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अफगानिस्तान सिर्फ 134 रन पर ही ढेर हो गई। भारत की तरफ से 3-3 विकेट जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ने झटके। 2 विकेट कुलदीप यादव को मिली।

स्थानापन्न खिलाड़ी जोविच ने सर्बिया को हार से बचाया, इंजरी समय में दागा गोल, मैच ड्रॉ पर समाप्त

म्यूनिख, एजेंसी। अपने पहले मैच में डेनमार्क से ड्रॉ खेलने वाली स्लोवेनिया की टीम अपना अंतिम ग्रुप मैच मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि इसी दिन सर्बिया की भिड़ंत डेनमार्क से होगी। स्थानापन्न खिलाड़ी लुका जोविच के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत सर्बिया ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में गुरुवार को स्लोवेनिया को 1-1 से बराबरी पर रोका दिया। इसके साथ ही स्लोवेनिया की टीम यूरोपीय चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने से भी महरूम रह गई। सर्बिया को अपने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। जेन कार्निकनिक ने 69वें मिनट में स्लोवेनिया को बढ़त दिलाई और ऐसा लग रहा था कि टीम ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल रहेगी लेकिन जोविच ने इंजरी टाइम में गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। जोविच के गोल से सर्बिया के दर्शक खुशी से झूम उठे लेकिन उन्होंने मैदान पर चीजें भी फेंकनी शुरू कर दी। गोल होने के बाद खेल शुरू होते ही रेफरी ने मैच खत्म होने का इशारा करने वाली सीटी बजा दी जिसके बाद स्लोवेनिया के खिलाड़ियों के चेहरों पर निराशा साफ देखी जा सकती थी।

मेरी गेंदों पर स्वीप मत मारो...

राशिद- सूर्यकुमार में हुई बातचीत, आईसीसी ने जारी की वीडियो

बारबाडोस, एजेंसी। बारबाडोस में टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मुकाबले के दौरान एक मजेदार वाक्या देखने को मिला जब अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों पर स्वीप शॉट न मारने के लिए कहा। दोनों में बातचीत तब शुरू हुई जब सूर्यकुमार ने राशिद का बनाया दबाव कम करने के लिए उनकी गेंदों पर लगातार स्वीप मारकर बाऊंड्रीज बटोरी। मामला 11वें ओवर का था। टीम इंडिया ने विराट कोहली और ऋषभ पंत का विकेट गंवा दिया था। क्रीज पर सूर्यकुमार ही टिके थे। उनके लगाए लगातार शॉट के कारण ही राशिद खान परेशान दिखे। आईसीसी ने दोनों क्रिकेटर की बातचीत की एक वीडियो भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की है।

बहरहाल, 53 रन की पारी खेलने के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मुझे (7-15 ओवर) बल्लेबाजी करने में मजा आता है, यह सबसे कठिन चरण होता है जहां विपक्षी गेंदबाज चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं। मुझे उस चरण में कार्यभार संभालना पसंद है, मैं इसका आनंद लेता हूं। जब वह (कोहली) आउट हुआ

तो मैंने अपनी बबलगम जोर से चबाना शुरू कर दिया था। मैंने बस अपने खेल और अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया। मैंने उनके (रोहित शर्मा) साथ काफी क्रिकेट खेला है। वह मेरे खेल को जानता है, इसलिए वह आराम से बैठता है और इसका आनंद लेता है। यह एक अच्छा योग है, देखते हैं अब क्या होता है।

ऐसा रहा मुकाबला

इससे पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। रोहित खुद तो 8 ही रन बना पाए लेकिन सूर्यकुमार यादव ने 53, हार्दिक पांड्या ने 32, कोहली ने 24 तो पंत ने 20 रन बनाकर स्कोर 8 विकेट पर 181 तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम 134 रन ही बना पाई। अफगानिस्तान को रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। अर्शदीप ने जहां 36 रन देकर 3 विकेट लिए तो वहीं, बुमराह ने 4 ओवर में महज 7 रन देते हुए 3 विकेट लिए। कुलदीप यादव 2 तो अक्षर और जडेजा 1-1 विकेट लेने में सफल रहे।

भारत के सबसे वैल्यूएबल

सेलिब्रिटीज की लिस्ट में शामिल हुईं आलिया, दीपिका और कियारा

वित्तीय और जोखिम सलाहकार फर्म क्रॉल की एक नई रिपोर्ट में भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की शीर्ष रैंक में बदलाव का खुलासा हुआ है। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण और कियारा आडवाणी भारत की सबसे मूल्यवान हस्तियों की सूची 2023 में अपनी जगह बनाने वाली शीर्ष तीन अभिनेत्रियाँ बन गई हैं।

सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2023- ब्रांड, व्यवसाय, बॉलीवुड शीर्षक वाली रिपोर्ट में आलिया भट्ट को .101.1 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ पांचवें स्थान पर और दीपिका पादुकोण को 96 मिलियन के साथ छठे स्थान पर दिखाया गया है।

दोनों अभिनेत्रियों की 2022 की रैंकिंग में मामूली गिरावट देखी गई। हालांकि, सबसे बड़ी कहानी यह है कि कियारा आडवाणी, जो 2022 में 16वें स्थान पर थीं, 2023 में 60 मिलियन के ब्रांड मूल्य के साथ 12वें स्थान पर पहुँच गईं। यह प्रभावशाली वृद्धि भारतीय बाजार में उनके बढ़ते प्रभाव को उजागर करती है। रिपोर्ट में सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट ट्रेंड्स पर भी चर्चा की गई है। इसमें पाया गया कि पिछले साल शीर्ष 25 हस्तियों ने विभिन्न क्षेत्रों में 300 से अधिक ब्रांडों का समर्थन किया, जिसमें टीवी और डिजिटल दोनों तरह के विज्ञापनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

इससे पता चलता है कि उपभोक्ता विकल्पों को आकार देने में मशहूर हस्तियों की भूमिका बढ़ रही है। कुल मिलाकर, क्रॉल रिपोर्ट एक गतिशील भारतीय सेलिब्रिटी परिदृश्य की तस्वीर पेश करती है.

कास्टिंग काउच लेकर ईशा का छलका दर्द बोलीं-

एक बड़े स्टार ने कहा था बात मान लो या हार मान लो

ईशा कोप्पिकर कास्टिंग काउच के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, कई बार निर्माता-निर्देशक मिलने के लिए बुलाते थे और गलत तरीके से न सिर्फ छूते थे बल्कि हाथों को दबा कर कहते थे हीरो से दोस्ती करनी पड़ेगी।

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। ईशा कोप्पिकर ने बॉलीवुड में डेब्यू फिजा फिल्म से किया था। उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा कई साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने कास्टिंग काउच को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने बॉलीवुड के काले सच को एक बार फिर से दुनिया के सामने रखा है।

टाइपकास्ट का शिकार हुई ईशा

ईशा कोप्पिकर आज भी अपने बोल्ड आइटम नंबर के लिए याद की जाती हैं। उनके चाहने वालों को आज भी इश्क समुंदर और खल्लास जैसे गाने याद हैं। हाल ही एक इंटरव्यू के दौरान जब ईशा से जब पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट कर दिया गया था। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, सच कहूं तो ऐसा कभी नहीं होता था कि निर्देशक आप से पूछते हों कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। अभिनेत्रियां क्या करेंगी ये अक्सर अभिनेता तय करते थे।

बात मान लो या हार मान लो

ईशा कोप्पिकर ने आगे कहा, आपने मी टू के बारे में सुना है न उसमें सच्चाई है। अगर आपके पास संस्कार हैं तो बॉलीवुड में टिकना मुश्किल है। कई लड़कियों ने तो कास्टिंग काउच के डर से इंडस्ट्री छोड़ दी। लड़कियों से कहा जाता था या तो बात मान लो या हार मान लो। ऐसे बहुत कम लोग हैं जो अभी भी इंडस्ट्री में हैं और उन्होंने हार नहीं मानी है और मैं उनमें से एक हूं।

निर्देशक गलत तरह से छूते थे

ईशा कोप्पिकर कास्टिंग काउच के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, कई बार निर्माता-निर्देशक मिलने के लिए बुलाते थे और गलत तरीके से न सिर्फ छूते थे बल्कि हाथों को दबा कर कहते थे हीरो से दोस्ती करनी पड़ेगी। इतना ही नहीं एक बार एक बड़े हीरो ने मुझसे कहा था कि अकेले मिलने आना।

यहां तक कि अपने ड्राइवर को भी साथ नहीं लाना क्योंकि उस समय उनका नाम एक अन्य अभिनेत्री से जुड़ा था। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर बॉलीवुड में टिक कर रहना चाहती हो तो मिलनसार बनकर रहना ही पड़ेगा।

जेनिफर और श्रद्धा से तलाक पर करण सिंह ग्रोवर ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ

करण सिंह ग्रोवर ने पहली बार अपनी दो टूटी शादियों और दो बार तलाक पर चुप्पी तोड़ी। करण सिंह ग्रोवर ने कहा कि मूव ऑन करने के बाद लगता है कि जो हुआ अच्छा ही हुआ। करण ने बिपाशा बसु से शादी की और उनकी एक बेटी है, जिसका नाम देवी है। एक्टर करण सिंह ग्रोवर आज बिपाशा बसु के साथ हैप्पी मेरिड लाइफ जी रहे हैं और एक बेटी के पिता भी बन चुके हैं। लेकिन बिपाशा से पहले उनकी दो बार शादी हो चुकी थी और दोनों बार ही तलाक हो गया। पहली शादी श्रद्धा निगम से और दूसरी बार उन्होंने एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट के साथ शादी की। करण सिंह ग्रोवर ने हाल ही एक इंटरव्यू में दोनों टूटी शादियों और तलाक पर बात की। उन्होंने कहा कि यह अच्छे के लिए ही हुआ। करण की पहली शादी साल 2008 में एक्ट्रेस श्रद्धा निगम से हुई थी, लेकिन 10 महीने बाद ही उन्होंने तलाक की अर्जी दे दी। फिर 9 अप्रैल 2012 को करण ने Jennifer Winget से शादी कर ली। शादी से पहले उन्होंने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट किया था। पर यह शादी सिर्फ दो साल ही चली और 2014 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद करण सिंह ग्रोवर ने एक्ट्रेस बिपाशा बसु के साथ 2016 में शादी की और खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं।

अनोखा बंधन के किरदार के लिए अपनी मां और सास से ली प्रेरणा : रिंकू घोष

भोजपुरी एक्ट्रेस रिंकू घोष टीवी सीरियल अनोखा बंधन में साधना का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए अपनी मां और सास से प्रेरणा ली। शो की कहानी सास और बहू के बीच के रिश्ते पर आधारित है। शो और अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, रिंकू ने कहा साधना एक बहुत ही प्यारी और देखभाल करने वाली मां है, जिसके कई शेड्स हैं।

जब बात अपने बेटे वरदान की आती है, तो वह बहुत ही इमोशनल हो जाती है, लेकिन जब बात अपनी बहू की आती है, तो वह मजबूत और सपोर्टिव है। उन्होंने कहा, शो की खासियत है कि यह सास और बहू के बीच के अनोखे रिश्ते पर आधारित है। वे एक-दूसरे की ताकत और सबसे अच्छी दोस्त हैं। दोनों के बीच एक खूबसूरत रिश्ता है। एक्ट्रेस ने आगे कहा, असल जिंदगी में भी मैं बहुत खुशकिस्मत रही कि मुझे बहुत ही सपोर्टिव सास मिली। आप कह सकते हैं कि साधना का किरदार निभाने के लिए मैंने अपनी दोनों मां, मेरी बायोलॉजिकल मां और मेरी सास से प्रेरणा ली।

सेट पर नखरे दिखाते हैं सेलेब्रिटीज रखते हैं 5-5 वैनिटी वैन: नवाज

एक तरफ जहां महंगी बजट वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में नाकाम हो रही हैं और बॉलीवुड में मंदी का दौर चल रहा है। ऐसे में प्रोडक्शन में बढ़ती लागत और कलाकारों की भरमार पर बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बोला है।

हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, यह आज से नहीं बहुत पहले से चल रहा है। आगे उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे भी सेलेब्रिटीज हैं जो सेट पर नखरे दिखाते हैं, कुछ तो ऐसे हैं जिनके पास 5 वैनिटी वैन है-खाने के लिए अलग, जिम जाने के लिए अलग और भी अलग-अलग कामों के लिए भी। ये पागलपन है भला कौन 5 वैनिटी वैन रखता है। दमदार अभिनय की बदौलत अपनी छवि बनाने वाले एक्टर ने कहा कि प्रोडक्शन के लिए भला कोई अभिनेता की फीस क्यों बढ़नी चाहिए, यह सरासर गलत है। इसके बजाय फिल्मों में पैसा लगाना चाहिए जो एक समझदारी भरा फैसला होगा। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मजाक भरे लहजे में कहा कि इन नवाबों के जितने शौक हैं उतने तो फिल्मी नवाबों के भी नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनकी कोई ऐसी डिमांड नहीं है। वो कहते हैं मेरा मकसद सिर्फ अपने काम को सही तरीके से करना है और मैं कुछ नहीं चाहता, प्रोडक्शन के समय से पहले मैं खड़ा होता हूं शूट के लिए। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सिनेमा की दुनिया में अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अपने कैरियर की शुरूआत 1999 में फिल्म सरफरोश से की थी। एक्टर ने अपनी जर्नी के बारे में कहा कि यह उनके लिए रोमांच भरा सफर रहा जो मैंने सोचा था ऊपर वाले ने मुझे उससे भी ज्यादा दिया, मैं सभी डायरेक्टर का धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझे काम करने का मौका दिया। नए फिल्ममेकर्स के बारे में बोलते हुए नवाज ने कहा कि मुझे जानकर बहुत खुशी होती है कि नए नए लोग इंडस्ट्री में नई-नई कहानियों को लेकर आ रहे हैं इससे सिनेमा को नया मुकाम मिलेगा।

हमेशा के लिए बंद होगा प्रियंका का

पूर्व रेस्तरां सोना

प्रियंका चोपड़ा के न्यूयॉर्क सिटी रेस्तरां सोना ने मार्च 2021 में कोविड-19 प्रतिबंधों के बीच अपनी शुरुआत की। इस रेस्तरां की जल्द ही सोशल मीडिया पर अच्छी खासी लोकप्रियता हो गई। हालांकि, प्रियंका ने अगस्त 2023 में घोषणा की थी कि वे सोना से अलग हो रही हैं, जिसकी उन्होंने मनीष गोयल के साथ सह-स्थापना की थी। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह खबर साझा करते हुए रेस्तरां ने घोषणा की है कि तीन साल की यात्रा के बाद यह जल्द ही बंद हो जाएगा। रेस्तरां से बयान जारी कर कहा, तीन से ज्यादा उल्लेखनीय वर्षों के बाद सोना बंद होने जा रहा है। हम उन सभी लोगों के बेहद आभारी हैं जो हमारे दरवाजे से गुजरे। आपकी सेवा करना हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है। रेस्तरां ने हर दिन स्वादिष्ट भोजन, मुस्कान और गर्मजोशी प्रदान करने के लिए अपनी समर्पित टीम को धन्यवाद दिया। पोस्ट के अनुसार, सोना की अंतिम सेवा रविवार, 30 जून को ब्रंच होगी। सोना ने कहा, हमें उम्मीद है कि हम आपको भोजन या पेय के लिए आखिरी बार देखेंगे। हमारे दरवाजे और दिल खुले हैं। यह रेस्तरां कम समय में ही दिग्गज हस्तियों के लिए पसंदीदा जगह बन गया था। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कई सोना प्रेमियों ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि हम आपको याद करेंगे।

रिमी के साथ हुई धोखाधड़ी

स्टार्स के साथ धोखाधड़ी के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। अब हाल ही में इसमें अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म गोलमान-फन अनलिमिटेड में काम कर चुकी एक्ट्रेस रिमी सेन का जुड़ा है। खबर है कि रिमी के एक दोस्त ने उनके साथ करोड़ों रूपयों की ठगी की है, जिसे लेकर एक्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। एक्ट्रेस ने बताया, रिमी ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी को लेकर पुलिस में 2 साल बाद शिकायत दर्ज कराई है।

साल 2022 में मेरे दोस्त रौनक व्यास ने एक एलईडी लाइट की कंपनी में निवेश करने को लेकर 20 लाख रूपये मांगे। मैंने उसमें 60 दिन के हिसाब से 12 प्रतिशित के इंटरेस्ट रेट पर इन्वेस्ट किया था और उसे बता दिया था कि 60 दिन बाद ये ब्याज दर 16 परसेंट हो जाएगी। उसने मेरा फोन उठाना बंद कर दिया। तय समय और इंटरेस्ट रेट के अनुसार मेरे साथ 4.14 करोड़ का धोखा हुआ है। एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि उन्हें इस केस को फाइल करने में देरी इस वजह से हुई है क्योंकि उनकी एफआईआर फाइल खार पुलिस स्टेशन के स्थांनतरण के कारण गुम हो गई थी, जिसके चलते उन्हें नए सिरे रिपोर्ट दर्ज करानी पड़ी।

दोस्त ने ठगे करोड़ों

लिवइन में रहने पर सोनाक्षी ने किया रिएक्ट, लोगों की सोच पर कहा...

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों काफी खबरों में हैं। रिपोर्ट्स हैं कि वो 23 जून को जहीर इकबाल संग शादी करने जा रही हैं। इसी के साथ ये भी खबरें थीं सोनाक्षी पहले ही अपने पापा के घर रामायण से मूव आउट कर चुकी हैं और वो जहीर संग लिवइन में रह रही हैं।

अब एक्ट्रेस ने इन खबरों पर रिएक्ट किया है। सोनाक्षी सिन्हा ने इन खबरों को नकार दिया है। जब उनसे पूछा गया कि अब तो आप अपने घर में रह रही हैं, तो उन्होंने तुरंत पूछा कि आपसे किसने कहा कि मैं अब रामायण में नहीं रहती? तो होस्ट ने कहा कि मैंने सोचा कि आप अब खुद के घर में रहती हैं। तो इस पर सोनाक्षी ने कहा- आपने सोचा। यही होता है जब लोग खुद से सोचते हैं। मैं अभी भी अपने पेरेंट्स के साथ रहती हूं। हां, मैंने अपना घर खरीदा है। मैं वहां अपनी वर्क मीटिंग्स करती हूं। वहां मैं शूट करती हूं। वहां अपने ईवेंट्स के लिए तैयार होती हूं और जब मैं अपना सारा काम खत्म कर लेती हूं तो मैं वापस घर जाती हूं और सो जाती हूं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें थीं कि सोनाक्षी और जहीर 2 साल से एक-दूसरे के साथ हैं।

कुछ समय पहले ही दोनों ने शादी का फैसला लिया और कपल कुछ समय पहले ही साथ रहने लगा। अब दोनों शादी करने वाले हैं। दोनों की शादी प्राइवेट होगी, सिर्फ क्लोज फ्रेंड्स और घरवाले होंगे। सोनाक्षी शादी से पहले इससे जुड़ी डिटेल्स शेयर नहीं करना चाहती और इसे क्लोज सर्कल में रखना चाहती हैं। मालूम हो कि रिपोर्ट्स हैं कि जहीर और सोनाक्षी 23 जून को रजिस्टर मैरिज करेंगे। फिर रात को रिसेप्शन पार्टी होगी। इससे पहले 22 जून को उनके घर पर फंक्शन होगा।

-साभार एजेंसी